THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 267 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.3 2082 मंगलवार, 23 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बांग्लादेश में हसीना विरोधी एक और नेता पर हमला : घर में घुसकर गोली मारी

ढाका, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना विरोधी एक और नेता पर हमला हुआ है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खुलना में सोमवार दोपहर 12 बजे नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी) के नेता मोहम्मद मोतालेब शिकदर को घर में घुसकर गोली मार दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक हमलावरों ने सीधे मोतालेब के सिर को निशाना बनाकर फायरिंग की। वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें उठाकर खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड समझौते पर मुहर

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री लक्सन से फोन पर की बात

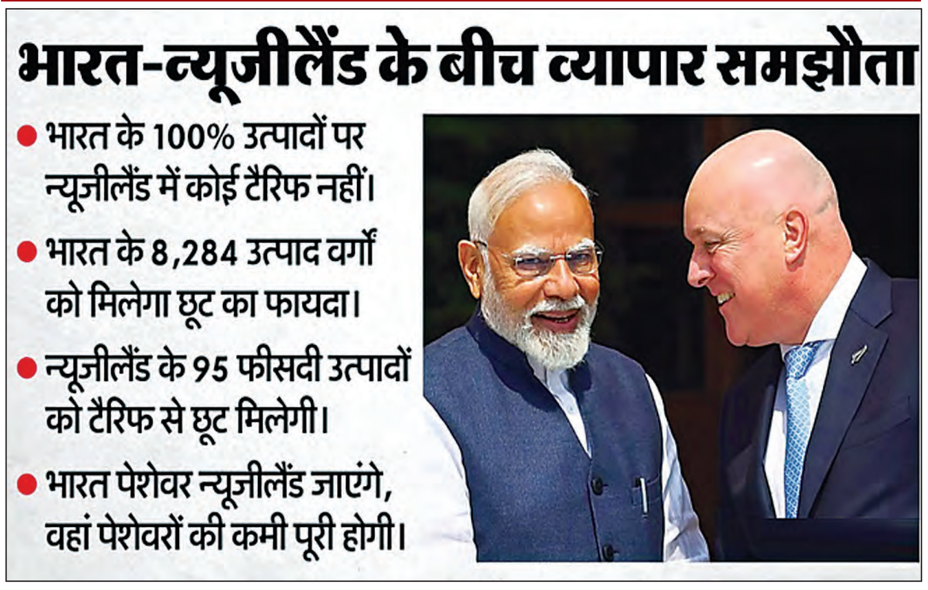

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर महत्वपूर्ण समझौता हो गया है। दोनों देशों के रिश्तों में एक कदम आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते के सफल और ऐतिहासिक रूप से संपन्न होने की संयुक्त घोषणा की। इसे दोनों देशों के लिए महत्वाकांक्षी, पारस्परिक लाभ वाला और भविष्य की दिशा तय करने वाला समझौता बताया गया।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर केंद्रीय व्यापार एवं निवेश मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, आज यह मुक्त व्यापार समझौता लोगों के इर्द-गिर्द व्यापार को बढ़ावा देने और हमारे किसानों, उद्यमियों, छात्रों, महिलाओं और नवप्रवर्तकों के लिए अवसर खोलने के बारे में है। यह समझौता पैदावार और किसानों की आय को बढ़ाकर आधुनिक कृषि उत्पादकता को गति देता है। यह सुव्यवस्थित निर्यात के माध्यम से इस क्षेत्र में भारतीय व्यवसायों के लिए द्वार खोलता है और हमारे युवाओं को वैश्विक मंच पर सीखने, काम करने और आगे बढ़ने के विकल्प प्रदान करता है। ओमान, ब्रिटेन, ईएफटीए देशों, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस के बाद न्यूजीलैंड के साथ एफटीए, पिछले कुछ वर्ष में भारत का सातवां एफटीए है।

भारत के साथ एफटीए पर बातचीत संपन्न :

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोमवार को कहा कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत संपन्न हो गई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि इस मुक्त व्यापार समझौते से भारत को निर्यात होने वाले हमारे 95 प्रतिशत उत्पादों पर शुल्क कम हो जाएगा या पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा।

लक्सन ने कहा कि यह अनुमान लगाया गया है कि आने वाले दो दशकों में न्यूजीलैंड से भारत को प्रति वर्ष होने वाला निर्यात 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर हो सकता है। उन्होंने कहा, मैंने न्यूजीलैंड-भारत मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत संपन्न होने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अभी बात की है। प्रधानमंत्री लक्सन ने कहा, यह समझौता दोनों देशों की मजबूत मित्रता पर आधारित है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इससे न्यूजीलैंड के व्यवसायों को 1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं तक पहुंचने का अवसर मिलता है।

इसरो के 'ब्लूबर्ड' पर दुनियाभर की निगाहें

> बाहुबली से भरेगा उड़ान

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) क्रिसमस से ठीक एक दिन पहले 24 दिसंबर को एक और नया कीर्तिमान रचने जा रहा है। इसरो अपने सबसे शक्तिशाली बाहुबली रॉकेट एलवीएम3 की मदद से ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 नाम के नाम के आधुनिक कम्युनिकेशन सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजेगा। इस मिशन का नाम 'एलवीएम3 एम6 मिशन' रखा गया है, जो कि न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया के मोबाइल कनेक्टिविटी सिस्टम के लिहाज से भी बेहद अहम माना जा रहा है।

क्या है ब्लूबर्ड सैटेलाइट :

ब्लूबर्ड सैटेलाइट अमेरिका की एएसटी स्पेस मोबाइल कंपनी द्वारा बनाया गया, जो काफी उन्नत किस्म का सैटेलाइट है। यह सीधे अंतरिक्ष से ही ब्रॉडबैंड नेटवर्क या फिर फोन में नेटवर्क प्रदान करेगा। यानी भविष्य में इस सैटेलाइन की मदद से बिना मोबाइल टावर या किसी अतिरिक्त उपकरण के, सीधे फोन पर इंटरनेट, कॉल और डेटा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

बाहुबली रॉकेट से किया जाएगा लॉन्च :

इसरो के इस मिशन में इस्तेमाल किया जाने वाला एलवीएम3 रॉकेट इसरो का सबसे भारी और ताकतवर लॉन्च व्हीकल है। यही रॉकेट चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 जैसे अहम मिशनों में भी इस्तेमाल किया जा चुका है। ब्लूबर्ड जैसे भारी और उन्नत सैटेलाइट को अंतरिक्ष में पहुंचाने की क्षमता एलवीएम3 को खास बनाती है।

पूर्व आईजी अमर सिंह चहल ने खुद को मारी गोली : 12 पन्नों का सुसाइड नोट

पटियाला, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पटियाला में पंजाब पुलिस के पूर्व आईजी अमर सिंह चहल ने खुद को गोली मार ली है। उन्हें तुरंत पटियाला के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। एसपी सिटी पलविंदर सिंह चीमा के मुताबिक मौके से पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है।

फिलहाल मामले की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक पूर्व आईजी को छाती में गोली लगी है। यह भी बताया जा रहा है कि मामला करोड़ों की साइबर ठगी से जुड़ा है। उन्होंने पटियाला में अपने घर पर खुद को गोली मारी है। पूर्व पुलिस अधिकारी द्वारा ऐसा खौफनाक कदम उठाए जाने की घटना से हड़कंप मच गया है। 12जानकारी के अनुसार पूर्व आईजी अमर सिंह चहल ने 12 पन्नों का सुसाइड नोट लिखा है। यह नोट उन्होंने पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव कपूर के नाम लिखा है, जिसमें उन्होंने अपने साथ 8.10 करोड़ की साइबर ठगी की बात लिखी है और इस वजह से वह मानसिक तनाव में हैं। उन्होंने खुद को गोली सुरक्षा कर्मी की रिवाल्वर से मारी है।

नेशनल हेराल्ड मामला : हाई कोर्ट में ईडी की याचिका पर सुनवाई

> सोनिया और राहुल को नोटिस जारी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग शिकायत पर ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें कोर्ट ने शिकायत का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित और लोगों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा, जबकि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और आर.एस. चीमा ने अदालत में दलीलें दीं। दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की ईडी की याचिका पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च 2026 को होगी।

हाईकोर्ट में ईडी ने 16 दिसंबर के ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि एजेंसी की शिकायत पर संज्ञान लेना कानूनन अस्वीकार्य है, क्योंकि यह किसी एफआईआर पर आधारित नहीं है। विशेष जज विशाल गोगने ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए कहा था कि गांधी परिवार पुलिस की एफआईआर पाने का हकदार नहीं।

मोदी मजदूरों का पैसा बढ़ने नहीं देना चाहते : सोनिया

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा को खत्म करने से गांवों में रहने वाले करोड़ों लोगों पर बुरा असर पड़ेगा।

उन्होंने मनरेगा के खत्म होने को सामूहिक नाकामी बताया और इसके खिलाफ सभी से एकजुट होने की अपील की है। सोनिया गांधी का यह बयान तब आया है, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) बिल को मंजूरी दे दी है, जो मनरेगा की जगह लेगा। इस नए कानून में ग्रामीण मजदूरों को 125 दिन काम देने की गारंटी दी गई है। सोनिया गांधी ने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे अपने कॉलम 'द बुलडोजर डिमॉलिश ऑफ मनरेगा' में यह बात कही। सोनिया गांधी ने कहा कि मनरेगा, महात्मा गांधी के सर्वोदय यानि 'सबका कल्याण' के विचार पर आधारित था। इसने काम के अधिकार को मजबूत किया है।

आप रेगिस्तान के मेहमान हैं, मालिक नहीं

> सुप्रीम कोर्ट ने सुना दिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण के मकसद से कई अहम निर्देश जारी किए हैं। इसे गोडावण के नाम से भी जाना जाता है। शीर्ष अदालत ने राजस्थान में भविष्य की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं पर कुछ प्रतिबंधों को भी मंजूरी दी है।

ये निर्देश जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की दो जजों की पीठ ने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन के संरक्षण से संबंधित रिट याचिकाओं का निपटारा करते हुए जारी किए। ये दोनों ही विलुप्त होने की कगार पर हैं। कोर्ट ने राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण को बचाने के लिए राजस्थान और गुजरात के 14,753 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बड़े सोलर पार्कों, पवन ऊर्जा परियोजनाओं और हाईटेंशन ओवरहेड बिजली लाइनों पर रोक लगाई है, ताकि गोडावण का प्राकृतिक आवास सुरक्षित रखा जा सके।

राजस्थान से लेकर गुजरात तक यह आदेश लागू :

बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने भूमिगत बिजली लाइनों और अन्य शमन उपायों की व्यवहार्यता की जांच के लिए पहले नियुक्त विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। निर्देशों के अनुसार, राजस्थान में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के लिए संशोधित प्राथमिकता संरक्षण क्षेत्र 14,013 वर्ग किलोमीटर होगा, जबकि गुजरात में यह 740 वर्ग किलोमीटर होगा। अदालत ने निर्देश दिया कि इन प्राथमिकता क्षेत्रों में पक्षी के इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण के लिए समिति द्वारा अनुशंसित सभी उपायों को तत्काल लागू किया जाना चाहिए। संशोधित प्राथमिकता क्षेत्रों में प्रजाति की निगरानी भी बिना किसी देरी के शुरू की जाएगी, साथ ही पक्षी पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर दीर्घकालिक अध्ययन भी किए जाएंगे।

जैसलमेर-बाड़मेर जिलों पर पड़ेगा असर :

रिपोर्ट के अनुसार, इस फैसले का सबसे ज्यादा असर जैसलमेर और बाड़मेर जिलों पर पड़ेगा, जो सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के केंद्र बनते जा रहे हैं। कोर्ट ने सोलर पार्क, पवन ऊर्जा परियोजनाओं और हाईटेंशन ओवरहेड बिजली लाइनों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने यह ऐतिहासिक फैसला पूर्व आईएएस अधिकारी और पर्यावरणविद् एमके रंजीत सिंह की याचिका पर सुनाया है।

दोनों जजों की बेंच ने कहा- गोडावण राजस्थान की आत्मा है। अगर यह पक्षी खत्म हुआ, तो यह हमारी पीढ़ी की सबसे बड़ी पर्यावरणीय विफलता होगी। कोर्ट ने जैसलमेर-बाड़मेर में काम कर रही ऊर्जा कंपनियों को भी कड़ा संदेश देते हुए कहा-कंपनियां रेगिस्तान की मालिक नहीं, बल्कि यहां मेहमान हैं।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में एसआईटी की जांच पर कांग्रेस का वार

लगाया गृह विभाग के दखल का आरोप

तिरुवनंतपुरम, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर से जुड़े सोना चोरी मामले में सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस ने इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी का आरोप है कि जांच स्वतंत्र नहीं है और इसे राज्य के गृह विभाग द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है, जिससे सच सामने आने में देरी हो रही है।

कोच्चि में मीडिया से बात करते हुए केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी ने कहा कि एसआईटी अब तक इस मामले के असली दोषियों तक पहुंचने में नाकाम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच की दिशा और गति दोनों ही सवालों के घेरे में हैं। उनका कहना है कि खुद केरल हाईकोर्ट ने भी एसआईटी की जांच की रफ्तार और गंभीरता पर चिंता जताई है। सनी जोसेफ ने कहा कि हाईकोर्ट ने साफ तौर पर संकेत दिया है।

> रेल का बढ़ा किराया तो भड़का विपक्षी खेमा

जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ रही सरकार : खड़गे

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। रेल मंत्रालय ने रविवार को ट्रेन की टिकट के दाम को बढ़ाने का एलान किया, जिसके बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मोदी सरकार पर आम लोगों से लूट करने का आरोप लगाया है।

सोमवार को उन्होंने कहा कि सरकार ने एक साल में दूसरी बार रेल किराया बढ़ाया है और यह बढ़ोतरी केंद्रीय बजट से ठीक पहले की गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में खड़गे ने लिखा कि मोदी सरकार के दौर में रेलवे की हालत खराब हो गई है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अलग रेलवे बजट खत्म होने से जवाबदेही भी खत्म हो गई है। बता दें कि रेल मंत्रालय ने रविवार को ट्रेन टिकट के दाम बढ़ाने का एलान किया। नए नियमों के मुताबिक, साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा पर प्रति किलोमीटर 1 पैसा बढ़ाया गया है।

वहीं, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की नॉन-एसी क्लास और सभी ट्रेनों की एसी क्लास में प्रति किलोमीटर 2 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद से आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति बढ़ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने आगे आरोप लगाया कि सरकार प्रचार में ज्यादा और काम में कम ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि रेलवे की सुरक्षा लगातार बिगड़ रही है। एनसीआरबी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि 2014 से 2023 के बीच रेलवे हादसों में 2.18 लाख लोगों की मौत हुई है।

इतना ही नहीं खड़गे ने रेल सुरक्षा प्रणाली 'कवच' को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा।

'पीएम ने इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश किया'

> प्रधानमंत्री के असम दौरे पर बोले कांग्रेस सांसद गोगोई

गुवाहाटी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। असम दौरे के दौरान प्रधानमंत्री के भाषणों को लेकर सियासी बहस तेज हो गई है। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में अपने संबोधनों में भारतीय इतिहास का तोड़ा-मरोड़ा रूप पेश किया। गोगोई ने गुवाहाटी में कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण कांग्रेस पर हमले और इतिहास की व्याख्या को अपने हिसाब से ढालने तक सीमित रहे। गोगोई ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने असम के लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि नहीं दी, जबकि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने श्रद्धांजलि दी थी, परिवार से भी मिले और न्याय की मांग की थी। कांग्रेस नेता आगे यह भी कहा कि इससे असम के लोगों की भावनाओं की अनदेखी झलकती है।

इतिहास पर विवाद :

गोगोई ने प्रधानमंत्री के उस दावे पर आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया था कि आजादी से पहले असम को पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की साजिश रची गई थी और कांग्रेस भी उसमें शामिल थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि इस साजिश के खिलाफ गोपीनाथ ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ खड़े होकर असम की पहचान बचाई। गोगोई ने आरोप लगाया कि इस तरह की बातें इतिहास को एकतरफा ढंग से पेश करती हैं।

संवेदना बनाम समारोह :

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री लाइट्स, कैमरा और कोरियोग्राफ्ड समारोहों में इतने व्यस्त दिखे कि आम लोगों की पीड़ा और शोक दिखाई नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि न तो जुबीन गर्ग के परिवार से मुलाकात हुई और न ही उनके लाखों प्रशंसकों के लिए संवेदना के शब्द कहे गए। गोगोई के अनुसार, ऐसा लगा जैसे असम के लोगों का दर्द प्रधानमंत्री की नज़र से ओझल है।

मणिपुर का भी किया जिक्र :

गोगोई ने मणिपुर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के युवाओं को भी प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान ऐसा ही अनुभव हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि मणिपुर के लोग एक ऐसे नाटक के हिस्से बने, जिसमें प्रधानमंत्री निर्देशक से लेकर मुख्य अभिनेता तक की भूमिका में थे। इसके उलट राहुल गांधी ने मणिपुर का दो बार दौरा कर हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की।

गोगोई ने कहा कि पूर्वोत्तर कोई नारा नहीं, बल्कि वहां के लोगों के खून-पसीने और बलिदान से भारत की धरती मजबूत हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर सम्मान चाहता है और वही समर्थन पाएगा जो उसकी संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करे।

सीएम पद पर 'रस्साकशी' : सिद्धारमैया बोले-फैसला कांग्रेस आलाकमान करेगा

मैसूर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने को लेकर चल रही अटकलों के बीच सीएम सिद्धारमैया ने सोमवार को अपनी स्थिति एक बार फिर स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि नेतृत्व के मुद्दे पर अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान और राहुल गांधी को लेना है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व ने उन्हें सूचित किया है कि वे इस मामले पर निर्णय लेंगे और पार्टी का हर सदस्य उस फैसले का पालन करेगा। सिद्धारमैया का यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें खड़गे ने कहा था कि नेतृत्व को लेकर भ्रम केवल स्थानीय स्तर पर है, हाईकमान के भीतर नहीं।

हाईकमान को दोष देने के बजाय खुद जिम्मेदारी लेनी चाहिए

साथ ही खड़गे ने यह भी कहा था कि स्थानीय नेताओं को अंदरूनी कलह के लिए हाईकमान को दोष देने के बजाय खुद जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस पर सिद्धारमैया ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें खड़गे के बयान के विवरण के बारे में जानकारी नहीं है, लेकिन वे हाईकमान के हर आदेश के लिए तैयार हैं।

राज्य में सत्ता की खींचतान तब और तेज हो गई जब 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय (ढाई साल) पूरा कर लिया। जब मुख्यमंत्री से उनके कार्यकाल की अवधि और स्थिति स्पष्ट होने के समय के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह सब हाईकमान पर निर्भर है।

नेतृत्व का फैसला आलाकमान करेगा

उन्होंने मीडिया पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जब विधानसभा में यह बात साफ कर दी गई है कि नेतृत्व का फैसला आलाकमान करेगा, तो बार-बार इस पर सवाल पूछने की कोई आवश्यकता नहीं है। गौरतलब है कि सिद्धारमैया ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा था कि वह पद पर बने रहेंगे और हाईकमान उनके पक्ष में है, जबकि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने समझौते की बात करते हुए कहा था कि उन्होंने और सीएम सिद्धारमैया ने कांग्रेस हाईकमान की दखलअंदाजी से एक समझौता किया है, और दोनों इसका पालन करेंगे।

क्या राजनीतिक गलियारे में संक्रांति के बाद क्रांति :

मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान पर भी सिद्धारमैया ने सहमति जताया, जिसमें कहा गया था कि कोई भी व्यक्ति पार्टी से बड़ा नहीं होता और पार्टी किसी एक व्यक्ति की वजह से सत्ता में नहीं आती। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक ऐसी सच्चाई है जिसे सभी को स्वीकार करना चाहिए।

डिप्टी सीएम शिवकुमार बोले-सरकार ने मनरेगा का गला घोंटा : यह भाजपा के अंत का आगाज

बेंगलूरू, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मनरेगा योजना के नाम को बदलने के लिए लाए गए कानून विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी को लेकर देशभर में सियासत जारी है। ऐसे में अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस योजना के नाम बदलने को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। साथ ही गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के जरिए देश के हर नागरिक को काम देने की व्यवस्था की गई थी और यह अधिकार कांग्रेस सरकार ने संविधान के तहत दिया था। पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिवकुमार ने कहा कि पूरे देश में कनकपुरा वह विधानसभा क्षेत्र है, जहां उन्होंने नरेगा योजना (बाद में मनरेगा) का प्रयोग सबसे पहले किया था। शिवकुमार ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा ने वहां जांच करवाई और बेवजह अनियमितताओं के आरोप लगाए। कर्नाटक के डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि पहले नरेगा के तहत बनने वाले भवनों और अन्य कार्यों में राज्य सरकार को सिर्फ 10 प्रतिशत पैसा देना होता था, जबकि केंद्र सरकार 90 प्रतिशत खर्च उठाती थी। लेकिन अब यह अनुपात बदलकर 60:40 कर दिया गया है। शिवकुमार का कहना है कि इस बदलाव का मकसद इस योजना को कमजोर करना और धीरे-धीरे खत्म करना है।

लिव-इन पर भागवत बोले : आप जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं-ये ठीक बात नहीं

शादी सिर्फ शारीरिक संतुष्टि नहीं, इसकी आदर्श उम्र 19-25 साल

कोलकाता, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले लोग जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि परिवार, शादी, सिर्फ शारीरिक संतुष्टि का जरिया नहीं है। यह समाज की एक इकाई है।

भागवत ने आगे कहा कि परिवार वह जगह है जहां एक व्यक्ति समाज में रहना सीखता है। लोगों के मूल्य वहीं से आते हैं। उन्होंने कोलकाता में आरएसएस के कार्यक्रम में यह बात कही। परिवार के बारे बात करते हुए भागवत ने कहा कि शादी की उम्र तय करने का कोई फॉर्मूला नहीं है। लेकिन रिसर्च से पता चलता है कि शादी 19 से 25 साल की उम्र के बीच की जा सकती है। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अंडमान और निकोबार के लेफ्टिनेंट गवर्नर एडमिरल (रिटायर्ड) डीके जोशी भी मौजूद थे।

'परिवार समाज को आकार देता है'

भागवत ने कहा कि परिवार इकाई संस्कृति, अर्थव्यवस्था का संगम है और कुछ मूल्यों को अपनाकर समाज को आकार देती है। कितने बच्चे होने चाहिए, यह परिवार में तय होता है। पति और पत्नी, और समाज। कोई फॉर्मूला नहीं दिया जा सकता। मैंने डॉक्टरों वगैरह से बात करके कुछ ज्ञान प्राप्त किया है और वे कहते हैं कि अगर शादी जल्दी, 19-25 साल की उम्र के बीच होती है, और तीन बच्चे होते हैं, तो माता-पिता और बच्चों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

भारतीय जनसंख्या को प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं किया गया है। हमने आबादी को प्रभावी ढंग से मैनेज नहीं किया है। आबादी एक बोझ है, लेकिन यह एक संपत्ति भी है। हमें अपने देश के पर्यावरण, इंफ्रास्ट्रक्चर, सुविधाओं, महिलाओं की स्थिति, उनके स्वास्थ्य और देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 50 साल के अनुमान के आधार पर एक पॉलिसी बनानी चाहिए। डेमोग्राफर कहते हैं कि अगर जन्म दर तीन से कम हो जाती है, तो आबादी घट रही है, और अगर यह 2.1 से कम हो जाती है, तो यह खतरनाक है। अभी, हम सिर्फ बिहार की वजह से 2.1 पर हैं; नहीं तो, हमारी दर 1.9 है।

'लोग समझते हैं कि आरएसएस हिंदुओं की सुरक्षा की वकालत करता है'

भागवत ने कहा कि अभी लोगों के मन में आरएसएस की धारणा सही हो गई है, लोग समझ रहे हैं कि संगठन हिंदुओं की सुरक्षा की वकालत करता है, और कट्टर राष्ट्रवादी है, लेकिन मुस्लिम विरोधी नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि संगठन लोगों के मन से किसी भी गलत धारणा को दूर करने की कोशिश करेगा, लेकिन जो सीखना नहीं चाहता, उसकी मदद नहीं की जा सकती।

फर्जी पुलिस बनकर महिला से दुष्कर्म

> नवी मुंबई कोर्ट का सख्त फैसला

> आरोपी को 10 साल की कठोर कैद

नवी मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में 2016 के एक गंभीर अपराध मामले में अदालत ने 44 वर्षीय आरोपी सागर बाबूराव धुलप को दोषी करार दिया है। आरोपी ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर 22 साल की युवती को धमकाया, उससे पैसे वसूले और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पारग ए. साने (बेलापुर कोर्ट) ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म), 170 (लोक सेवक का रूप धारण करना) और 384 (उगाही) के तहत दोषी ठहराया।

कैसे दिया वारदात को अंजाम?

अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 13 फरवरी 2016 को पीड़िता अपने एक दोस्त के साथ मुंबई के कुर्ला इलाके में एक लॉज गई थी। वहां आरोपी ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर दोनों को रोका। आरोपी ने युवती को डराया कि वह उसके माता-पिता को इसकी सूचना दे देगा और उससे 30 हजार रुपये की मांग की। इसके बाद वह उसे जबरन नवी मुंबई के तुर्भे स्थित एक लॉज में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने बचाव पक्ष की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि पीड़िता ने सार्वजनिक स्थानों पर मदद के लिए शोर नहीं मचाया, जिससे सहमति का संकेत मिलता है। जज ने स्पष्ट कहा कि आरोपी ने खुद को पुलिसकर्मी बताया था, इसी डर के कारण पीड़िता चुप रही। केवल इस आधार पर पीड़िता की गवाही को नकारा नहीं जा सकता।

सजा और जुर्माना

अदालत ने आरोपी को दुष्कर्म के लिए 10 साल की कठोर कैद, पुलिस अधिकारी का रूप धारण करने पर 2 साल की सजा और उगाही के लिए 3 साल की सजा सुनाई। साथ ही सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इसके अलावा 1,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

खबरे जरा हटके

ये तो जादुई व्हील चेयर है! जिसने भी देखा ये वायरल वीडियो, दंग रह गया

विधायक ने खुद ही बताया सच

यूपी का सुल्तानपुर इस समय सुर्खियों में है. यहां पर एक अजब-गजब का मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति को बतौर दिव्यांग विधायक ने व्हीलचेयर दी, लेकिन फोटो खिंचवाने के बाद वह व्यक्ति तुरंत उठकर चलने लगा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. वीडियो में विधायक जी मौजूद हैं, जिसमें वे एक स्वस्थ व्यक्ति को फोल्डिंग व्हील चेयर पर बैठाकर वीडियो बनवा रहे हैं और बाद में व्हील चेयर उसी सामान्य व्यक्ति को सौंप दी जा रही है.

वहीं सोशल मीडिया पर किरकिरी होने के बाद विधायक सीताराम वर्मा कैमरे के सामने आए और वीडियो जारी कर मामले की सच्चाई बताते हुए अपना पक्ष रखा. उन्होंने कहा कि ये व्हील चेयर जिसे देनी थी वो दिव्यांग बीमार था, लिहाजा उसके पिता को व्हील चेयर दी गई, लेकिन सवाल ये उठता है कि जब व्हील चेयर उनके पिता को ही देनी थी तो उसपर बैठाकर फोटो और वीडियो बनवाने की जरूरत क्यों पड़ गई. दरअसल ये मामला लंभुआ ब्लाक परिसर का है, जहां शनिवार को इलाके के विधायक सीताराम वर्मा की ओर से तमाम दिव्यांगों को उपकरण वितरण किया जाना था. विधायक जी कार्यक्रम में देर से पहुंचे. लिहाजा अन्य सभी दिव्यांगों को पहले ही उपकरण वितरित कर दी गई. अंत में विधायक सीताराम वर्मा की अनुपस्थिति में एक हस्ट-पुस्ट व्यक्ति को व्हील चेयर पर बैठाकर वीडियो बनाया गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और विधायक की किरकिरी होने लगी. इसके बाद विधायक जी ने रविवार को एक वीडियो जारी कर मामले की हकीकत बताई. उनकी मानें तो बनकेपुर के रहने वाले रामधनी का लड़का संदीप कुमार दिव्यांग है, लेकिन बीमारी के चलते संदीप अपनी व्हील चेयर लेने नहीं पहुंच सका. लिहाजा संदीप के पिता रामधनी को फोल्डिंग व्हीलचेयर देकर विधायक और अधिकारियों ने फोटो और वीडियो बनवा लिया.

'एथनिक कपड़े नहीं पहना तो देना होगा जुर्माना!'

कंपनी ने बना दी अजीब पॉलिसी, वसूलती है 100-100 रुपये!

आजकल प्राइवेट कंपनियों में एक नियम बन गया है कि अलग-अलग त्योहारों पर लोगों को उसके हिसाब से कपड़े पहनने पड़ते हैं. जैसे दिवाली-होली के वक्त कर्मचारी भारतीय एथनिक कपड़े पहनते हैं, क्रिसमस में लाल रंग के कपड़े पहनते हैं और किसी अन्य फंक्शन या ईवेंट पर भी ड्रेस कोड तय कर दी जाती है. मगर एक कंपनी ने तो हद ही कर दी. वो चाहती है कि उसके कर्मचारी हर फ्राइडे को पारंपरिक कपड़े पहनकर आएं और अगर किसी ने ऐसा नहीं किया तो उनके ऊपर 100 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक महिला कर्मचारी का पोस्ट इन दिनों चर्चा में है, जिसमें उसने अपनी कंपनी के एक अजीबोगरीब और विवादित नियम का खुलासा किया है. महिला के मुताबिक, उसकी कंपनी के ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) विभाग ने "ट्रेडिशनल फ्राइडे" नाम की एक नई नीति लागू की है, जिसके तहत हर शुक्रवार को कर्मचारियों के लिए एथनिक ड्रेस पहनना अनिवार्य कर दिया गया है. इस नियम का पालन न करने पर कर्मचारियों से जुर्माना वसूला जा रहा है.पोस्ट के अनुसार, कंपनी के हेड ऑफिस में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को शुक्रवार के दिन साड़ी, कुर्ता, सलवार-सूट या अन्य पारंपरिक भारतीय कपड़े पहनकर आना होगा. जो कर्मचारी ऐसा नहीं करते, उनसे 100 रुपये का "फाइन" या "कंट्रीब्यूशन" लिया जाएगा. वहीं, सीनियर मैनेजमेंट के सदस्यों के लिए यह राशि 500 रुपये तय की गई है. रेडिट पर शेयर किए गए HR के इंटरनल ईमेल के स्क्रीनशॉट में दावा किया गया है कि इस तरह से इकट्ठा की गई रकम कंपनी के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड में जमा की जाएगी.

लग्जरी डिनर या पैसों की बर्बादी? 40 हजार रुपए का डिनर कर भारतीय शख्स का रिव्यू हुआ वायरल!

इन दिनों सोशल मीडिया पर एक भारतीय शख्स का फूड रिव्यू वीडियो जबरदस्त चर्चा में है. यह वीडियो शिकागो के मशहूर मिशेलिन-स्टार इंडियन रेस्टोरेंट का है. इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में रिव्यूअर अनुष्क ने अपने फाइन-डाइनिंग अनुभव को बेहद मजेदार और देसी अंदाज में पेश किया, जिसे देखकर लोग उनके फैन हो गए. अनुष्क ने बताया कि उन्होंने इस रेस्टोरेंट में करीब 40 हजार रुपये का वेजिटेरियन टेस्टिंग मेन्यू ट्राई किया और उनके मुताबिक यह अनुभव पूरी तरह पैसे वसूल रहा.

अनुष्क ने 10-कोर्स वाले वेजिटेरियन टेस्टिंग मेन्यू का रिव्यू बड़े ही दिलचस्प अंदाज में किया. इस मेन्यू में ढोकला, पानीपुरी, योगर्ट चाट, मेदू वड़ा समेत कई खास डिशेज शामिल थीं. मेन्यू कार्ड में डिशेज के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, जिससे हर कोर्स एक सरप्राइज जैसा लगा. वाइन न पीने की वजह से उन्होंने स्पिरिट-फ्री बेवरेज पेयरिंग चुनी. डाइनिंग की शुरुआत भी खास रही, जहां सर्वर ने पहले टेबलक्लॉथ को आयरन किया और फिर उन्हें सीट ऑफर की. जन्मदिन होने के कारण उन्हें एक कॉम्प्लिमेंट्री ड्रिंक भी दी गई. पहले कोर्स में ढोकला पर फूलों की पंखुड़ियों जैसी दिखने वाली चीज असल में सॉलिड चटनी निकली, जिसने उन्हें चौंका दिया. इसके बाद मशरूम गलौटी को उन्होंने "अमेजिंग" बताया. पानीपुरी उन्हें औसत लगी क्योंकि उसमें कई तरह की फिलिंग और जेली थी. योगर्ट चाट की प्रेजेंटेशन उन्हें खास पसंद आई. मेदू वड़ा को उन्होंने अपनी जिंदगी का सबसे बेहतरीन फूड बताया और ऊपर लगी चटनी को मजाक में "टोपी" कहा. मॉरेल मांटी भी उनके लिए नया अनुभव रहा, लेकिन स्वाद उन्हें अच्छा लगा.

विशेष अवकाश पीठ में सुनवाई के लिए जरूरी मामलों को सूचीबद्ध करेगी रजिस्ट्री

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को वकीलों से कहा कि वे मामलों की जरूरी सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री से संपर्क करें, जो कारणों की जांच करेगी और उसी के अनुसार मामले को सूचीबद्ध करेगी। मुख्य न्यायाधीश ने जस्टिस जॉयमाल्य बागची के साथ एक विशेष अवकाश पीठ में बैठकर कुछ जरूरी मामलों की सुनवाई करते हुए तीन बातें कहीं।

जैसे ही बेंच ने मामलों की सुनवाई शुरू की, वकीलों ने तुरंत सुनवाई के लिए मामलों का जिक्र करना शुरू कर दिया। इसी के देखते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा, जिक्र करने के बजाय, रजिस्ट्री को कारण बताएं। कारणों की जांच की जाएगी, अगर वे बहुत जरूरी पाए जाते हैं, तो उन्हें अस्थायी रूप से 26 दिसंबर या 29 दिसंबर को लिस्ट किया जाएगा। बेंच ने कहा कि यह विशेष बैठक सोमवार को छुट्टियों के दौरान ऐसे जरूरी मामलों पर समय पर विचार करने के लिए आयोजित की गई थी, जिनमें तुरंत न्यायिक दखल की जरूरत है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि वे जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए 22 दिसंबर को बैठेंगे, जो सुप्रीम कोर्ट की क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों का पहला दिन है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर साझा की गई कार्य सूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस जॉयमाल्य बागची के साथ, सुबह 11 बजे अवकाश पीठ में 17 मामलों की सुनवाई करेंगे।

2.21 करोड़ की ठगी से बचे 3 बुजुर्ग

गांधीनगर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड का सबसे ज्यादा असर बुजुर्गों पर पड़ रहा है। गुजरात के अहमदाबाद में बैंक मैनेजरों और म्यूचुअल फंड अधिकारियों ने समय रहते कार्रवाई कर तीन बुजुर्गों को 2.21 करोड़ रुपए की ठगी से बचा लिया। साथ ही उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' के डर से भी बाहर निकाला।

तीनों मामलों में साइबर ठगों का दबाव इतना ज्यादा था कि बुजुर्ग असली पुलिस की बात सुनने तक को तैयार नहीं थे। उन्हें पुलिस भी फ्रॉड का हिस्सा लग रही थी। दो मामलों में तो स्थिति हाथापाई तक पहुंच गई। बुजुर्गों ने पुलिसकर्मियों से बहस की और झड़प भी हुई।

मलयालम एक्टर के खिलाफ ड्रग्स केस बंद कर सकती है पुलिस, जांच रिपोर्ट में नहीं मिला कोई प्रमाण

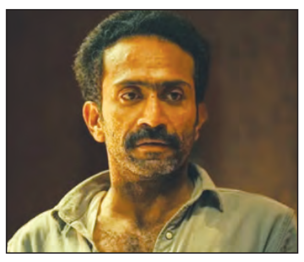

कोच्चि, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मलयालम अभिनेता शाइन टॉम चाको के खिलाफ इस साल अप्रैल में दर्ज किए गए ड्रग्स केस को पुलिस जल्द ही बंद कर सकती है। अधिकारियों ने सोमवार को जानकारी दी कि हाल ही में आई रासायनिक जांच रिपोर्ट में अभिनेता के शरीर में किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ के निशान नहीं मिले हैं। वैज्ञानिक साक्ष्यों के अभाव में अब इस मामले को आगे बढ़ाना पुलिस के लिए कानूनी रूप से कठिन हो गया है। इस मामले की शुरुआत 16 अप्रैल को हुई थी, जब डिस्ट्रिक्ट एंटी-नारकोटिक स्पेशल एक्शन फोर्स (डीएएनएसएएफ) ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कोच्चि के एक होटल में छापा मारा था। पुलिस के अनुसार, उस समय होटल में मौजूद अभिनेता शाइन टॉम चाको मौके से फरार हो गए थे।

पुलिस ने जांच के लिए सैंपल

मामले में पुलिस ने वहां से मलप्पुरम निवासी अहमद मुर्शाद को हिरासत में लिया था, जो चाको के साथ मौजूद थे। इसके बाद नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके कुछ दिनों बाद, चाको पुलिस के सामने पेश हुए, जिसके बाद जांच के लिए उनके खून और बालों के सैंपल लिया गया।

इन धाराओं में दर्ज हुआ था मामला

मामले को लेकर एर्नाकुलम नॉर्थ पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, 'हमें हाल ही में जो केमिकल रासायनिक जांच मिली है, उसमें कहा गया है कि दिए गए सैंपल में ड्रग्स या नशीले पदार्थों का कोई निशान नहीं मिला है।

'चुनाव आयोग केवल भाजपा के इशारे पर काम कर रहा'

> केंद्र पर बरसीं सीएम ममता

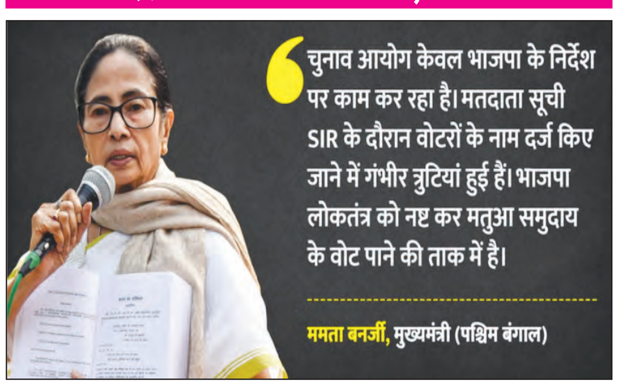

कोलकाता, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

कोलकाता में आयोजित पार्टी बैठक में ममता ने कहा कि चुनाव आयोग अब स्वतंत्र संस्था की तरह काम नहीं कर रहा, बल्कि भाजपा के निर्देशों पर चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची तैयार करने में भारी स्तर पर गलतियां हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया जानबूझकर की जा रही है ताकि खास समुदायों के वोट छीने जा सकें। उन्होंने ने साफ चेतावनी दी कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जो पार्षद और पार्टी कार्यकर्ता निष्क्रिय रहेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बूथ स्तर के एजेंटों को सतर्क रहने और मतदाताओं की रक्षा करने का निर्देश दिया।

मतुआ समुदाय को निशाना बनाने का दावा

ममता बनर्जी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि मटुआ समुदाय के मताधिकार को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए प्रशासनिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। ममता ने केंद्र से भेजे गए माइक्रो ऑब्जर्वरों की नियुक्ति पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों को स्थानीय भाषा और हालात की समझ नहीं है, जिससे आम मतदाताओं को परेशानी हो रही है।

'लोकतंत्र बचाने की लड़ाई'

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ एक चुनावी मुद्दा नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह बिना बंगाल सरकार को जानकारी दिए पर्यवेक्षक नियुक्त कर रही है और भजपा के हित साध रही है। उन्होंने कहा कि केवल टीएमसी के कार्यकर्ता ही राज्य में भाजपा की पैठ रोक सकते हैं। सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा बंगाल में मुसलमानों के बीच फूट डालने की कोशिश कर रही है।

11 साल के छात्र ने खटखटाया एचसी का दरवाजा

सीएम श्री स्कूल दाखिला परीक्षा के खिलाफ याचिका पर नोटिस

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में एक 11 वर्षीय छात्र ने दिल्ली सरकार के सीएम श्री स्कूलों में कक्षा 6 के प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा की नीति को चुनौती दी है। छात्र का कहना है कि यह प्रक्रिया बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (आरटीई) एक्ट, 2009 का उल्लंघन करती है। बच्चे की याचिका पर हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई 10 फरवरी 2026 को तय की गई है।

छात्र की ओर से अधिवक्ता अशोक अग्रवाल ने अपील दाखिल की है, जिसमें सिंगल बेंच के उस फैसले को पलटने की मांग की गई है जिसमें प्रवेश परीक्षा को वैध ठहराया गया था। यह मामला दिल्ली सरकार के 23 जुलाई 2025 को जारी सर्कुलर से जुड़ा है, जिसमें 2025-26 शैक्षणिक सत्र के लिए कक्षा 6 से 8 तक के प्रवेश दिशा-निर्देश दिए गए थे।

छात्र की याचिका में दावा किया गया है कि प्राथमिक स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित करना गैर कानूनी है और यह बाल अधिकार अधिनियम (आरटीई एक्ट), 2009 का उल्लंघन करता है। आरटीई एक्ट की धारा 13 के तहत प्रवेश के दौरान स्क्रीनिंग प्रक्रिया पर प्रतिबंध है, जो बच्चों के मुफ्त, निष्पक्ष और भेदभावरहित शिक्षा के मौलिक अधिकार की रक्षा करती है। याचिका में कहा गया है कि प्रवेश परीक्षा पारदर्शिता, समानता और समावेशिता को कमजोर करती है तथा संविधान के अनुच्छेद 21-ए का हनन करती है।

मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा बोले

प्रदूषण फैलाने वाली इंडस्ट्री बिना नोटिस के सील की जाएंगी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार सख्त है। प्रदूषण फैलाने वाली इंडस्ट्रीज को चेतावनी देते हुए दिल्ली के मंत्री मजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि पहचाने गए उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई शुरू हो गई है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'जिन प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों की हमने पहचान की है, उन्हें बिना किसी और नोटिस के सील कर दिया जाएगा।

उन्हें पहले ही कई मौके दिए जा चुके हैं।' मंत्री मजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि जीआरएपी-4 के तहत सख्त उपायों से अच्छे नतीजे मिले हैं। वाहनों से होने वाले प्रदूषण की जांच के लिए एक बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'अब तक पिछले चार दिनों में 2,12,332 पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट (पीयूसीसी) चेक किए गए हैं, जिनमें से लगभग 10,000 गाड़ियां टेस्ट में फेल हो गई हैं।' सिरसा ने आगे कहा कि ऐसी शिकायतें मिली हैं कि कुछ प्राइवेट कंपनियाँ जीआरएपी-4 के तहत वर्क-फ्रॉम-होम एडवाइजरी को पूरी तरह से लागू नहीं कर रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी, 'अगर किसी ऐसी कंपनी के खिलाफ शिकायत मिलती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।'

वडोदरा में शर्ट ने बचाई युवक की जान

वडोदरा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा में एक सड़क हादसे में एक युवक की जान बाल-बाल बच गई। दरअसल, नंदेसरी ब्रिज से गुजर रहे मोपेड सवार सिद्धराज सिंह महिदा को एक कार ने पीछे से टक्कर मार दी थी। सिद्धराज उछलकर ब्रिज की दीवार पर गिर गया। सिद्धराज ब्रिज से नीचे गिरने वाले थे कि तभी उनकी शर्ट खंभे में फंस गई। इस दौरान 20 फुट ऊंचे ब्रिज पर लटके सिद्धराज को लोगों ने बचा लिया। उन्हें मामुली चोटें आईं। हादसे का वीडियो सामने आया है, जो अब वायरल हो रहा है। आणंद जिले के अदास गांव में रहने वाले सिद्धराज सिंह महिदा (20 साल) रविवार को मोपेड से वडोदरा आ रहे थे। इसी दौरान नंदेसरी पुल पर हादसे का शिकार हो गए। उनकी मोपेड को एक कार ने पीछे टक्कर मार दी थी। कार चालक टक्कर मारकर फरार हो गया।

बंगाल के सियासी चौसर पर बदलाव के आसार

टीएमसी के बागी कबीर नया दल बनाएंगे

कोलकाता, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सोमवार को एक नया नाम जुड़ने जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर आज अपनी नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा करेंगे। उन्होंने अपनी नई पार्टी जनता उन्नयन पार्टी का एलान कर दिया। मुर्शिदाबाद जिले की भरतपुर विधानसभा सीट से विधायक हुमायूं कबीर मिर्जापुर (बेलडांगा के पास) से अपनी पार्टी की शुरुआत करेंगे। यह वही इलाका है, जहां उनसे जुड़ी एक प्रस्तावित बाबरी मस्जिद परियोजना को लेकर पहले भी काफी चर्चा हो चुकी है।

पार्टी लॉन्च से पहले हुमायूं कबीर ने कहा कि टीएमसी से निलंबन के बावजूद उनका राजनीतिक सफर खत्म नहीं हुआ है। उनका दावा है कि वे आम लोगों के लिए काम करेंगे और हर चुनौती का सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही उनकी पार्टी का झंडा कोलकाता से लेकर उत्तर बंगाल के कई जिलों में नजर आएगा।

100 से ज्यादा सीटों पर पार्टी लड़ेगी चुनाव

कबीर ने बताया कि मुर्शिदाबाद उनका जन्मस्थान है और इस जिले से उनका खास रिश्ता है, इसलिए यहां पार्टी की मजबूत मौजूदगी तय है। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के पदाधिकारियों की भी घोषणा की जाएगी। पश्चिम मेदिनीपुर के अल हाज हाजी को संगठन में अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। हुमायूं कबीर ने यह भी कहा कि वे जल्द ही बरहामपुर से रोड शो निकालेंगे। उनका दावा है कि उनकी पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में 100 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और नतीजों के बाद सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने टीएमसी और भाजपा दोनों के विरोधी दलों से साथ आने की अपील की है। कबीर का कहना है कि उनका लक्ष्य अल्पसंख्यक वोटों को एकजुट करना और कम से कम 90 सीटें जीतना है। उन्होंने यह भी संकेत दिए हैं कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर और नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ नंदीग्राम से उम्मीदवार उतार सकती है।

कबीर और टीएमसी के बीच मतभेद जारी

बता दें कि टीएमसी के निलंबित विधायक कबीर और टीएमसी के बीच खाई तब और बढ़ गई जब कबीर ने छह दिसंबर को मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद के मॉडल पर नई मस्जिद का नींव डाली किया। यह तारीख यूपी के अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस की बरसी थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
मंगलवार, 23 दिसंबर, 2025 3

सुविचार: जीवन में किसी को परखने का नहीं, सदा समझने का प्रयास कीजिए!

उत्तम ने पीआरएलआई पर केसीआर को घेरा
गिरे चेक डैमों की विजिलेंस जांच के आदेश

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव पर पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना (पीआरएलआई) को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला।

बीआरएस के दावों पर सवाल उठाते हुए उत्तम ने कहा कि 27,000 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद परियोजना का 90 प्रतिशत काम अधूरा कैसे रह गया और अब तक पर्यावरणीय मंजूरी क्यों नहीं मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार 5,000 करोड़ रुपये के लंबित बिल छोड़कर गई और महबूबनगर के किसानों को सिंचाई सुविधा देने में पूरी तरह विफल रही। अगर 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया था तो एक एकड़ भूमि तक पानी क्यों नहीं पहुंचा? पेद्दापल्ली जिले के दौरे के दौरान मंत्री ने गुम्पुला और अदावी सोमणपल्ली गांवों में गिरे चेक डैमों का निरीक्षण किया और विजिलेंस जांच के आदेश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्माण में घटिया गुणवत्ता या जानबूझकर तोड़फोड़ पाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नदी जल बंटवारे पर उत्तम ने कहा कि तेलंगाना 71 प्रतिशत जल हिस्सेदारी के लिए मजबूती से लड़ रहा है, जबकि आंध्र प्रदेश का हिस्सा 29 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जनवरी और फरवरी 2024 में केआरएमबी को पत्र भेजे गए थे। कालेश्वरम परियोजना पर निशाना साधते हुए उत्तम ने आरोप लगाया कि यह परियोजना तेलंगाना के भविष्य को गिरवी रखकर बनाई गई और अब ढह चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्य की सिंचाई परियोजनाएं खड़ी कीं, जबकि केसीआर ने राज्य को कर्ज में डुबो दिया। हम हर साल 16,000 करोड़ रुपये सिर्फ कर्ज चुकाने में खर्च कर रहे हैं, उन्होंने सवाल किया कि बीआरएस शासन के दौरान पलामुरु, डिंडी और एसएलबीसी परियोजनाएं क्यों पूरी नहीं हो सकीं।

रचाकोंडा में महिला सुरक्षा और बाल बचाव अभियानों में बढ़ोतरी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रचाकोंडा पुलिस द्वारा सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, महिला सुरक्षा विंग की गतिविधियों में वर्ष 2025 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। हस्तक्षेप, परामर्श और बाल बचाव अभियानों में बीते वर्ष की तुलना में अधिक सक्रियता देखी गई।

आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में महिला सुरक्षा विंग ने कुल 156 एफआईआर दर्ज कीं, जबकि 1,281 छोटे-मोटे मामलों का निपटारा किया गया। इसके मुकाबले वर्ष 2024 में 208 एफआईआर और 1,092 छोटे-मोटे मामले दर्ज किए गए थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि एफआईआर की संख्या में कमी और छोटे मामलों में बढ़ोतरी परामर्श और समय पर हस्तक्षेप का परिणाम है। बच्चों को बचाने के अभियानों में भी बड़ी वृद्धि दर्ज की गई। 'ऑपरेशन स्माइल' के तहत 2025 में कुल 1,071 बच्चों को बचाया गया। इनमें राज्य के भीतर से 581 लड़के और 287 लड़कियां तथा राज्य के बाहर से 158 लड़के और 40 लड़कियां शामिल हैं। वर्ष 2024 में यह संख्या काफी कम थी, जब राज्य के भीतर से 183 और राज्य के बाहर से 22 बच्चों को ही बचाया गया था।

इसी तरह, 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत 2025 में कुल 2,479 बच्चों को सुरक्षित वापस लाया गया। इनमें राज्य के भीतर से 1,022 लड़के और 1,331 लड़कियां तथा अन्य राज्यों से 208 लड़के और 326 लड़कियां शामिल थीं। वर्ष 2024 में ऑपरेशन मुस्कान के तहत 1,760 बच्चों को बचाया गया था। महिला सुरक्षा विंग ने वर्ष 2025 में सक्रिय पुलिसिंग और जन-जागरूकता कार्यक्रमों को भी तेज किया। इस दौरान मेट्रो ट्रेनों में छद्म संचालन सहित कुल 735 छद्म अभियान चलाए गए, जिससे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके।

जागृति 2029 के विधानसभा चुनाव लड़ेगी : कविता

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने घोषणा की है कि जागृति संगठन 2029 के विधानसभा चुनावों में निश्चित रूप से हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव हों या न हों, संगठन की प्राथमिकता जनता के बीच बने रहना है। सोमवार को 'जागृति जनम बाटा' कार्यक्रम के तहत मीडिया से बातचीत में कविता ने कहा कि सांसद रहते हुए भी उन्होंने 'मना ऊरु-मना एमपी' पहल के माध्यम से जनता से सीधा संपर्क बनाए रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर साजिशों के कारण उन्हें राजनीतिक रूप से पराजित किया गया, बावजूद इसके वे जनसेवा में सक्रिय रहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें उनकी इच्छा के विरुद्ध एमएलसी बनाया गया, जिससे उन्हें गहरा आघात पहुंचा, और वे किसी भी परिस्थिति में बीआरएस में वापस नहीं जाएंगी। कविता ने गदवाल जिले में साक्षरता दर, विशेषकर महिलाओं की साक्षरता को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जहां देश की साक्षरता दर लगभग 80 प्रतिशत है, वहीं केथेडोड्डी मंडल में महिला साक्षरता मात्र 23 प्रतिशत है। उन्होंने 70 वर्षों से एक ही परिवार के शासन के बावजूद विकास न होने पर सवाल उठाए और मुख्यमंत्री से महिलाओं की शिक्षा के लिए विशेष कदम उठाने की मांग की। साथ ही, अवैध रेत खनन के कारण सड़कों की बदहाली पर नाराजगी जताते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। सिंचाई पर बोलते हुए कविता ने कहा कि तुम्मिल्ला, आरडीएस और नेट्टमपाडु जैसी परियोजनाओं का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने विवाद-मुक्त आरडीएस जल का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने और सिंचाई दक्षता बढ़ाने के व्यावहारिक सुझाव भी दिए।

कथित हिरासत में मौत मामला : टीजीएचआरसी ने जांच के आदेश दिए

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने करला राजेश की कथित अवैध हिरासत, हिरासत में यातना और मौत के आरोपों पर गंभीर संज्ञान लिया है। मृतक की मां करला ललिता और सामाजिक कार्यकर्ता मंडा कृष्णा मदिगा द्वारा दायर शिकायतों के आधार पर आयोग ने मामला दर्ज किया। आरोप है कि चिलकुर और कोडाद ग्रामीण पुलिस ने राजेश को अवैध रूप से हिरासत में लेकर थर्ड डिग्री यातनाएं दीं, झूठे मामलों में फंसाया और परिजनों से मिलने की अनुमति नहीं दी। बाद में उप-जेल से सरकारी अस्पतालों में स्थानांतरित किए जाने के दौरान गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने इसे इसी विषय से जुड़ी पूर्व शिकायत के साथ जोड़ते हुए गृह विभाग के प्रधान सचिव को विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 12 जनवरी 2026 को निर्धारित की गई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के विरोध में विहिप का राष्ट्रव्यापी आंदोलन का आह्वान

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री आलोक कुमार ने सोमवार को बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या और उनके खिलाफ हो रही कथित संगठित हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने 23 दिसंबर 2025 को भारत के सभी जिलों में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

मीडिया से बातचीत में आलोक कुमार ने दीपु चंद्र दास की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या और जिंदा जलाए जाने की घटना को मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में विफल नेतृत्व को नैतिक अधिकार नहीं है। इसी क्रम में उन्होंने बांग्लादेश के नेता मुहम्मद यूनुस को दिया गया नोबेल शांति पुरस्कार वापस लेने की मांग भी की। विहिप अध्यक्ष ने भारत सरकार से अपील की कि वह बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कूटनीतिक और राजनीतिक कदम उठाए।

वहीं, विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रविनुत्थला शशिधर ने बताया कि तेलुगु राज्यों सहित देशभर के जिला मुख्यालयों और प्रमुख केंद्रों पर बड़े पैमाने पर विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने हिंदू समाज से इन आंदोलनों में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की।

सिगाची विस्फोट पीड़ितों के परिजनों ने शेष अनुग्रह राशि की मांग उठाई

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिगाची प्राइवेट लिमिटेड में हुए विस्फोट के बाद जिन आठ श्रमिकों के शव बरामद नहीं हो सके, उनके परिजनों ने सरकार से मांग की है कि कंपनी प्रबंधन को निर्देश देकर वादा की गई शेष 75 लाख रुपये की अनुग्रह राशि का तत्काल भुगतान कराया जाए। परिजनों का आरोप है कि मुआवजा वितरण में भेदभाव किया जा रहा है। परिजनों ने बताया कि विस्फोट स्थल से जिन 46 कर्मचारियों के शव मिले थे, उनके परिवारों को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जा चुकी है, जबकि लापता आठ श्रमिकों, जिन्हें मृत घोषित किया गया है, के परिजनों को अब तक केवल 25 लाख रुपये ही मिले हैं। उनका कहना है कि प्रबंधन सरकार द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र जारी न होने का हवाला देकर भुगतान में देरी कर रहा है। सोमवार को तेलंगाना प्रजा संघला संयुक्त कार्रवाई समिति के जिला अध्यक्ष वाई अशोक कुमार के नेतृत्व में पीड़ित परिवारों ने कलेक्ट्रेट में शिकायत दिवस के दौरान कलेक्टर पी प्रवीण्या से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि छह महीने बीतने के बावजूद मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं हुए हैं और न्याय के लिए उन्हें लगातार भटकना पड़ रहा है।

डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह एमआरएसआई 2025 पदक से सम्मानित

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह को मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमआरएसआई) के 2025 पदक से सम्मानित किया गया। डॉ. सिंह का शोध समूह रासायनिक उद्योग और ऊर्जा क्षेत्रों में उन्नत कार्यात्मक सामग्रियों के विकास पर काम करता है। उन्हें इससे पहले कई पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें आईएनएसए डिस्टिंग्विश्ड फेलो 2025, आईएनएसए एसोसिएट फेलो 2024 और सीआरएसआई ब्रॉन्ज मेडल 2024 शामिल हैं।

डॉ. सिंह का समूह ट्रांसलेशनल रिसर्च में सक्रिय है। उन्होंने आणविक रूप से इंजीनियर किए गए फोटोसेंसिटाइज़र की एक विस्तृत श्रृंखला विकसित की है, जिन्हें डाई सेंसिटाइज्ड सोलर सेल, ऑर्गेनिक सोलर सेल और पेरोव्स्काइट सोलर सेल जैसे फोटोनिक उपकरणों में लागू किया गया है। इनके शोध से ऊर्जा उत्पादन और रासायनिक उद्योग में नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

पहली बार, डॉ. सिंह ने माइटोकॉन्ड्रिया ट्रैकर्स के रूप में तटस्थ कमरे के तापमान पर स्थिर, गैर विषैले और अत्यधिक प्रतिदीप्ति वाले बीओडीआईपीवाई रंग भी विकसित किए हैं। ये रंग बायोइमेजिंग और फोटोनिक अनुप्रयोगों में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं। उनके शोध ने विज्ञान और तकनीक में उन्नत सामग्रियों के क्षेत्र में नई दिशा और प्रेरणा दी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1,05,182 मामलों का निपटारा

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सभी जिलों में रविवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान कुल 1,05,182 मामलों का समाधान किया गया। इस एक दिन की सुनवाई में बड़ी संख्या में मामलों का निपटारा करने से आम जनता को राहत मिली और न्याय प्रक्रिया में गति आई।

लोक अदालत में कुल 14,108 एफआईआर, 215 आपदा प्रबंधन मामले, 55,497 ई-पिटी मामले, 31,559 मोटर वाहन अधिनियम के मामले और 3,763 साइबर अपराध के मामले सुलझाए गए। इस दौरान पुलिस और संबंधित अधिकारियों ने सभी मामलों का निष्पक्ष और त्वरित निपटारा सुनिश्चित किया। साइबर अपराध मामलों में पीड़ितों को 19.50 करोड़ रुपये की वापसी की सुविधा प्रदान की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के लोक अदालत आयोजन से न्यायिक बोझ कम करने और जनता को शीघ्र न्याय उपलब्ध कराने में मदद मिलती है।

हरीश राव का कांग्रेस पर तीखा हमला
कृष्णा नदी के पानी पर विरोध

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला करते हुए मांग की है कि केंद्र को लिखे गए उस पत्र को तुरंत वापस लिया जाए, जिसमें कहा गया था कि पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए कृष्णा नदी का 45 टीएमसी पानी पर्याप्त है। हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना की जायज मांग 90 टीएमसी है और चेतावनी दी कि यदि इसे स्वीकार नहीं किया गया तो महबूबनगर, नालगोंडा और रंगारेड्डी जिलों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी पर विरोधाभासी बयानबाजी के जरिए तेलंगाना के हितों को कमजोर करने का आरोप लगाया।

हरीश राव ने कांग्रेस सरकार की निष्क्रियता और बीआरएस शासन की उपलब्धियों की तुलना की। उन्होंने बताया कि बीआरएस सरकार ने कई केंद्रीय स्वीकृतियां प्राप्त कर ली हैं और पालमुरु-रंगारेड्डी परियोजना का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया है, जबकि कांग्रेस सरकार पिछले दो वर्षों में सिंचाई परियोजनाओं के लिए कोई नई केंद्रीय मंजूरी नहीं ले पाई। उन्होंने कहा कि 2014 से 2023 के बीच बीआरएस शासन ने लगभग 49 लाख एकड़ भूमि नई या स्थिर सिंचित की, जबकि कांग्रेस दो साल में अपनी उपलब्धियों को प्रमाणित नहीं कर सकी।

पूर्व मंत्री ने कांग्रेस पर आंध्र प्रदेश द्वारा कृष्णा नदी के अतिरिक्त जल को मोड़ने के दौरान निष्क्रिय रहने और जल आवंटन पर उदासीनता बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीआरएस ने बार-बार अभ्यावेदन और कानूनी कार्रवाई के माध्यम से केंद्र को नदी जल बंटवारे का मुद्दा उठाने के लिए मजबूर किया। हरीश राव ने रेवंत रेड्डी के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि चंद्रशेखर राव उनके लिए पिता तुल्य हैं और वे कभी उनके विश्वासघात नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस की नीतियां तेलंगाना की जल सुरक्षा और किसानों के भविष्य के लिए खतरा हैं।

टैक्सी चालक ने पुणे से आए यात्री से अधिक किराया वसूला

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुणे से हैदराबाद आए एक यात्री के साथ गच्चीबवली जाने के दौरान ठगी की घटना सामने आई। यात्रियों का कहना है कि आरजीआई एयरपोर्ट पर टैक्सी चालक ने उसे उबर की तरह पेश कर अधिक किराया वसूल लिया। यात्री ने अपनी आपबीती सोशल मीडिया पर साझा कर लोगों को सचेत किया।

यात्री ने बताया कि वह सुबह 3 बजे आरजीआई एयरपोर्ट पर उतरा और उबर पिकअप की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान एक टैक्सी ड्राइवर उसके पास आया और कहा कि उसने उबर बुक की है। भरोसा करने पर ड्राइवर ने 900 रुपये का किराया देने का वादा किया, लेकिन जब वह गच्चीबवली पहुंचा तो ड्राइवर ने 1500 रुपये वसूल लिए और कहा कि वह शहर में नया है। यात्री की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कई लोगों ने कहा कि उन्हें भी एयरपोर्ट पर ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। लोगों ने सलाह दी कि लंबी कतार होने पर भी उबर कियोस्क से ही कैब बुक करें। इसके अलावा, ऐसे मामलों में डायल-100 पर कॉल करके पुलिस मदद ली जा सकती है।

एमसीईएमई में दीक्षांत समारोह 20 अधिकारियों को बीटेक डिग्री

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई) में सोमवार को 108वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर टेक्निकल एंट्री स्कीम (टीईएस-44) कोर्स के कुल 20 अधिकारियों को बीटेक की डिग्री प्रदान की गई, जिनमें मित्र देशों के चार अधिकारी भी शामिल थे। उपाधियां चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित द्वारा प्रदान की गईं।

लेफ्टिनेंट यश कुमार को पाठ्यक्रम का सर्वश्रेष्ठ छात्र घोषित किया गया और उन्हें जीओसी-इन-सी एआरटीआरएसी ट्रॉफी, सर्वश्रेष्ठ छात्र पुस्तक पुरस्कार और डीजीईएमई स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। भूटान सेना के लेफ्टिनेंट कुएंगा तांडिन और लेफ्टिनेंट शिवराज प्रदीप मोरे को क्रमशः मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स स्ट्रीम में शीर्ष प्रदर्शन के लिए कमांडेंट का रजत पदक प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातकों द्वारा विकसित नवोन्मेषी परियोजनाओं की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इसमें लेफ्टिनेंट गोपाल सिंह, लेफ्टिनेंट इरविंदीप मुल्तानी, लेफ्टिनेंट शिवराज मोरे और लेफ्टिनेंट टंडिन वांगचुक द्वारा विकसित 'आठ सेमेस्टर में डिग्री पाठ्यक्रम के परिणामों और ग्रेडिंग को सुव्यवस्थित करने के लिए एआई आधारित स्वचालन सॉफ्टवेयर' को सर्वश्रेष्ठ परियोजना के रूप में चुना गया।

सोयाबीन खरीद की मांग को लेकर किसानों का एक दिवसीय बंद

आदिलाबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को बेला मंडल में किसानों ने सोयाबीन की खरीद में विलंब के खिलाफ एक दिवसीय बंद का आयोजन किया। विभिन्न किसान संगठनों के नेतृत्व में किसानों ने भेला-महाराष्ट्र अंतरराज्यीय राजमार्ग पर यातायात अवरुद्ध कर दिया, जिससे वाहन चालकों को कुछ समय के लिए असुविधा का सामना करना पड़ा। किसानों ने सरकार की आलोचना करते हुए नारे लगाए कि सोयाबीन उत्पादकों से खरीद में लापरवाही बरती जा रही है। पुलिस ने सुझाव दिया कि इस मुद्दे को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाए, जिसके बाद किसानों ने शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन समाप्त किया।

किसानों ने कहा कि खरीद में देरी के कारण उन्हें साहूकारों से लिए गए ऋणों पर अतिरिक्त ब्याज देना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी उपज बाजार में पहुंचा दी है और अब अधिकारियों द्वारा सोयाबीन खरीदने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए सरकार से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। इस बीच, व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्वेच्छा से बंद रहे और किसानों के विरोध के प्रति एकजुटता दिखाई। विरोध प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। बंद के बाद, बेला मंडल केंद्र में किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। अधिकारियों ने कहा कि किसान अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आवाज़ उठा रहे हैं और प्रशासन इस मामले पर निगरानी रख रहा है।

हेट स्पीच पर सख्त कानून की घोषणा का शब्बीर अली ने किया स्वागत

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा हेट स्पीच पर अंकुश लगाने के लिए सख्त और व्यापक कानून लाने की घोषणा का स्वागत किया है। उन्होंने इसे संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने की दिशा में निर्णायक कदम बताया। एक प्रेस बयान में शब्बीर अली ने कहा कि यह प्रस्तावित कानून अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक व्यवस्था के बीच संतुलन स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन अनुच्छेद 19(2) के तहत उस पर युक्तिसंगत प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं। उन्होंने धार्मिक पहचान के दुरूपयोग और भड़काऊ भाषा पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसा भाषण सामाजिक अशांति और हिंसा को जन्म दे सकता है। धार्मिक आस्थाओं का अपमान संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 के तहत प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता को कमजोर करता है। शब्बीर अली ने कहा कि यह विधेयक नागरिकों के मौलिक कर्तव्य सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने को भी सुदृढ़ करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कानून राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित नहीं, बल्कि एक समकालीन चुनौती का समाधान है।

कलाली जायसवाल सभा का सालाना सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलाली जायसवाल सभा का सालाना सम्मेलन आर.टी.सी. कल्याण मंडप में हुआ, जिसमें अध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने स्वागत भाषण दिया। मंत्री, शशि भूषण ने सभा की रिपोर्ट पेश की। सुरेंद्र प्रसाद ने आय और खर्च का ब्यौरा पेश किया। मुख्य अतिथि डॉ. चंद्रभूषण सुनेरा थे। विशेष अतिथि राकेश जायसवाल कॉर्पोरेटर और रमेश जायसवाल थे।

इस कार्यक्रम में फर्स्ट डिविजन में पास होने वाले छात्रों को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। उन्हें आउटस्टैंडिंग स्टूडेंट अवॉर्ड और बेस्ट स्पोर्ट्स पर्सन अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। डॉक्टरों, वकीलों और इंजीनियरों को भी सम्मानित किया गया। एक फैमिली स्मारिका पत्रिका जारी की गई। स्मारिका का उद्घाटन मेहमानों ने मुख्य संपादक डॉ. सूर्यप्रकाश और निदेशक स्वरूप कुमार के साथ मिलकर किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल मोदी और राहुल देव ने किया। मंच संचालन श्रीमती मैत्री वेदरन और श्रीमती सारिका चौधरी ने किया। धन्यवाद अजय मोतरिया ने दिया।

बुलंदशहर हाईवे कांड में सजा

सभी दोषियों को उम्रकैद, कोर्ट ने कहा–ऐसे राक्षसों को सभ्य समाज से दूर रखें

बुलंदशहर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बुलंदशहर के नेशनल हाईवे-91 पर 28 जुलाई 2016 की रात गाजियाबाद निवासी कार सवार परिवार को बंधक बनाकर मां-बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म और सभी परिजनों से लूटपाट करने वाले पांच आरोपियों की सजा का एलान हो चुका है। विशेष पॉक्सो न्यायाधीश ओपी वर्मा ने सभी दोषियों को उम्रकैद सुनाई है। मामले में पीड़ित परिवार ने दरिंदों को फांसी की सजा देने की मांग की थी। वहीं सजा सुनने के बाद आरोपियों ने कहा कि हम बेकसूर हैं, निर्दोषों को सजा सुनाई गई है।

सजा के एलान से पहले एडीजीसी और सीबीआई के अधिवक्ता ने बताया कि 28 जुलाई की रात नोएडा निवासी परिवार के छह सदस्य शाहजहांपुर अपने पैतृक गांव में एक तेरहवीं में शामिल होने के लिए जा रहे थे। देहात कोतवाली क्षेत्र में दोस्तपुर फ्लाईओवर के निकट अज्ञात बदमाशों ने उनकी कार पर लोहे की वस्तु फेंककर रुकवा लिया था। इसके बाद आरोपियों ने कार सवार किशोरी, उसके पिता, मां, ताई, ताऊ व तहेरे भाई को बंधक बना लिया और कार समेत सड़क के दूसरी तरफ खेत में ले गए। वहां आरोपियों ने तीनों पुरुषों के हाथ पैर बांध दिए और वादी मुकदमा की 14 वर्षीय किशोरी व पत्नी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी वहां से लूटपाट कर भाग निकले थे।

सीबीआई की जांच में बावरिया गिरोह के आरोपी जुबैर उर्फ सुनील उर्फ परवेज, सलीम उर्फ बीना उर्फ दीवानजी, साजिद निवासीगण गांव इटखारी बिनौरा, थाना तिरवा जनपद कन्नौज के नाम प्रकाश में आए। जांच पूरी होने पर सीबीआई ने आरोपी जुबैर, सलीम और साजिद के खिलाफ चार्जशीट न्यायालय में दाखिल कर दी थी। इसके कुछ समय बाद सीबीआई ने दूसरी चार्जशीट आरोपी धर्मवीर उर्फ राका उर्फ जितेंद्र, नरेश उर्फ संदीप उर्फ राहुल निवासी गांव गेशनपुर थाना मोहम्मदाबाद जिला फर्रुखाबाद, सुनील उर्फ सागर निवासी गांव बानवोई, आजादनगर थाना मोहम्मदाबाद के खिलाफ दाखिल की थी। न्यायालय में कुल छह आरोपी जुबैर, सलीम, साजिद, धर्मवीर, नरेश और सुनील के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई। एक आरोपी सलीम की करीब चार वर्ष पूर्व जिला कारागार बुलंदशहर में विचरण के दौरान बीमारी से मृत्यु हो गई। न्यायालय ने शनिवार को इन सभी पांच आरोपियों को दोषी करार दिया। शनिवार को सभी आरोपियों को न्यायालय से जिला कारागार बुलंदशहर भेज दिया गया था।

बेचैन रहे दोषी, चेहरे पर दिखा सजा का डर

जिला जेल की बैरक संख्या 11 बी में पांचों दोषियों की रात बेचैनी में कटी। शनिवार को अदालत से दोष सिद्ध होने के बाद जब इन्हें जेल ले जाया गया तो वहां सन्नाटा और डर उनके चेहरों पर साफ नजर आ रहा था। दोषियों ने न तो ढंग से खाना खाया और न ही उनकी आंखों में नींद दिखी। शाम को जब बैरक में खाना पहुंचा तो पांचों दोषियों ने उसमें कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। मन में सजा का खौफ इस कदर था कि उन्होंने थोड़ा बहुत ही खाना खाया।

किसी ने आधी रोटी तोड़ी तो किसी ने थाली किनारे रख दी। सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने बताया कि बैरक के भीतर से देर रात तक उनकी आवाजें आती रहीं। हरियाणा की नूंह जेल से लाए गए धर्मवीर, नरेश और सुनील आपस में चर्चा करते रहे, वहीं स्थानीय जेल के जुबेर और साजिद भी उनके साथ बातचीत में जुटे रहे। उनके बीच मुख्य चर्चा इस बात को लेकर थी कि अदालत उन्हें कितनी सजा सुनाएगी।

योगी बोले-देश में दो नमूने, एक दिल्ली, दूसरा लखनऊ में

अखिलेश ने कहा-यह आत्मस्वीकृति, भाजपा की आपसी खींचतान चौराहे पर न लाएं

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का आज दूसरा दिन है। प्रश्न काल के दौरान सीएम योगी ने कफ सिरप मामले में सपा के आरोपों पर कहा- प्रश्न क्या है, मुद्दे क्या उठाए जा रहे हैं। पूरा अध्ययन करके आना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कोडीन के मुद्दे को उठाया है, लेकिन मैं आपकी इस मजबूरी को समझता हूं।

एक कहावत है- चोर की दाढ़ी में तिनका। उन्होंने नाम लिए बिना कहा-देश के अंदर दो नमूने हैं, एक दिल्ली में और एक लखनऊ में बैठते हैं। जब देश में कोई चर्चा होती है तो वो देश छोड़कर चले जाते हैं। मुझे लगता है कि यही आपके बउआ के साथ भी होता है। वह फिर इंग्लैंड सैर सपाटे पर चले जाएंगे और आप यहां चिल्लाते रहेंगे। योगी के बयान के 40 मिनट बाद ही अखिलेश ने पलटवार किया। X पर लिखा-आत्म-स्वीकृति... किसी को उम्मीद नहीं थी कि दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई यहां तक पहुंच जाएगी। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग मर्यादा की सीमा न लांघें। भाजपाई अपनी पार्टी के अंदर की खींचातानी को चौराहे पर न लाएं। इससे पहले योगी ने कहा- प्रदेश में कोडीन कफ सिरप से कोई मौत नहीं हुई है। 2016 में इसके सबसे बड़े होल सेलर को सपा ने ही लाइसेंस दिया था। पढ़ाई-लिखाई से आपका कोई वास्ता है नहीं, इस कारण आप इस तरह की बात करते हैं। अखिलेश के सिरप माफियाओं पर बुलडोजर चलाने के चैलेंज पर कहा कि चिंता मत कीजिए। समय आने पर बुलडोजर एक्शन भी होगा। उस समय चिल्लाना नहीं। कोडिन कफ सिरप मामले पर योगी ने कहा- विभोर राणा को लाइसेंस समाजवादी पार्टी ने दिया था। आलोक सिपाही (इस मामले में एक आरोपी) की अखिलेश के साथ कुछ गिफ्ट देते हुए तस्वीरें वायरल हुई थीं। हमने NDPS एक्ट के तहत कार्रवाई की है। हमारी कार्रवाई अभी भी जारी है। हमने अब तक 77 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। योगी ने विपक्ष से कहा-मैं आपका दर्द समझता हूं। क्योंकि जब सरकार की कार्रवाई अपने आखिरी स्टेज पर पहुंचेगी, तो आप में से कई लोग 'फातिहा' पढ़ने जाएंगे।

हिंदू युवक की हत्या पर राज्यपाल आरिफ मो. खान बोले-यह किसी कीमत पर स्वीकार नहीं

पटना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपु चंद्र दास की मॉब लिंचिंग को लेकर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, उत्पीड़न ही होता है, चाहे वह किसी के भी खिलाफ किया जाए। यह निंदनीय है और किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। राज्यपाल ने कहा कि इस तरह की घटनाओं के खिलाफ पूरी दुनिया को आवाज उठानी चाहिए और ऐसे अत्याचारों को तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हिंसा और नफरत के आधार पर किसी भी समुदाय को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका विरोध होना चाहिए।

दीपू चंद्र द्वारा ईशनिंदा करने का कोई सबूत नहीं मिला

बता दें कि बांग्लादेश में भीड़ द्वारा ईशनिंदा के आरोप में पीट-पीटकर मार डाले गए हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या के मामले में खुलासा हुआ है कि दीपू चंद्र द्वारा ईशनिंदा करने का कोई सबूत नहीं मिला है। हाल ही में बांग्लादेश के मयमनसिंह के भालुका इलाके में दीपू चंद्र दास की गुस्साई भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और उसके शव को आग लगा दी थी और नारेबाजी की।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐसी अफवाह फैली की दीपू चंद्र दास ने कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी की है। इससे फैक्ट्री में काम करने वाले लोग नाराज हो गए और उन्होंने दास को नौकरी से निकालने की मांग की। इस बीच फैक्ट्री के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। फैक्ट्री के फ्लोर इंचार्ज आलमगीर हुसैन ने प्रोथोम आलो अखबार को बताया कि भीड़ ने दीपू को उनके हवाले करने की मांग की। पहले फैक्ट्री प्रबंधन ने दीपू को भीड़ से बचाने की कोशिश की और उसे सिक्योरिटी रूम में बचाकर रखा। इस दौरान मौके पर पुलिस नहीं पहुंची और हालात काबू से बाहर हो गए। इसके बाद फैक्ट्री प्रबंधन ने परिसर को बचाने के लिए दीपू को हिंसक भीड़ के हवाले कर दिया। इसके बाद भीड़ ने बर्बर तरीके से दीपू की पीट-पीटकर हत्या कर दी।

योगी सरकार ने चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण को दिये 423.80 करोड़

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पेश अनुपूरक बजट में चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण को बड़ी प्राथमिकता दी है। प्रदेश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से कुल 423.80 करोड़ रुपये की धनराशि का आवंटन किया गया है। यह बजट आवंटन प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। योगी सरकार ने अनुपूरक बजट में प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों को वेतन अनुदान, गैर-वेतन अनुदान, व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं तथा विभिन्न मदों के लिए अतिरिक्त धनराशि दी गई है।

मिट्टी से लदे डंपर में पीछे से टकराई तेज रफ्तार कार, चार लोगों की मौत

बिजनौर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। नांगल- चंदक मार्ग पर गांव अभिपुरा के निकट एक क्रेटा कार मिट्टी के डंपर के पीछे टकरा गई। दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को कटवाकर शवों को निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रविवार रात करीब 11:15 बजे गांव अभिपुरा के निकट कोहरे के कारण कार मिट्टी से भरे डंपर के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार गांव सराय आलम निवासी कारी इकबाल (65), मंडावली क्षेत्र के गांव राहतपुर निवासी अशफाक (65), एहतेशाम (25) और सलाउद्दीन (26) की मौके पर ही मौत हो गई।

'सबकी बेल कराऊंगा'

जेल में भी भौकाल जमा रहा फर्जी आईएएस

गोरखपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में सरकारी विभागों में ठेका दिलाने का झांसा देकर ठगी के आरोपी फर्जी आईएएस ललित किशोर उर्फ गौरव कुमार सिंह के जेल में भी नए कारनामे सामने आ रहे हैं। जेल में बंदियों पर भौकाल जमाने के लिए वह झूठी कहानियां सुना रहा है। वह बंदियों से कहता है कि फर्जीवाड़े के शक में उसे पकड़ा गया है। बहुत जल्द वह बाहर चला जाएगा। बाहर जाकर वह सभी बंदियों की बेल करा देगा। वह बंदियों पर भौकाल जमाने के लिए उनके केस के बारे में पूछता है। फिर एक डायरी में उनका नाम और केस नंबर नोट करता है। गुलरिहा थाने की पुलिस ने 10 दिसंबर को फर्जी आईएएस ललित किशोर उर्फ गौरव कुमार सिंह को उसके दो साथियों के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसे जेल भेज दिया गया था। ललित किशोर को जेल के मिलेनियम बैरक में रखा गया है। जेल सूत्रों के अनुसार, ललित बंदियों से कहता है-घबराओ मत, छूटकर बाहर जाऊंगा तो पैरवी कर तुम लोगों की भी बेल कराऊंगा। यह सब बोलकर जेल के अंदर भी उसने कई बंदियों को चेला बना लिया है। उनसे अपने सारे काम करवाता है। कई बंदी उसकी चाल को समझ भी चुके हैं और वे उसे '420' कहकर बुलाते हैं।

जेलर अरुण कुमार ने बताया कि सभी नए बंदियों को शुरू में निगरानी के लिए क्वारंटीन यानी मिलेनियम बैरक में रखा जाता है। इसके बाद अल्फाबेट से अलग बैरक में भेज दिया जाता है। ललित किशोर को मिलेनियम बैरक में रखा गया है।

बालक को दूध पिला रही मां की गोद से मासूम को छीन ले गया भेड़िया

बहराइच, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच में एक बार फिर आदमखोर भेड़िये ने घर में घुसकर हमला बोला। बालक को दूध पिला रही मां के आंचल से मासूम को झपट्टा मारकर छीनकर भाग गया। मां ने बचाने की कोशिश की लेकिन, प्रयास असफल रहा। पलभर में ही आदमखोर कोहरे में लुप्त हो गया। घटना से मां चीत्कार उठी। ग्रामीण, पुलिस और वन विभाग की टीम के साथ बालक को खोज रहे हैं।

घटना फखरपुर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दरेहटा गांव की है। यहां मंगलवार की रात मनोहर का पुत्र अंश अपनी मां के साथ घर में लेटा था। मां बच्चे को दूध पिला रही थी। इसी समय अचानक एक भेड़िया घर में घुस आया। झपट्टा मारकर बच्चे को मां की गोद से छीनकर भाग गया। घटना से मां चीख उठी। उसने अपने जिगर के टुकड़े को बचाने का हरसंभव प्रयास किया। लेकिन, सफल नहीं हुई। भेड़िया अत्यंत ताकतवर होने के कारण बच्चे को लेकर भाग गया। चारों ओर घना कोहरा होने से आदमखोर तुरंत आंखों से ओझल हो गया।

अलीगढ़ में पुलिस का एक्शन, गैंगस्टर खालिद उर्फ पप्पू की 3.17 करोड़ की संपत्ति कुर्क

अलीगढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कुख्यात अपराधी खालिद उर्फ पप्पू के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अपराध से अर्जित करीब 3 करोड़ 17 लाख रुपये की चल-अचल संपत्ति कुर्क कर दी। यह कार्रवाई ढोल-नगाड़ों और डुगडुगी बजाकर मुनादी के साथ की गई।

पुलिस ने यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 के अंतर्गत की है। आरोप है कि खालिद उर्फ पप्पू ने अवैध और आपराधिक गतिविधियों के जरिए यह संपत्ति अर्जित की थी। कुर्की की गई संपत्तियों में उसके साथ-साथ उसके जीजा की संपत्ति भी शामिल है। सीओ तृतीय सर्वम कुमार ने बताया कि थाना क्वार्सी क्षेत्र के बरगद हाउस निवासी खालिद उर्फ पप्पू और सिविल लाइंस स्थित इकरा कॉलोनी निवासी उसके जीजा रफत अली के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। दोनों की कुल चल-अचल संपत्ति की कीमत करीब 3.17 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार हिस्ट्रीशीटर खालिद उर्फ पप्पू के खिलाफ डकैती, जमीन हड़पने, हत्या, हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी समेत करीब 26 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। लंबे समय से वह पुलिस के रडार पर था।

कुर्क की गई संपत्तियों में खालिद के नाम दो प्लॉट, उसकी पत्नी के नाम एक लग्जरी कार, और उसके जीजा रफत अली के नाम एक प्लॉट शामिल है। लग्जरी कार को पुलिस थाने में खड़ा करा दिया गया है, जबकि अन्य संपत्तियों पर कुर्की बोर्ड लगाए गए हैं। सीओ सर्वम कुमार ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई जिलाधिकारी की अनुमति के बाद की गई। क्वार्सी और सिविल लाइंस थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से ढोल-नगाड़ों के साथ मुनादी कराते हुए कुर्की की प्रक्रिया पूरी की।

साइबर ठगों को सिम उपलब्ध कराने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, बरेली में 14 रिपोर्ट दर्ज

बरेली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली में साइबर ठगों के मददगार प्री एक्टीवेटेड सिम उपलब्ध कराने वाले एजेंटों पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। जिले के अलग-अलग थानों में तीन दिन में 14 रिपोर्ट दर्ज की गई हैं। पुलिस ने पीलीभीत व शाहजहांपुर में बड़ी कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी की है। बारादरी इलाके के सिम विक्रेता शुभम वर्मा ने सनराइज निवासी लोकेश कुमार के नाम से सिम जारी किया था। इस सिम कार्ड नंबर को जब एनसीआरपी पोर्टल पर डालकर चेक किया तो इसके संबंध में जौनपुर, रायबरेली, महाराष्ट्र के रत्नागिरी और ओडिशा में शिकायतें दर्ज मिलीं। साइबर ठगी की ये शिकायतें महाराष्ट्र के रत्नागिरी के पीड़ित विकास काजी, जौनपुर के उमेश चंद्र त्रिपाठी, रायबरेली के उपेंद्र कुमार और ओडिशा के समेश यादव ने की थीं। सिमकार्ड विक्रेता राम नरेश ने एजाजनगर गौंटिया निवासी अदनान अंसारी के नाम से सिम जारी किया था। इस सिमकार्ड से साइबर अपराध किया गया था। दिल्ली के रोहन मलिक ने साइबर ठगी की शिकायत की थी।

विदेशी जोड़े की स्वीट लव स्टोरी

भारत आकर प्यार, ओरछा में हिंदू रीति-रिवाज के साथ लिए सात फेरे-की सभी रस्में

झांसी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। ऐतिहासिक नगरी ओरछा की आध्यात्मिक आभा ने एक बार फिर विदेशी दिल जीत लिए। इटली के दूल्हे और फ्रांस की दुल्हन ने भारतीय परंपराओं के अनुसार रविवार की रात यहां शादी रचा कर न केवल प्रेम को नई पहचान दी, बल्कि ओरछा को अंतरराष्ट्रीय वैवाहिक पर्यटन के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया।

बताया गया कि 54 वर्षीय चीरो व 50 वर्षीय ऑडरा दोनों कुछ दिन पहले भारत घूमने आए थे यहां आकर उनके संबंध प्रगाढ़ हो गए। दोनों भारतीय संस्कृति से प्रभावित थे और विवाह के लिए ऐसी जगह की तलाश में थे, जहां इतिहास, आध्यात्म और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम हो। इसीलिए उन्होंने मध्यप्रदेश की विश्व प्रसिद्ध धरोहर नगरी ओरछा को चुना। यहां हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार बेतवेश्वर मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शादी रचाकर अपनी ख्वाहिश पूरी की। इस शादी में वह सब कुछ हुआ जो एक भारतीय शादी समारोह में होता है। दूल्हा-दुल्हन ने अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरों के साथ वचन लिए। दोनों को मंदिर में मौजूद लोगों ने आशीर्वाद दिया। शादी की रस्में सनातन परंपरा अनुसार हुई। सात जन्मों तक पति-पत्नी के रूप में रहने के लिए भगवान रामराजा के सामने जमीन में मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। दांपत्य सूत्र में बंधने के बाद दोनों ने कहा कि रामराजा की नगरी में एक-दूसरे का हाथ थामने की अभिलाषा आज पूरी हो गई। विदेशी जोडे. को पूरा विश्वास है की सनातन संस्कारों से अभिप्रेरित अनुष्ठानों के बीच हुआ उनका पाणिग्रहण अब सात जन्मों तक सफल और अटल रहेगा।

लव जिहाद करने वालों को मिट्टी में मिला देंगे

महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने दिया बयान

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि लव जिहाद हिंदू महिलाओं के साथ एक खेल है। ऐसा करने वालों को हम मिट्टी में मिला देंगे। उन्होंने कहा कि पूरा मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान में है। मैं खुद सीएम साहब को पूरे मामले के बारे में बता चुकी हूं। उन्होंने कहा कि केजीएमयू के रेजिडेंट डॉक्टर रमीज मलिक द्वारा धर्म परिवर्तन कराया गया व लव जिहाद जैसी घटना को अंजाम दिया गया जिसकी शिकायत पीड़िता ने राज्य महिला आयोग से की है। ये दुर्भाग्य है कि हमारे देश में लव जिहाद जैसी घटना बेटियों के साथ होती है।

हम डॉ रमीज मलिक और उसके साथ लव जिहाद में शामिल लोगों को गिरफ्तार करवाएंगे। एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। अभी पीड़िता डरी हुई है वो महिला आयोग आई है। मामले में एफआईआर दर्ज करवाकर कार्रवाई की जाएगी। जो लोग लव जिहाद मामले में रेजिडेंट डॉक्टर मलिक के साथ शामिल हैं। उनको भी सजा होगी। उन्होंने बताया कि डॉ मलिक की पहले भी शादी हो चुकीं थी। पहली शादी भी एक हिन्दू महिला से हुई थी। उसका भी धर्म परिवर्तन कराया गया था। एक बार फिर पीड़िता पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा है। मामले में केजीएमयू के प्रॉक्टर से भी शिकायत की गई है।

नीतीश कुमार ने की पीएम मोदी और अमित शाह से मुलाकात

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार समेत कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम आवास पर इस बातचीत को राजनीतिक और प्रशासनिक, दोनों लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

तीनों नेता एक साथ प्रधानमंत्री से मिलने पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पटना से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। विधानसभा चुनाव में भारी जीत के बाद यह उनका पहला दिल्ली दौरा है। ऐसे में इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दिल्ली का यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि हाल ही में बिहार में भाजपा ने कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, जैसे नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और संजय सरावगी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा राज्य मंत्रिमंडल के अगले चरण के विस्तार और 2026 में होने वाले राज्यसभा व विधान परिषद चुनावों से जुड़े मुद्दे भी हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं से मुलाकात के दौरान मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा की गई है। बिहार में खरमास के बाद मंत्रिमंडल विस्तार होने की संभावना है। वर्तमान में नीतीश मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री सहित 25 मंत्री हैं, जबकि कुल 36 मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में 10-11 नए मंत्री शामिल हो सकते हैं।

यूक्रेनी सेना की कैद में गुजरात का छात्र

> कहा-ड्रग्स केस में फंसाकर मुझे रूसी सेना में जबरन भर्ती कराया, जंग पर भेजा

अहमदाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। यूक्रेनी सेना की कैद से गुजरात के एक छात्र साहिल मोहम्मद हुसैन ने वीडियो मैसेज भेजा है। इसमें भारतीय युवाओं से किसी भी परिस्थिति में रूसी सेना में शामिल न होने की अपील की है। यह वीडियो सोमवार को सामने आया। उसका आरोप है कि रूस में उसे एक झूठे ड्रग्स मामले में फंसाकर ब्लैकमेल किया गया और जबरन रूसी सेना में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। हुसैन को अभी यूक्रेन में कहां रखा गया है इसकी जानकारी नहीं है।

यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने हुसैन के वीडियो गुजरात में उसकी मां को भेजे। उनसे रूसी सेना में फंसाए जा रहे भारतीयों के बारे में जागरूकता फैलाने को कहा। मां ने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर की है। इस मामले की अगली सुनवाई फरवरी में होगी।

वीडियो में गहरे हरे रंग की जैकेट पहने है हुसैन

मैं 2024 में पढ़ाई के लिए रूस आया था। लेकिन आर्थिक और वीजा संबंधी समस्याओं के कारण मैं कुछ रूसियों के संपर्क में आया, जो बाद में नशीले पदार्थों के धंधे से जुड़े निकले। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया। रूस में कम से कम 700 लोगों को ड्रग्स के आरोप में जेल में डाला गया। लेकिन जेल प्रशासन ने सिर्फ मुझे ही ऑफर दिया कि अगर मैं रूसी सेना में शामिल होता हूं तो ड्रग्स केस वापस ले लिया जाएगा। मैंने उनकी बात मान ली और मुझे 15 दिनों के प्रशिक्षण के बाद सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। मोर्चे पर पहुंचते ही मैंने सबसे पहले यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अब मैं उनके कब्जे में हूं। मैं खुद को बेहद असहाय महसूस कर रहा हूं। मुझे नहीं पता आगे क्या होगा। लेकिन रूस आने वाले युवाओं के लिए मेरा संदेश है, 'सावधान रहें'। यहां बहुत से ठग हैं जो आपको झूठे ड्रग्स केस में फंसा सकते हैं। मैं भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं, कृपया मेरी मदद करें। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में भारत आए थे। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि मेरी सुरक्षित घर वापसी के लिए पुतिन से बात करें।

पुतिन के भारत दौरे पर पीएन मोदी ने उठाया था मुद्दा

रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमिर पुतिन के भारत दौरे (4-5 दिसंबर, 2025) के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उनके सामने रूसी सेना में शामिल भारतीयों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने पुतिन से भारतीयों की सुरक्षित वापसी की मांग की थी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक कम से कम 44 भारतीय रूसी सेना में फंसे हुए हैं।

सरकार ने कहा-रूस में भारतीय छात्र ऐसे ऑफर से दूर रहे

5 दिसंबर को विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, 'भारत उन नागरिकों की रिहाई के लिए कोशिश कर रहा है जो रूसी सशस्त्र बलों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि रूस में मौजूद भारतीय ऐसे किसी भी ऑफर से बचें। एंबेसी से संपर्क करें।

1971 जंग में पाक को धूल चटाने वाली सैन्य बटालियन त्रिपुरा में तैनात

अगरतला, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अशांति के बीच 1971 जंग में पाकिस्तान को धूल चटाने वाली सैन्य बटालियन को पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में तैनात किया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को भाजपा के कानूनी प्रकोष्ठ के कार्यक्रम में यह जानकारी दी। साहा ने कहा, मैं बांग्लादेश में हो रही घटनाओं और उसके संभावित असर के बारे में जमीनी हकीकत की रिपोर्ट दिल्ली भेज रहा हूं। भारतीय सेना की 1971 के युद्ध में हिस्सा लेने वाली और मुक्ति वाहिनी को प्रशिक्षण देने वाली सैन्य बटालियन अब राज्य में है। 1971 की जंग के दौरान भारतीय सेना की माउंटेन डिवीजनों, खासकर 20 माउंटेन डिवीजन (33 कोर) और 8वीं, 6वीं और 4वीं माउंटेन डिवीजनों के कुछ हिस्सों ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में अहम भूमिका निभाई थी।

स्कूल पहुंचा भालू-सहमे बच्चे, कमरों में छिपे

दरवाजा तोड़ एक मासूम को उठाया, शिक्षकों ने बचाई जान

चमोली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। चमोली जिले के पोखरी में आज सोमवार सुबह भालू एक स्कूल से बच्चे को उठा ले गया। गनीमत रही कि शिक्षकों और अन्य बच्चों ने तत्परता दिखाते हुए बच्चे की जान बचा ली। झाड़ियों से बच्चे को निकाला गया। उस पर नाखूनों के निशान आए हैं।

जूनियर हाईस्कूल हरिशंकर में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब कक्षा छह के छात्र आरव को भालू उठा ले गया। यह देख अन्य बच्चे दहशत में आ गए। बच्चे कमरे में छिपे तो भालू ने दरवाजा तोड़ने की भी कोशिश की है। अपने साथी पर भालू को हमला करता देख कुछ बच्चों और शिक्षकों ने हिम्मत दिखाई और उसे बचाने के लिए दौड़ पड़े। बच्चों और शिक्षकों की हिम्मत से आरव की जान तो बच गई, लेकिन स्कूल में भय का माहौल है। सभी सहमे हुए हैं। आरव का हाल और स्कूल में ऐसा मंजर देख बच्चे रोते बिलखने लगे। दो दिन पहले इसी स्कूल के एक छात्र पर रास्ते में भालू ने हमला किया था। आज भालू स्कूल परिसर में आ गए।

वन प्रहरियों के साथ स्कूल जा रहे बच्चे

उधर, जौलीग्रांट में थानो वन रेंज के अंतर्गत पहाड़ी क्षेत्रों में भालू के आतंक को देखते हुए वन प्रहरियों के साथ बच्चों को स्कूल भेजा जा रहा है। कुछ दिन पहले ही गडूल पंचायत के कमेठ (सोड) गांव में दो भालुओं ने खेत में घास लेने गई महिला को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। जिसके बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल है।

खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों और चारा पत्ती लेने के लिए जंगल जाने वाली महिलाओं को काफी खतरा हो गया है। जिस कारण थानो वन रेंज द्वारा वन प्रहरियों की छह सदस्यीय एक टीम गठित की गई है। यह टीम भालू संभावित क्षेत्रों में स्थित स्कूलों में बच्चों को स्कूल छोड़ने का काम कर रही है। वहीं घास लकड़ी के लिए जंगल जाने वाले महिलाओं के साथ भी वन प्रहरी आवाजाही कर रहे हैं। भालू संभावित क्षेत्रों में सोलर लाइट लगाई गई है। भालू को पकड़ने के लिए पिंजरा भी लगा दिया गया है।

> पाकिस्तान की नापाक हरकत!

भारत के 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों की डील को लेकर फैला रहा झूठ

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत द्वारा खरीदे जा रहे 26 लड़ाकू राफेल मरीन विमानों को लेकर एक बार फिर पाकिस्तान द्वारा वैश्विक स्तर पर फर्जी खबरें फैलाई जा रही है। फ्रांस की सरकारी एजेंसी ने हाल में ही इन फर्जी लेटरों का खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, इन फर्जी लेटरों का उद्देश्य उद्देश्य बहु-अरब डॉलर के इस रक्षा सौदे को लेकर भ्रम फैलाना था।

राफेल के खिलाफ यह अभियान 25 नवंबर को शुरू हुआ, जब खुद को एक पाकिस्तानी डिजिटल विशेषज्ञ बताने वाले एक शख्स ने डसाल्ट एविएशन के सीईओ एरिक ट्रापियर का एक नकली लेटर पोस्ट किया। यह शख्स डसॉल्ट एविएशन के सीईओ एरिक ट्रैपियर के नाम से झूठा दावा कर रहा था कि भारत के स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के लिए राफेल मरीन विमानों की डिलीवरी में काफी देरी हो रही है। लेटर में यह भी कहा गया था कि विमान सौंपे जाने से पहले भारतीय पायलटों को नई दिल्ली में दस सप्ताह का अनिवार्य प्रशिक्षण लेना होगा।

पाकिस्तान से जारी किए गए एक के बाद एक फर्जी लेटर

अगले दिन, 26 नवंबर, एक और प्रो-पाकिस्तानी अकाउंट ने इसी तरह की दूसरी फर्जी लेटर जारी किए, जिसमें पहले जारी किए गए लेटर को सही बताने का प्रयास किया गया। इसके बाद, 8 दिसंबर को एक तीसरा फर्जी लेटर जारी हुआ, जिसे भारत के विदेश मंत्री का बताया गया। इसमें फ्रांस के दिल्ली स्थित राजदूत पर कथित देरी को लेकर कड़ी आलोचना की गई।

कंपनी ने टिप्पणी करने से किया इनकार

जब फ्रांसीसी मीडिया ने संपर्क किया, तो डसॉल्ट एविएशन ने इन विशिष्ट पत्रों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कंपनी ने कहा कि वे दुष्प्रचार के प्रसार को बढ़ाना नहीं चाहते। यह चुप्पी कंपनी की पिछली अफवाहों के खंडन की रणनीति से एक बदलाव का संकेत देती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 26 राफेल लड़ाकू विमानों को लेकर अफवाह फैलाने की यह पहली घटना नहीं है। पाकिस्तान लगातार इस तरह की नापाक हरकतें करता रहता है। मई में भारत-पाकिस्तान की सेनाओं के बीच हुई झड़प को लेकर पाकिस्तान ने फर्जी सूचनाएं फैलाकर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास किया था। इन पोस्टों में पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने भारत के राफेल लड़ाकू विमान को मार गिराया है। हालांकि बाद में भारत सरकार ने इस दावों को सिरे से खारिज कर दिया था।

संयुक्त राज्य अमेरिका अन्य एजेंसियों ने पहले ही संकेत दिया है कि ऐसे दुष्प्रचार अक्सर फ्रांसीसी रक्षा निर्यात में विश्वास को कम करने और प्रतिद्वंद्वी सैन्य प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे यह नया प्रोपेगेंडा खास है क्योंकि राफेल विमानों की डिलीवरी पूरी होने पर भारत की नेवी की ताकत में कई गुना तक इजाफा हो जाएगा, जो कि पाकिस्तान-चीन के लिए बड़ा खतरा है।

मणिपुर में 10 महीनों से राष्ट्रपति शासन से बढ़ी मुश्किलें

> पेट्रोल पंप डीलरों ने सरकार को दी चेतावनी

इंफाल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में पेट्रोल पंप डीलरों ने उगाही और लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर सरकार को कड़ा संदेश दिया है। डीलरों ने चेतावनी दी है कि यदि 28 दिसंबर तक सुरक्षा और उगाही पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे अपने पेट्रोल पंपों का संचालन बंद करने को मजबूर होंगे।

मणिपुर पेट्रोलियम डीलर्स फ्रेटरनिटी (एमपीडीएफ) ने रविवार को जारी बयान में कहा कि उन्होंने 10 दिसंबर को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को ज्ञापन सौंपकर अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई थी, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

उगाही और बम धमकियों से बढ़ा डर

एमपीडीएफ के मुताबिक, मौजूदा हालात का फायदा उठाकर कई उग्रवादी संगठन पेट्रोल पंपों समेत स्थानीय कारोबारियों से उगाही की मांग कर रहे हैं। डीलरों को बम धमकियां और जान से मारने की चेतावनियां दी जा रही हैं, जिससे उनका कामकाज लगभग असंभव हो गया है। बयान में कहा गया उगाही, बम धमकियों और अवैध मांगों को लेकर राज्य प्रशासन से अब तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। इससे जान-माल का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

28 दिसंबर तक इंतजार

एमपीडीएफ ने साफ कहा है कि यदि 28 दिसंबर तक प्रशासन ने सुरक्षा और उगाही के खिलाफ प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो पेट्रोल पंप डीलरों के पास संचालन बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। इससे राज्य में ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका भी जताई जा रही है।

कीमत बढ़ाने की कोई गुंजाइश नहीं

डीलरों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतें सरकार द्वारा तय की जाती हैं, इसलिए वे अन्य वस्तुओं की तरह दाम बढ़ाकर उगाही की रकम की भरपाई नहीं कर सकते। ऐसे में वे दोहरी मार झेल रहे हैं एक तरफ अगर वे उगाही की मांग मानते हैं तो उन पर कानूनी कार्रवाई और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून तक लगने का खतरा रहता है, वहीं दूसरी तरफ इन मांगों को ठुकराने पर उन्हें बम धमकियों और जान के गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।

राष्ट्रपति शासन में भी हालात बेकाबू

गौरतलब है कि मणिपुर में फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू है। मई 2023 से जारी जातीय हिंसा के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था पहले ही चुनौती बनी हुई है। इसी माहौल में उगाही की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, हालांकि अब तक सैकड़ों लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है।

वन भूमि पर कब्जे को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में निजी संस्थाओं द्वारा वन भूमि पर कब्जे के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कड़ा रुख अपनाया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य प्रशासन और वन विभाग पर गंभीर सवाल खड़े किए। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि यह अत्यंत चौंकाने वाला है कि पूरे घटनाक्रम की जानकारी होते हुए भी राज्य के अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। इस मामले में कोर्ट ने फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी गठित करने के आदेश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान तल्ख तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि हमारे लिए यह बेहद चौंकाने वाला है कि उत्तराखंड राज्य और उसके अधिकारियों की आंखों के सामने वन भूमि पर कब्जा हो रहा है और वे मूक दर्शक बने बैठे हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के विरोध में विहिप करेगा प्रदर्शन

हिंदू समुदाय से एकजुट होने की अपील

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले हिंसा का दौर शुरू हो गया है। इस हिंसा में उपद्रवियों ने हिंदू समुदाय के लोगों और उनकी संपत्तियों और मंदिरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक पर ईश निंदा का झूठा आरोप लगाकर उसकी मॉब लिंचिंग कर हत्या भी कर दी गई है। इससे माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने इस हिंसा के विरोध में मंगलवार को बांग्लादेश उच्चायोग के सामने बड़ा प्रदर्शन करने की घोषणा की है। विहिप ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के विरोध में पूरे विश्व समुदाय से आवाज उठाने पड़ोसी देश पर दबाव बनाने की अपील की है।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने अमर उजाला से कहा कि बांग्लादेश में आएदिन हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। वहां का कट्टरपंथी इस्लामिक तंत्र पूरे शासन तंत्र पर भारी पड़ रहा है। निरपराध हिंदू युवक के साथ-साथ सात साल की बच्ची की भी हत्या कर दी गई है। सैकड़ों हिंदुओं को झूठे आरोप लगाकर गिरफ्तार किया गया है।

स्टालिन सरकार हड़ताल कर रहीं नर्सों की मांग पर विचार पर सहमत

वरिष्ठता के आधार पर सेवा नियमित होगी

चेन्नई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को कहा है कि वह हड़ताल पर बैठी नर्सों की मांगों पर विचार करेगी। सरकार का कहना है कि पोंगल यानी कि जनवरी के मध्य 2026 तक वरिष्ठता के आधार पर उनमें से 723 को तुरंत नियमित करने के लिए कदम उठाएगी। इसके साथ ही, उन्हें वेतन सहित मातृत्व अवकाश प्रदान करने की एक प्रमुख मांग पर भी सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा। राज्य भर में नर्सें 18 दिसंबर से हड़ताल पर हैं और आंदोलन के तीसरे दिन चेन्नई में 500 से अधिक नर्सों को गिरफ्तार किया गया। कड़ाके की ठंड के बावजूद, कुछ नर्सें अपने बच्चों को भी आंदोलन में लेकर आई थीं ताकि वे अपनी इस दुर्दशा को उजागर कर सकें कि उनकी सेवाओं को उचित मान्यता नहीं मिल रही है। सरकार ने दस सूत्री चार्टर में शामिल अन्य मांगों पर विचार करने का निर्देश दिया है राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एम.ए. सुब्रमणियन ने कहा, क्योंकि समेकित वेतन पर नियुक्त सरकारी नर्सों की हड़ताल आज पांचवें दिन में प्रवेश कर गई है। नर्स संघों के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता करने के बाद सुब्रमणियन ने यहां पत्रकारों को बताया, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वेतन सहित मातृत्व अवकाश की याचिका और उनके दस सूत्री चार्टर में शामिल अन्य मांगों पर विचार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाएगी। सुब्रमणियन ने कहा कि दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता के कार्यकाल के दौरान तमिलनाडु चिकित्सा भर्ती बोर्ड के माध्यम से नर्सों की नियुक्ति 14,000 रुपये के समेकित वेतन पर की गई थी।

एअर इंडिया प्लेन का एक इंजन हवा में बंद

दूसरे इंजन से दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग; 335 यात्रियों को मुंबई ले जा रहा था

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट को 40 मिनट में ही इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बोइंग 777-300ER AI887 फ्लाइट का दाहिना इंजन टेक-ऑफ के बाद बंद हो गया। उसमें ऑइल प्रेशर जीरो हो गया था। इसके चलते उसे दिल्ली एयरपोर्ट लौटना पड़ा।

प्लेन ने सुबह 6:10 बजे एआई 887 के रूप में मुंबई के लिए उड़ान भरी थी और 6.52 पर यह वापस आ गया। हालांकि 2 इंजन वाले प्लेन एक इंजन के जरिए भी सुरक्षित लैंड कर सकते हैं। इसलिए इसे तुरंत ही लौटाने का फैसला लिया गया।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Fligh-tradar24.com के मुताबिक टेक-ऑफ के बाद लगभग एक घंटे तक हवा में थी। विमान में लगभग 335 लोग सवार थे। इन सभी को दूसरे विमान से भेजे जाने की व्यवस्था की गई है।

सिविल एविएशन मंत्रालय ने एअर इंडिया से मांगी रिपोर्ट

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-887 की घटना पर एक्शन लिया है, जिसमें टेक-ऑफ के तुरंत बाद तकनीकी खराबी आई थी।

मंत्रालय ने एअर इंडिया से एक डिटेल्ड रिपोर्ट मांगी है। साथ ही डीजीसीए को पूरी जांच करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने एयरलाइन को यात्रियों को हर संभव मदद देने और उन्हें अगली फ्लाइट्स में एडजस्ट करने का निर्देश भी दिया है।

हिस्ट्री में भी नहीं मिली कोई असामान्य बात

न्यूज एजेंसी ने डीजीसीए से जुड़े सोर्स के आधार पर बताया है कि विमान ने हवा में ही यू-टर्न लिया क्योंकि टेक-ऑफ के बाद फ्लैप रिट्रैक्शन के दौरान फ्लाइट के क्रू ने दाहिने इंजन में ऑयल प्रेशर कम देखा। सूत्र ने यह भी बताया कि पिछले रिकॉर्ड का रीव्यू भी किया गया, लेकिन इसमें तेल की खपत में कोई असामान्य बात सामने नहीं आई है।

ऑइल प्रेशर जीरो होना खतरनाक, लेकिन बचाव संभव

प्लेन के इंजन में ऑइल प्रेशर जीरो होना तकनीकी रूप से बेहद गंभीर स्थिति मानी जाती है, लेकिन इसका मतलब हमेशा तुरंत क्रैश नहीं होता। ऑइल का दबाव खत्म होने पर इंजन के मूविंग पार्ट्स तक लुब्रिकेशन नहीं पहुंच पाता। यह बहुत गंभीर स्थिति होती है, लेकिन कंट्रोल में रहती है।

ऑइल प्रेशर जीरो होने पर भी उड़ान जारी रखी जाती है तो इंजन कुछ ही मिनटों में ओवरहीट हो सकता है। अगर ज्यादा देर तक चलाया जाता है तो इंजन फेल हो सकता है। लेकिन आजकल प्लेन एक इंजन पर भी सुरक्षित लैंड कर सकता है। ऐसी कंडीशन में पायलट इंजन पावर कम कर देते हैं या बंद कर देते हैं और नजदीकी एयरपोर्ट पर लैंडिंग कर लेते हैं।

पाक गैंगस्टर शहबाज भट्टी के समर्थन में वीडियो पोस्ट करने का आरोप

भुज का युवक गिरफ्तार

भुज, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के भुज में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि युवक सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के गैंगस्टर शहबाज भट्टी के समर्थन में विवादित वीडियो पोस्ट कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से नकली नोट, गांजा और हथियार भी बरामद किए हैं। भुज के एसपी विकास सुधा ने बताया, 'हमें सूचना मिली थी कि भुज का एक व्यक्ति पाकिस्तान के गैंगस्टर शहबाज भट्टी से प्रेरित होकर एक इंस्टाग्राम अकाउंट संचालित कर रहा है। युवक इस अकाउंट पर विवादित वीडियो पोस्ट कर रहा था। अकाउंट की जानकारी जुटाने के बाद आरोपी की पहचान की गई। जांच में पता चला कि आरोपी भुज का निवासी है और उसका नाम आफताब खडकी है।'

पुलिस इन कोणों से कर रही मामले की जांच

पुलिस अधिकारी ने बताया, 'गिरफ्तारी के बाद आफताब को एसओजी ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपी के घर से तलाशी ली तो वहां से नकली नोटों के 181 बंडल, 669 ग्राम गांजा, देश में निर्मित पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। आरोपी पांच दिन की रिमांड पर है। पुलिस अब इसकी जांच कर रही है कि उसके पास गांजा कहां से आया और किसने इसकी सप्लाई की थी? कहां से उसे नकली नोटों के बंडल मिले? साथ ही पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी को पाकिस्तानी गैंगस्टर से पैसे मिले या फिर वह सिर्फ उससे प्रेरित होकर सोशल मीडिया अकाउंट संचालित कर रहा था। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है।'

2000 साल पुरानी तकनीक का जहाज पोरबंदर से ओमान जाएगा

लकड़ी के तख्तों, नारियल की रस्सियों से तैयार किया गया-हवा के सहारे चलेगा

गांधीनगर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अजंता की गुफाओं में मिले चित्रों के आधार पर 2000 साल पुरानी तकनीक से तैयार जहाज आईएनएसवी कौंडिन्य दिसंबर के आखिर में पोरबंदर से ओमान के लिए रवाना होगा। लकड़ी के तख्तों से बने इस जहाज को नारियल की रस्सियों से सिला गया है, इसमें कहीं भी कीलों का इस्तेमाल नहीं हुआ है। जहाज में न तो इंजन है और न ही जीपीएस। इसमें चौकोर सूती पाल और पैडल लगाए गए हैं। यह पूरी तरह हवा के सहारे, कपड़े के पाल (सढ़) से चलेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इसे हरी झंडी दिखाएंगे।

नाविकों की महीनों की तैयारी

हजारों साल पुराने भारत के समुद्री व्यापार इतिहास को दर्शाने वाले इस जहाज का नाम महान नाविक 'कौंडिन्य' के नाम पर रखा गया है। इस तरह का जहाज चलाने का आज किसी को व्यावहारिक अनुभव नहीं है। इसी वजह से इसके क्रू मेंबर्स पिछले कई महीनों से विशेष ट्रेनिंग ले रहे हैं।

जहाज निर्माण में भारत के पारंपरिक हुनर की पहचान

भारत के प्राचीन जहाज निर्माण कौशल को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। गोवा की एक कंपनी ने करीब 2000 साल पुरानी टांका पद्धति से इस जहाज का निर्माण किया है। इसी साल 20 मई को सिलकर बनाया गया शिप इंडियन नेवल सेलिंग वेसल (आईएनएसवी) कौंडिन्य इंडियन नेवी के जहाजी बेड़े में शामिल किया गया था। इसका नाम भारतीय नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है। उन्होंने हिंद महासागर को पार करके साउथ-ईस्ट एशिया की यात्रा की थी। आधुनिक वेसल (पोत) से अलग इस सिले हुए जहाज में चौकोर पाल और स्टीयरिंग बोर्ड लगा है। स्टीयरिंग बोर्ड का उपयोग पतवार के आविष्कार से पहले जहाज को कंट्रोल करने के लिए किया जाता था।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 23 दिसंबर - 2025

अरावली का अद्भुत इतिहास

'अरावली पर्वतमाला' राजस्थान यानी राजपूताना के राजपूतों की शौर्य गाथा की मौन प्रहरी रही है। वही अरावली इस समय सबसे ज्यादा चर्चा में है। वजह, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के उस प्रस्ताव को मान लिया है जिसमें कहा गया है कि वे पर्वत जो 100 मीटर से ऊपर हैं, उन्हें ही अरावली पर्वत का हिस्सा माना जाना चाहिए। अरावली पर्वतमाला के आसपास बसे शहरों के लोग इस निर्णय को पर्यावरण के लिहाज से खतरनाक मान रहे हैं। इस पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का साफ कहना है कि अरावली में माइनिंग पर पाबंदी बरकरार रहेगी, नए निर्णय से 90 फीसदी से ज्यादा क्षेत्र अब पूरी तरह संरक्षित हैं। इसके बाद भी इसकी सुरक्षा को लेकर पूरे राजस्थान में लोग आंदोलनरत हैं। आखिर कौन नहीं जानता कि भारत में पहले से ही 'अरावली पर्वतमाला' का स्वर्णिम इतिहास रहा है। मध्यकालीन इतिहास तो इस तरह की गवाहियों से भरा पड़ा है कि अरावली के दुर्गम पहाड़ों ने महाराणा प्रताप जैसे योद्धाओं को मुगलों के खिलाफ छापामार युद्ध के लिए कैसे सुरक्षित स्थान मुहैया कराया था। कुंभलगढ़ और चित्तौड़गढ़ जैसे प्रसिद्ध किले भी इसी पर्वतमाला की श्रृंखला का हिस्सा हैं। राजपूतों की सच्ची रक्षक रही वही अरावली की पहाड़ियां आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझने को मजबूर हो रही हैं। भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला 'अरावली' करोड़ों साल पुरानी है। यह पर्वत श्रृंखला तब बनी थी जब आज के भारत का नामोनिशान भी नहीं था, बल्कि महाद्वीप आपस में जुड़े रहे थे और जीवन की शुरुआत हो रही थी। 250 करोड़ साल पुरानी इन पहाड़ियों की ऊंचाई कम करने की आज बातें हो रही हैं, जिसे दुनिया से छोटी ऊंचाई वाले जीवों को खत्म करने की बात कहने जैसा माना जा रहा है। भारत की धरती पर फैली अरावली पर्वत श्रृंखला सिर्फ एक भौगोलिक अजूबा नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली तक फैली यह पर्वत श्रृंखला करीब 670 किलोमीटर लंबी है और इसका इतिहास पृथ्वी के सबसे पुराने पहाड़ों से जुड़ा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अरावली का निर्माण प्रोटेरोजोइक युग में हुआ था, जो लगभग 250 से 350 करोड़ साल पहले शुरू हुआ था। यह श्रृंखला न केवल भारत की जलवायु और पर्यावरण को प्रभावित करती है, बल्कि थार रेगिस्तान को फैलने से रोकने में भी अहम भूमिका निभाती है। अरावली पर्वत श्रृंखला उत्तर-पश्चिमी भारत में स्थित है। यह दक्षिण-पश्चिम दिशा में गुजरात के पालनपुर से शुरू होकर दिल्ली के गुरुग्राम से फरीदाबाद तक फैली हुई है। इसकी औसत ऊंचाई 300 से 900 मीटर के बीच है। इसकी सबसे ऊंची चोटी गुरु शिखर है, जो 1,722 मीटर ऊंची है और राजस्थान के इकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू में स्थित है। इसके अलावा अरावली अजमेर, भीलवाडा, उदयपुर, राजसमंद चित्तौड़गढ़ के साथ ही कोटा, अलवर बूंदी आदि जिलों तक फैला है।

किसान: वह शोरहीन क्रांति जो देश को पालती है

आरके जैन

आज की आधुनिक दुनिया जब चमकते महानगरों, डिजिटल तकनीक और तेज़ विकास की चकाचौंध में डूबी दिखाई देती है, तब किसान हमें हमारी जड़ों की ओर लौटने का संदेश देता है। वह भूमि का सच्चा योद्धा है, जो सूरज की पहली किरण से पहले खेतों में उतर जाता है और देर रात तक परिश्रम करता है। किसान दिवस, जो प्रतिवर्ष 23 दिसंबर को मनाया जाता है, केवल एक तिथि नहीं बल्कि उस विचार का प्रतीक है जो भारत को उसकी मिट्टी से जोड़ता है। यह दिन चौधरी चरण सिंह की स्मृति से जुड़ा है, जिनका जन्म 1902 में इसी दिन हुआ था। एक साधारण किसान परिवार से निकलकर भारत के पाँचवें प्रधानमंत्री बने चरण सिंह ने जमींदारी उन्मूलन, न्यूनतम समर्थन मूल्य और सहकारी आंदोलनों के माध्यम से किसानों को अधिकार और सम्मान दिलाया। वर्ष 2001 में भारत सरकार ने उनके योगदान को स्मरण करते हुए इस दिन को किसान दिवस घोषित किया।

किसान का महत्व भारत की आत्मा में गहराई से रचा-बसा है। वह केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक संतुलन और खाद्य सुरक्षा का आधार स्तंभ है। भारत में करोड़ों किसान अपनी मेहनत से 146 करोड़ से अधिक लोगों का पेट भरते हैं और राष्ट्रीय आय में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों की कृषि उपज भारत को वैश्विक कृषि शक्ति के रूप में पहचान दिलाती है। किसान पर्यावरण के संरक्षक भी हैं, जो मिट्टी की उर्वरता बनाए रखते हैं, जल संरक्षण करते हैं और जैव विविधता को जीवित रखते हैं। वर्ष 2025 में, जब जलवायु परिवर्तन का संकट गहराता जा रहा है, किसान दिवस यह स्मरण कराता है कि टिकाऊ विकास किसानों के बिना संभव नहीं है।किसान भारतीय संस्कृति और परंपराओं का भी मूल आधार है। हमारे पर्व, लोकगीत, लोकनृत्य और त्योहार सीधे कृषि चक्र से जुड़े हुए हैं। बैसाखी, पोंगल, मकर संक्रांति और ओणम जैसे पर्व किसान की मेहनत और प्रकृति के साथ उसके गहरे संबंध को दर्शाते हैं। गाँवों की सामाजिक संरचना, आपसी सहयोग और सामूहिक श्रम की भावना कृषि से ही जन्मी है। किसान पीढ़ियों से पारंपरिक ज्ञान को सहेजते आए हैं, जिसमें मौसम, मिट्टी और बीजों की गहन समझ निहित है। आधुनिक विकास की दौड़ में इस सांस्कृतिक विरासत की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि यही भारतीय समाज की पहचान और आत्मा को जीवित रखती है। फिर भी किसानों की राह कभी आसान नहीं रही। जलवायु परिवर्तन आज कृषि की सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। अनियमित वर्षा, बढ़ते तापमान, बाढ़ और सूखे ने फसलों को भारी नुकसान पहुँचाया है। हाल के वर्षों में कई राज्यों में आई बाढ़ और सूखे ने हजारों एकड़ भूमि को प्रभावित किया, जहाँ किसानों को दोबारा खेती योग्य जमीन तैयार करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। जल संकट, गिरता भूजल स्तर और मिट्टी की घटती गुणवत्ता उत्पादन को कमजोर कर रही है। साथ ही, पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाली पद्धतियाँ संतुलन बिगाड़ रही हैं।

आर्थिक मोर्चे पर भी किसान अनेक दबावों से घिरा हुआ है। बढ़ती लागत, कर्ज का बोझ और बाजार की अस्थिरता किसानों को मानसिक तनाव में डाल रही है। छोटे और सीमांत किसान विशेष रूप से असुरक्षित हैं, जिनकी आय वैश्विक आर्थिक परिवर्तनों से सीधे प्रभावित होती है। डेयरी और बागवानी जैसे सहायक कृषि क्षेत्र भी अत्यधिक गर्मी और बदलते मौसम से प्रभावित हो रहे हैं। फसल के उचित मूल्य न मिलने से किसान की मेहनत का प्रतिफल अधूरा रह जाता है। ये समस्याएँ केवल किसानों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश की खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता से जुड़ी हुई हैं।इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने अनेक कल्याणकारी योजनाएँ लागू की हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जबकि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा देती है। कृषि अवसंरचना फंड से भंडारण, परिवहन और विपणन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

बगैर लोकतंत्र के बांग्लादेश क्या हो रहा है?

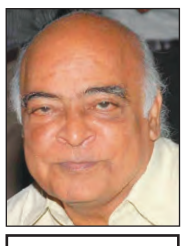

अशोक भाटिया

बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति दीपु चंद्र दास की नृशंस हत्या के अभी मुश्किल से 72 घंटे ही बीते थे । इसी बीच बांग्लादेश की कट्टर जनता की एक और हिंदू युवक पर हमले की एक और घटना सामने आ गई । स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को खुलना डिवीजन के झेनाइदह जिले में एक हिंदू रिक्शा चालक पर भीड़ ने हमला किया। पीड़ित की पहचान गोविंद बिस्वास के रूप में हुई है। बताया गया कि कुछ लोगों ने उसकी कलाई पर बंधा लाल पवित्र धागा (कलावा) देख लिया, जो आमतौर पर हिंदू पहनते हैं। इसके बाद उस पर हमला कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक उसके गले और सीने में चोटें आईं हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, कुछ लोगों ने अफवाह फैलाई कि गोविंद बिस्वास का संबंध भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग से है। इसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और उसने बिस्वास की पिटाई कर दी। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में, बिस्वास को पुलिस की हिरासत में ले जाते समय यह कहते हुए देखा जा सकता है कि वह एक रिक्शा चालक है। वह खुद को रिहा किए जाने की मांग कर रहा था। इसके बाद उसे झेनाइदह सदर पुलिस थाने में बंद कर दिया गया। गोविंद को झेनाइदह जिला नगरपालिका के गेट के पास बिस्वास को पीटा गया और फिर पुलिस के हवाले कर दिया गया। बाद में अधिकारियों ने बताया कि मारपीट की वजह से उसके गले और सीने में चोटें आईं हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति खुलेआम पुलिसकर्मियों की हिरासत से गोविंद बिस्वास को छुड़ाने की कोशिश करता है। लेकिन वह खुद को रिक्शा चालक बता रहा। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा की घटनाओं की लगातार बिगड़ती स्थिति में यह एक और इजाफा है। बांग्लादेश में लगातार कानून-व्यवस्था की बेहद खराब होती जा रही है। दरअसल देखा जाय तो बांग्लादेश इस बात का एक अच्छा उदाहरण है कि जब लोकतंत्र नहीं होता है तो क्या होता है, और इसे जीवित रखने के लिए आवश्यक नियामक तंत्र नहीं होते हैं। उस देश में आंतरिक उथल-पुथल का एक आवेग समाप्त हो गया है और दूसरा शुरू हो गया है। पहला आवेग देश को और अस्थिर कर देगा। फरवरी में आम चुनाव होने हैं। पात्रों की अनुपस्थिति में कई वर्षों में यह पहला चुनाव है । भारत में शेख हसीना के अलावा कोई अन्य राजनीतिक नेता नहीं है, जिनकी हालत गंभीर है, और उनकी मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेगम खालिदा जिया, जो क्रमशः दो प्रमुख दलों, अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की नेता हैं।

पिछले साल जुलाई में जब आम चुनावों की पृष्ठभूमि में हसीना के खिलाफ छात्र आंदोलन छिड़ गया था, तो सत्तारूढ़ अवामी लीग ने बीएनपी को चुनाव लड़ने नहीं दिया था और उससे लगी राजनीतिक आग आखिरकार सत्तारूढ़ पार्टी को ही जलाकर बुझा दी गई थी। अब बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रभारी मुहम्मद यूनुस इस बार अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाकर हसीना की गलती दोहरा रहे हैं। देश में ज्यादा राजनीतिक दल नहीं हैं। अधिक राजनीतिक कार्यकर्ता। स्वाभाविक रूप से, जब किसी पार्टी के साथ अन्याय की भावना होती है, तो विपक्षी जनता के गुस्से का विस्फोट होता है। बीएनपी का मुंह बंद कर दिया गया, हसीना को राजनीतिक रूप से मार दिया गया, और कोई नहीं कह सकता कि अगर अवामी लीग का मुंह बंद कर दिया गया तो कितने और मारे जाएंगे, लेकिन हमारे लिए इसे नजरअंदाज करना लापरवाह और खतरनाक होगा क्योंकि दोनों विस्फोटों में भारत के खिलाफ गुस्सा मुख्य धागा है।

एक युवा राजनेता, शरीफ उस्मान हादी की हत्या पर बांग्लादेश में नवीनतम आक्रोश ने व्यापक और भयानक प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है: ढाका और कई अन्य क्षेत्रों में रैलियां आयोजित की गईं, दो समाचार पत्रों के कार्यालयों को जला दिया गया, भारतीय राजनयिकों के आवासों पर हमला किया गया, और एक हिंदू व्यक्ति को ईशनिंदा के लिए पीट-पीटकर मार डाला गया, उसके शरीर को एक पेड़ से लटका दिया गया था और उसके शरीर को सार्वजनिक रूप से जला दिया गया था, और प्रभारी शासक, मुहम्मद यूनुस, एक अर्थशास्त्री हो सकते हैं। हसीना के भागने के बाद यूनुस को सर्वसम्मति से अंतरिम सरकार का सलाहकार नियुक्त किया गया था।उन्होंने अक्सर आश्वासन दिया है कि वह वाणिज्य दूतावास कार्यालयों और अन्य विदेशी प्रतिष्ठानों की रक्षा करेंगे। ताजा घटनाक्रमों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि या तो वे इन वादों के प्रति गंभीर नहीं हैं या फिर बांग्लादेश के युवा राजनीतिक कार्यकर्ताओं द्वारा उनकी गिनती नहीं की जा रही है, कुछ भारतीय वीजा केंद्रों को बंद करना पड़ा है और मंदिरों पर हमले कम हुए हैं लेकिन रुके नहीं हैं। पिछले महीने, वहां के एक ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना को विभिन्न अपराधों के लिए मौत की सजा और आजीवन कारावास की दोहरी सजा सुनाई थी। हमने बांग्लादेश की इस मांग को स्वीकार नहीं किया है कि हसीना को हमें सौंप दिया जाए क्योंकि वह एक सजायाफ्ता अपराधी है। प्रतिनिधिमंडल से बचता है।

यह भारत के लिए एक राजनीतिक समस्या होगी। लेकिन इससे बांग्लादेश के लोगों का गुस्सा और शक भी बढ़ेगा। मौजूदा सरकार के पसंदीदा विपक्षी नेता शशि थरूर की अध्यक्षता वाली संसद की विदेश मामलों की समिति को उनकी कूटनीतिक समझ पर कोई संदेह नहीं है और उसने चेतावनी दी है कि बांग्लादेश में संकट 1971 के बाद पहली बार इतना गहरा होगा कि हसीना के समर्थक सत्ता में वापस आ जाएंगे।

समिति की टिप्पणी है कि बांग्लादेश के प्रति केंद्र की नीतिगत पहल व्यक्ति-केंद्रित है और सरकार केंद्रित नहीं है। यह विषय-केंद्रित नीति के कारण था कि हमने शेख हसीना के प्रति अत्यधिक स्नेह दिखाने की गलती की और उनके खिलाफ असंतोष को ध्यान देने में विफल रहे, विशेष रूप से कोरोना के बाद बांग्लादेश में। (19 नवंबर) इस संपादकीय ने एक राय दी, लेकिन यह एकमात्र मुद्दा नहीं है। शरीफ उस्मान हादी का हत्यारा फैसल करीम मसूद एक भगोड़ा है, जिसे कथित तौर पर भारत द्वारा शरण दी गई है, लेकिन भारत सरकार से तत्काल और स्पष्ट स्पष्टीकरण की आवश्यकता है, क्योंकि सुनी-सुनाई बातों या अर्धसत्य को सत्य के रूप में स्वीकार करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। हादी चुनाव लड़ने जा रहे थे और राजनीतिक शून्य को भरने के लिए उत्सुक थे।

आंदोलन का नेतृत्व हादी ने किया था, और बांग्लादेश के कई युवाओं की नजर में, वह बांग्लादेश के भविष्य के शासक और भाग्य निर्माता थे, और उनके गुणों और दोषों का कोई व्यापक और निष्पक्ष मूल्यांकन नहीं किया गया है, लेकिन हमें यह स्वीकार करना होगा कि शेख हसीना के युवा विरोधियों में से एक की हत्या भारत के लिए सिरदर्द है। ऐसा इसलिए क्योंकि मुख्य भूमि को जोड़ने वाले 'चिकन नेक' कॉरिडोर पर हमला करके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की बात करने वाले नेता देश की मुख्यधारा में दिखाई दे रहे हैं। जिहादी तत्वों ने बांग्लादेश में कुछ हद तक जड़ें जमा ली हैं, पाकिस्तान जितनी नहीं, और वे मौजूदा स्थिति में अंकुरित होने लगे हैं। पाकिस्तान और चीन इस स्थिति का फायदा उठाने के लिए तैयार हैं, पश्चिम (पाकिस्तान) से नहीं पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर ने हाल ही में कहा था कि वे पूर्व से आक्रमण करेंगे और पश्चिम की ओर विजयी होंगे। उस समय 45 फीसदी जमीन पाकिस्तान और 55 फीसदी बांग्लादेश में आई थी। इसका कारण यह है कि दक्षिण एशिया का इतना बड़ा देश भारत विरोधी बन गया है और इतने सालों से हमारा करीबी दोस्त रहा है।

समाज को जगाने वालों पर सवाल क्यों?

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी जीवंत समाज की पहचान यह नहीं होती कि वह कितनी परंपराओं का पालन करता है, बल्कि यह होती है कि वह परंपराओं को कितनी विवेकपूर्ण दृष्टि से देखता है। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों ने प्रश्न पूछने वालों को सम्मान दिया, वही आगे बढ़े; और जिन्होंने उन्हें दबाने की कोशिश की, वे जड़ता और पतन का शिकार हुए। आज जब कोई व्यक्ति, संगठन या विचारक अंधविश्वास, पाखंड और झूठ के खिलाफ आवाज़ उठाता है, तो उसके इरादों पर सवाल खड़े कर दिए जाते हैं। उसे धर्म-विरोधी, संस्कृति-विरोधी या समाज-विरोधी ठहराने की कोशिश की जाती है। यह प्रवृत्ति स्वयं में एक गंभीर प्रश्न है—आखिर समाज को जगाने वालों पर सवाल क्यों? आस्था और अंधविश्वास के बीच का फर्क समझना आज सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। आस्था व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाती है, उसे नैतिकता, करुणा और आत्मबल प्रदान करती है। इसके विपरीत अंधविश्वास भय, अज्ञान और असहायता को जन्म देता है। आस्था जहां विवेक के साथ चलती है, वहीं अंधविश्वास विवेक को कुचल देता है। दुर्भाग्यवश, आज इन दोनों को जानबूझकर एक-दूसरे में मिलाया जा रहा है, ताकि सवाल पूछने वालों को चुप कराया जा सके और पाखंड के कारोबार को सुरक्षित रखा जा सके।

धर्म का मूल उद्देश्य कभी भी मनुष्य को अज्ञान में रखना नहीं रहा। भारतीय दर्शन की परंपरा तो प्रश्नों और संवादों की रही है। उपनिषदों से लेकर बुद्ध और कबीर तक, हर विचारधारा ने जिज्ञासा और तर्क को महत्व दिया। "सवाल मत पूछो" की संस्कृति भारतीय चिंतन की आत्मा के विपरीत है। इसके बावजूद आज यह धारणा बनाई जा रही है कि सवाल करना आस्था पर हमला है। यह न केवल बौद्धिक रूप से गलत है, बल्कि सामाजिक रूप से भी खतरनाक है। अंधविश्वास का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि वह शोषण को वैधता देता है। चमत्कारों के नाम पर लोगों को ठगा जाता है, बीमारों को इलाज के बजाय झाड़-फूंक के हवाले कर दिया जाता है, महिलाओं और बच्चों को डर और अपराधबोध में जीने के लिए मजबूर किया जाता है। जब कोई इन कुप्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसे 'परंपरा तोड़ने वाला' घोषित कर दिया जाता है। वास्तव में वह परंपरा नहीं, परंपरा के नाम पर चल रहे शोषण को चुनौती दे रहा होता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अंधविश्वास केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर लोकतंत्र पर पड़ता है। एक ऐसा समाज, जो तर्क और वैज्ञानिक सोच से दूर हो, वह आसानी से अफवाहों, नफरत और झूठे प्रचार का शिकार बन जाता है। लोकतंत्र की बुनियाद ही सूचित और विवेकशील नागरिकों पर टिकी होती है। जब नागरिक डर और अज्ञान के आधार पर निर्णय लेने लगते हैं, तब लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर पड़ने लगती हैं।

भारत का संविधान इस संदर्भ में एक स्पष्ट मार्गदर्शक है। यह केवल शासन की व्यवस्था नहीं, बल्कि एक सामाजिक दस्तावेज भी है। संविधान वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समानता और मानव गरिमा को बढ़ावा देता है। अनुच्छेद 51(क) में नागरिकों के मूल कर्तव्यों में वैज्ञानिक सोच, मानववाद और सुधार की भावना के विकास की बात कही गई है। इस दृष्टि से देखें तो अंधविश्वास के खिलाफ आवाज उठाना किसी की व्यक्तिगत सनक नहीं, बल्कि एक संवैधानिक जिम्मेदारी है।

इसके बावजूद, समाज को जगाने वालों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि परिवर्तन हमेशा असहज होता है। जो व्यवस्था लंबे समय से चली आ रही हो, उससे लाभ उठाने वाले वर्ग परिवर्तन से डरते हैं।

उन्हें लगता है कि यदि लोग सवाल पूछने लगे, तो उनका वर्चस्व खत्म हो जाएगा। इसलिए वे सवाल उठाने वालों को बदनाम करने का आसान रास्ता अपनाते हैं। मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी इस बहस में महत्वपूर्ण है। जहां एक ओर कुछ मंच विवेक और तर्क को जगह देते हैं, वहीं दूसरी ओर सनसनी और अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाला कंटेंट भी तेजी से फैलता है। चमत्कारों की कहानियां, अवैज्ञानिक दावे और डर पैदा करने वाले संदेश अधिक 'वायरल' होते हैं। ऐसे माहौल में तर्क की आवाज अक्सर धीमी पड़ जाती है, और तर्क देने वाले व्यक्ति को 'नकारात्मक' या 'विवादित' करार दे दिया जाता है। शिक्षा इस पूरी समस्या की जड़ में है। यदि शिक्षा केवल डिग्री दिलाने का माध्यम बनकर रह जाए और उसमें वैज्ञानिक सोच, प्रश्न पूछने की आदत और नैतिक साहस न हो, तो समाज में अंधविश्वास का फैलना स्वाभाविक है। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाना चाहिए कि हर बात को बिना समझे स्वीकार करना जरूरी नहीं है। सम्मानजनक असहमति और तार्किक सोच ही स्वस्थ समाज की नींव होती है।

यह भी सच है कि हर बदलाव धीरे-धीरे आता है। समाज को जगाने वालों की राह आसान नहीं होती। उन्हें विरोध, उपहास और कभी-कभी हिंसा का भी सामना करना पड़ता है। लेकिन इतिहास में ऐसे ही लोगों ने समाज को नई दिशा दी है। राजा राममोहन राय ने सती प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई तो उन्हें भी विरोध झेलना पड़ा। डॉ. आंबेडकर ने जातिगत भेदभाव को चुनौती दी तो उन पर भी सवाल उठे। आज वे सभी समाज-सुधारक सम्मान के साथ याद किए जाते हैं। आज का समय भी ऐसे ही साहस की मांग करता है। अंधविश्वास के खिलाफ खड़ा होना किसी एक धर्म, वर्ग या समुदाय के खिलाफ खड़ा होना नहीं है।

यह मनुष्य की गरिमा और विवेक के पक्ष में खड़ा होना है। यह कहना कि झूठ, पाखंड और डर का धर्म में कोई स्थान नहीं होना चाहिए, किसी की आस्था का अपमान नहीं, बल्कि उसकी रक्षा है। समाज को यह तय करना होगा कि वह किस ओर जाना चाहता है—भय और अज्ञान की ओर या विवेक और प्रगति की ओर।

यदि हम सच में एक मजबूत, न्यायपूर्ण और लोकतांत्रिक भारत चाहते हैं, तो हमें उन आवाज़ों को सुनना होगा जो हमें सोचने पर मजबूर करती हैं। सवालों से डरने के बजाय उनका सामना करना होगा। अंततः प्रश्न यही है कि समाज को जगाने वालों पर सवाल क्यों? शायद इसलिए क्योंकि जागरूक समाज सत्ता, पाखंड और शोषण के लिए असुविधाजनक होता है। लेकिन यही असुविधा भविष्य की बुनियाद भी होती है। आज यदि हम विवेक की आवाज़ के साथ खड़े होते हैं, तो आने वाली पीढ़ियों को एक अधिक जागरूक, स्वतंत्र और मानवीय समाज मिलेगा। अंधविश्वास का अंत किसी एक आंदोलन से नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना से होगा। यह चेतना सवाल पूछने से शुरू होती है। इसलिए जो सवाल पूछ रहा है, जो सोचने के लिए प्रेरित कर रहा है, वह समाज का दुश्मन नहीं, उसका सच्चा मित्र है।

कितना रखोगे हिसाब खराब कामों का

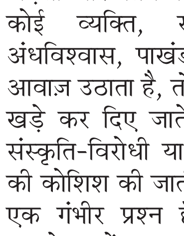

डॉ टी महादेव राव

वे फिर मिल गए सुबह की सैर के बाद। बोले पिछली पार्टी की सरकार ने एक लाख करोड़ रुपए खा लिए। इसलिए विकास नहीं हो पाया। अब मरता क्या न करता बस सरकार चला रहे हैं किसी तरह। आपको ग्यारह साल बाद भी विकास का अता पता नहीं मिला ? अब भी पुरानी बातों को दोहरा रहे हो। फिर एक बार उनको गरिया रहे हो? क्या उन लोगों ने विकास का अपहरण कर लिया है या विकास को खत्म कर दिया है? समय कहां मिला विकास का? हम बस उनकी गलतियां सुधारते सुधारते रह गए। गलतियां सुधार रहे थे कि नाम बदल रहे थे? अपना नाम कहीं तो कहीं किसी का नाम। नाम बदलने और चाचा जी की निंदा में आपका एक दशक से ज्यादा समय चला गया। अब भी आप थके नहीं। विकास करने की ओर झुके नहीं और नाम बदलो योजना के अमल से रुके नहीं। भारत का नाम विश्व में अब जाकर जब से हमारी सरकार बनी है तबसे जानना शुरू किया। वरना पहले भारत को कौन जानता था?आपका कहना सही है। जब महात्मा गांधी को रिचर्ड एटनबरो की फिल्म के बाद 1982 के बाद ही विश्व ने जाना और आपके किसी सांसद का अमृत वाक्य कि हमें आजादी 2014 में मिली है, वह आपके भारत को जानने की बात को सत्य साबित करता है। आज़ादी तो अठहत्तर साल पहले मिल गई थी।

लेकिन सत्तासीन पार्टी ने कोई विकास नहीं किया। सिर्फ अपने नामों के फलक, अपने नामों पर पुरस्कार और संग्रहालय में व्यस्त रहे। पैसा खाने में मस्त रहे। हम जबसे आए हैं ....

रुकिए! सोच समझ कर बोलिए। आप अपने गुस्सैल नायिका सांसद की बात काट रहे हैं कि अठहत्तर साल पहले आजाद हुए। उन्हें पता चला तो आपका क्या होगा? कुछ नहीं। उन्हें तो कब से चुप कराया जा रहा है। विकास अब होगा क्योंकि हमने सुधारने का काम लगभग खत्म होने पर है। अनंत कार्य योजना है यह आपके सुधार की। इतना सुधार करने की बजाय आप लोग सुधर जाते तो विकास अपने आप आता। पता नहीं कहां रह गया बेचारा। ग्यारह सालों से जिन चाचा जी को आपके मुखिया दिन रात गरियाते फिरते हैं।

उसकी जगह अगर भगवान का नाम लेते तो पुण्य मिलता बाद में मोक्ष भी प्राप्त होता।

मोक्ष तो वैसे भी मिलेगा। कितने पुण्य किए हैं मुखिया ने। गरीबों को मुफ्त राशन जैसा अन्नदान का पुण्य, महाकुंभ में डुबकी लगाने का पुण्य और कितने सारे मंदिरों में भगवान दर्शनों के पुण्य कब काम आयेंगे? रेवड़ियां, वही अन्नदान सरकारी पैसों से माध्यम वर्गीय का कौर छीनकर, कपड़ों सहित महाकुम्भ स्नान, सरकारी पैसों से मंदिरों के दर्शन। आपको क्या लगता है भगवान का हिसाब किताब हमारी तरह तिकड़म वाला होता है? उनका फंडा साफ है। सही सही हिसाब रखते हैं भगवान। समझे।

यौन हिंसा वैश्विक महामारी

ज्ञान चंद पाटनी

राजस्थान के डूंगरपुर जिले में दसवीं कक्षा की एक छात्रा ने छेड़छाड़ के मामले में कार्रवाई नहीं होने पर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पिछले दिनों गुजरात के राजकोट जिले में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना भी सामने आई थी। वहां 6 साल की एक बच्ची के साथ जिस तरह ही हैवानियत हुई, उसने पूरे देश को शर्मसार कर दिया था। दरिंदे ने बच्ची के साथ बलात्कार करने की कोशिश की। उसके प्राइवेट पार्ट में लोहे की रॉड तक डाल दी थी। यह मामला सामने आने के बाद दिल्ली के निर्भया कांड से जुड़ा खौफनाक घटनाक्रम एक बार फिर लोगों के जेहन में ताजा हो गया था।

असल में नाबालिग लड़कियों के साथ यौन शोषण के बढ़ते मामलों ने अब महामारी का रूप ले लिया है। इससे जुड़े आंकड़े भयावह हैं और मानवता को शर्मसार करने वाले हैं। ये आंकड़े हर संवेदनशील व्यक्ति को हिला कर रख देते हैं। 'द लैंसेट' पत्रिका की 2023 ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार विश्व की एक अरब से ज्यादा महिलाओं ने बचपन में यौन हिंसा का काला साया झेला है। लगभग 60.8 करोड़ महिलाएं अपने अंतरंग साथी से शारीरिक व यौन हिंसा की शिकार हुईं। उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र हैं, जहां सामाजिक रूढ़ियां, गरीबी, युद्ध और कमजोर कानूनी ढांचे की वजह से ऐसी हिंसा बहुत ज्यादा हो रही है।

बचपन में यौन शोषण न केवल शारीरिक आघात पहुंचाता है बल्कि आजीवन मानसिक घाव छोड़ जाता है। अवसाद, पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, नशे की लत, सिजोफ्रेनिया और आत्महत्या की प्रवृत्ति इसके प्रमुख परिणाम हैं। रिपोर्ट बताती है कि हिंसा झेलने वाली लड़कियों में एक दर्जन से अधिक प्रकार के स्वास्थ्य जोखिम बढ़ जाते हैं। यह मामला सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरी मानव जाति का मामला है।

भारत भी इस महामारी से अछूता नहीं है। लैंसेट रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 के आंकड़ों के हिसाब से यहां 30 प्रतिशत से अधिक लड़कियों ने बचपन में यौन हिंसा को झेला। यही नहीं 13 प्रतिशत लड़के भी यौन हिंसा के शिकार हुए। साथ ही 23 प्रतिशत महिलाएं पार्टनर की हिंसा की शिकार हुईं। भारत में नाबालिग लड़कियों के साथ बलात्कार और हत्या के भयावह मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। ये घटनाएं कानूनी कमियों, समाज की संवेदनहीनता और जांच एजेंसियों की विफलता को उजागर करती हैं। जैसा कि राजस्थान की ताजा घटना के मामले में हुआ। छात्रा से छेड़छाड़ हुई, विरोध किया तो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की। शिकायत करने पर पुलिस ने कार्रवाई भी नहीं की। हताशा में लड़की ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। पुलिस ऐसे गंभीर मामलों में भी कार्रवाई करने में लापरवाही करेगी तो बदमाशों के हौसले बुलंद ही होंगे।

जहां तक कानून की बात है भारत में बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने के लिए पॉक्सो अधिनियम लागू है। पॉक्सो अधिनियम के तहत बच्चों के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें भी स्थापित की गई हैं, ताकि मामलों का तेज और प्रभावी ढंग से निपटारा किया जा सके। इसके बावजूद लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह, दहेज प्रथा और जातिगत भेदभाव से भी इस तरह की हिंसा और शोषण को बढ़ावा मिलता हैं। यौन हिंसा की बढ़ती घटनाओं के पीछे बहुत सारे कारण हैं।

इसमें इंटरनेट, मोबाइल और अश्लील सामग्री की सहज उपलब्धता भी है। इंटरनेट पर फैली हुई अश्लीलता दिमाग विकृत कर रही है। मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से समाज में नैतिक पतन हो रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से अनजान लोगों से भी संपर्क बढ़ जाता है। बच्चों पर नजर रखना मुश्किल हो गया है। अब कोई किसी की परवाह नहीं करता। सारी वर्जनाएं टूट रही हैं। इसके दुष्प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। नशाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति ने आग में घी का काम किया है।बचपन में यौन शोषण आजीवन अभिशाप बन जाता है। पीड़ित लड़कियां अवसाद में आ जाती हैं। उनमें एचआईवी का जोखिम बढ़ जाता है। कई बच्चियां स्कूल जाना बंद कर देती हैं। वे गरीबी के चक्र में भी फंस जाती हैं।

इस महामारी की रोकथाम के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने की जरूरत है। ऐसे मामलों में पॉस्को कानून के तहत शीघ्र कार्रवाई के साथ घटना से जुड़े साक्ष्य ठीक तरह से इकत्र किए जाएं, ताकि अपराधी बच नहीं सके। शेल्टर होम और पीड़िता के लिए लीगल एड जैसी व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत है। साथ ही बच्चियों को गुड टच—बैड टच के बारे में स्कूलों और घरों में समझाया जाए। गलत हरकत के बारे में तुरंत शिकायत करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जाए। लड़कियों को सेल्फ-डिफेंस और साइबर सिक्योरिटी की ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। सामाजिक सुधार पर भी ध्यान देने की जरूरत है। बाल विवाह उन्मूलन पर ध्यान देने के साथ पुरुषों की मानसिकता बदलने की भी आवश्यकता है। साथ ही इंटरनेट पर पसरी अश्लीलता पर लगाम लगाने के उपाय खोजने होंगे और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चोट करना होगा।

खरमास में सूर्यदेव की साधना से चमकेगा भाग्य

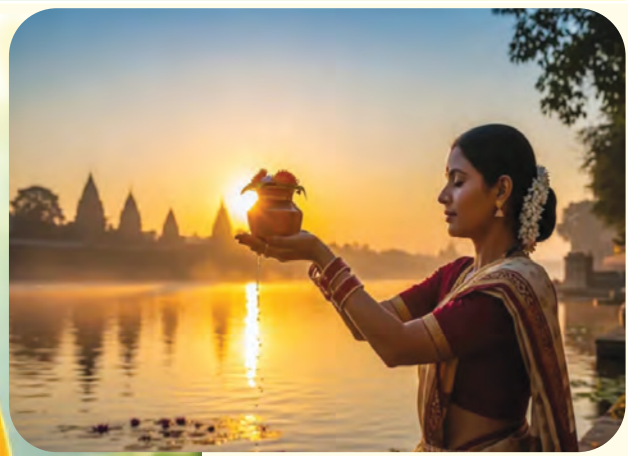

खरमास का नाम सुनते ही अक्सर लोगों के मन में यह बात आती है कि इस दौरान कोई शुभ काम नहीं करना चाहिए। सच भी है कि खरमास में विवाह, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य वर्जित माने गए हैं। लेकिन, बहुत कम लोग जानते हैं कि यही समय सूर्यदेव की साधना के लिए बेहद खास और फलदायी माना गया है। खरमास (मलमास) में पूजा, जप, तप और दान का विशेष महत्व शास्त्रों में बताया गया है। यह समय बाह्य कर्मकांड से अधिक आंतरिक साधना का माना गया है। खरमास कोई अशुभ समय नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, साधना और पुण्य संचय का श्रेष्ठ अवसर है। जो व्यक्ति इस काल में पूजा, जप, तप और दान करता है, उसे आने वाले समय में ग्रहों का अनुकूल फल, मानसिक शांति और जीवन में स्थिर उन्नति प्राप्त होती है।

14 जनवरी को होगा खरमास का समापन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब सूर्यदेव धनु राशि में प्रवेश करते हैं, तब लगभग एक मास की अवधि को खरमास कहा जाता है। यह काल आत्मिक शुद्धि, आत्मबल बढ़ाने और अंदरूनी ऊर्जा को मजबूत करने के लिए उत्तम होता है। साथ ही इस काल में सूर्य की गति धर्म व आत्मचिंतन की ओर मानी जाती है, इसलिए विवाह, गृहप्रवेश जैसे शुभ व मांगलिक कर्म वर्जित होते हैं। इस बार 16 दिसंबर 2025 से खरमास की शुरुआत हो चुकी है, जो 14 जनवरी 2026 तक रहेगा।

खरमास में साधना से आते हैं बड़े बदलाव

ज्योतिष को सूर्यदेव को आत्मविश्वास, तेज, यश और मान-सम्मान का प्रतीक माना गया है। कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति के जीवन में बार-बार अपमान, असफलता या आत्मविश्वास की कमी महसूस हो रही हो, तो कहीं ना कहीं सूर्य कमजोर हो सकता है। ऐसे में खरमास के दौरान की गई सूर्य साधना जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। यह साधना ना सिर्फ मन को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज में प्रतिष्ठा भी बढ़ाती है। खरमास में साधना व पूजा, जप-तप करने से अंदरूनी ऊर्जा को बल मिलता है और सभी पाप क्षय हो जाते हैं।

खरमास में हर दिन करें यह कार्य

खरमास में रोज सुबह स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य देना बहुत शुभ माना जाता है। अर्घ्य देते समय सूर्यदेव का ध्यान करें और उनके नामों का स्मरण करें। इससे मन शांत होता है और दिन की शुरुआत ऊर्जा के साथ होती है। खरमास में दान को सबसे श्रेष्ठ कर्म माना गया है। लाल किताब और धर्मशास्त्रों के अनुसार, इस समय किया गया दान दरिद्रता नाश करता है, पितृ दोष और ग्रह दोष में राहत देता है। खरमास में अन्न दान, तिल, गुड़, कंबल, वस्त्र, गाय, ब्राह्मण या जरूरतमंद को दान करें।

हर दिन करें सूर्य चालीसा का पाठ

खरमास में हर दिन सूर्य चालीसा का पाठ भी अत्यंत फलदायी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, अगर खरमास में सूर्यदेव की चालीसा का पाठ किया जाए, तो वह प्रसन्न होकर साधक पर अपनी कृपा बरसाते हैं। इसके प्रभाव से व्यक्ति का आत्मविश्वास और समाज में सम्मान बढ़ता है। ज्योतिषियों के मुताबिक, सूर्य चालीसा से कुंडली में सूर्य का स्थान मजबूत होता है, जिससे साधक के मान-सम्मान में वृद्धि, बेहतर नेतृत्व क्षमता, उच्च पद और पिता के साथ रिश्ता मजबूत होता है।

ग्रहों के राजकुमार का राशि परिवर्तन...

इन 3 राशियों की मुश्किल बढ़ाएगा बुध गोचर

वृषभ- इस राशि के जातकों के लिए यह राशि परिवर्तन कुछ मामलों में अशुभ साबित होने वाला है। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान जातकों को विशेष रूप से अपनी वाणी पर ध्यान रखना होगा। किसी को कटु शब्द या अपमानजनक शब्द बिल्कुल भी नहीं बोलने हैं। बड़ा विवाद हो सकता है। बुध ग्रह को शांत करने के लिए जातकों को गरीबों को दान करना चाहिए। भगवान गणेश की सेवा करना शुभ रहेगा।

कर्क- इस राशि के जातकों के लिए बुध का राशि परिवर्तन शुभ नहीं होगा। शारीरिक समस्याएं, कारोबार में नुकसान, मानसिक तनाव आदि हो सकता है। जो कार्य करें, सोच समझकर करें। हो सके तो कुछ समय बाद नए कार्य की शुरुआत करें। किसी को कटु वचन भूल कर भी न बोलें अन्यथा बड़े विवाद की वजह से कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। बुध को शांत करने के लिए भगवान गणेश की सेवा करें। उन्हें हरे रंग की मिठाई आदि का भोग लगाएं और गरीबों की सेवा करें। गणपति महाराज को हरे रंग के वस्त्र भेंट करें।

धनु- ग्रहों के राजकुमार बुध का राशि परिवर्तन धनु राशि के जातकों के लिए अशुभ रहने वाला है। तनाव से गुजरना पड़ सकता है। अगर आप व्यापार कर रहे हैं, तो उसमें नुकसान के साथ आर्थिक तंगी हो सकती है। इससे परेशानी का सामना कर पड़ सकता है। वाहन चलाते समय सावधानी रखना बेहद जरूरी है क्योंकि दुर्घटना भी हो सकती है। गणेश भगवान के मंत्रों का जाप करें। गणेश भगवान को हरे रंग की मिठाई का भोग लगाना शुभ रहेगा। पशुओं को हरा चारा खिलाने से लाभ मिलेगा।

मेहनत के बाद भी पैसा नहीं टिकता? कैसे बाथरूम की इस दिशा से बढ़ रही परेशानी

साउथ ईस्ट दिशा के टॉयलेट से होने वाली दिक्कत

साउथ ईस्ट दिशा पैसे और आर्थिक तरक्की की होती है, अगर इस दिशा में टॉयलेट बना हो तो यह धन की ऊर्जा को नष्ट करता है। लोग मेहनत करते हैं लेकिन पैसा जल्दी खर्च हो जाता है या काम में रुकावट आती है। इसे नजरअंदाज करना लंबे समय में बड़ी समस्या बन सकती है।

आसान वास्तु उपाय

लाल टेप का इस्तेमाल: टॉयलेट या बाथरूम के फर्श पर 3 इंच चौड़ी लाल रंग की टेप लगाएं। यह नकारात्मक ऊर्जा को रोकने में मदद करती है।

साफ-सफाई और खुशबू: टॉयलेट हमेशा साफ और खुशबूदार रखें। गंदगी और बदबू पैसों की तरक्की में बाधा डालती है।

साउथ ईस्ट में पौधा लगाएं: अगर संभव हो तो इस दिशा में छोटे पौधे या बर्तन में हरा पौधा रखें। यह ऊर्जा को संतुलित करता है।

धातु का सजावट आइटम: टॉयलेट के पास या साउथ ईस्ट में हल्के धातु के छोटे आइटम रखें। इससे धन की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

दर्पण का प्रयोग: टॉयलेट के अंदर या बाहर दर्पण इस तरह लगाएं कि नकारात्मक ऊर्जा घर के अंदर न फैले।

उपाय अपनाने के फायदे

इन आसान उपायों को अपनाने से पैसों की समस्या धीरे-धीरे कम होती है। घर में ऊर्जा संतुलित रहती है और लक्ष्मी जी का वास बढ़ता है। इसके साथ ही कामकाज में स्थिरता और खुशहाली आती है।

मोबाइल चलाने की यह गलती बिगाड़ सकती है आपके शुभ काम

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। सुबह उठने से लेकर रात सोने तक मोबाइल का इस्तेमाल आम हो गया है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि वास्तु शास्त्र के अनुसार मोबाइल चलाने की दिशा और स्थान भी जीवन को प्रभावित करते हैं। गलत दिशा में बैठकर मोबाइल का अधिक उपयोग मानसिक तनाव, कार्यों में रुकावट और नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकता है। इसलिए मोबाइल उपयोग के दौरान सही दिशा का ध्यान रखना बेहद जरूरी माना गया है।

ज्योतिषी अखिलेश पांडेय ने बताया कि वास्तु शास्त्र के अनुसार हर दिशा की अपनी अलग ऊर्जा होती है। जब हम किसी दिशा में बैठते हैं तो उस दिशा की ऊर्जा हमारे मन और शरीर पर असर डालती है। मोबाइल से निकलने वाली तरंगें भी इन ऊर्जाओं के साथ मिलकर प्रभाव डालती हैं। अगर दिशा अनुकूल नहीं होती तो यह प्रभाव नकारात्मक हो सकता है। यही कारण है कि वास्तु में बैठने, काम करने और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग की दिशा को खास महत्व दिया गया है।

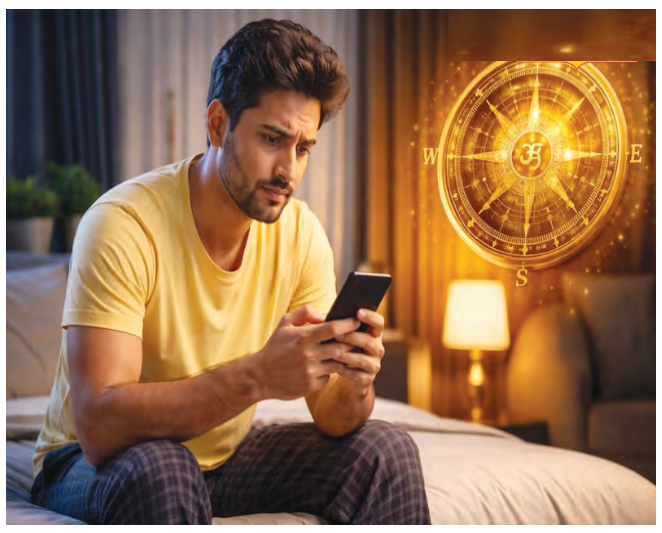

उत्तर पूर्व दिशा को ईशान कोण कहा जाता है और इसे पवित्र माना जाता है। इस दिशा में ध्यान और पूजा करना शुभ होता है। लेकिन वास्तु के अनुसार यहां बैठकर लंबे समय तक मोबाइल चलाना मन को अशांत कर सकता है। इससे एकाग्रता कम होती है और विचारों में भ्रम पैदा होता है। माना जाता है कि इस दिशा में मोबाइल का अधिक उपयोग मानसिक थकान और निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर कर सकता है।

दक्षिण दिशा को यम की दिशा माना जाता है और यह स्थिरता से जुड़ी होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार इस दिशा में बैठकर ज्यादा देर तक मोबाइल चलाने से शुभ कार्यों में बाधा आ सकती है। नौकरी, पढ़ाई या विवाह जैसे महत्वपूर्ण कामों में देरी होने की मान्यता है। इसके अलावा दक्षिण दिशा में मोबाइल का अत्यधिक उपयोग आलस्य और नकारात्मक सोच को भी बढ़ा सकता है।

पश्चिम दिशा कर्म और परिणाम से जुड़ी मानी जाती है। इस दिशा में बैठकर मोबाइल चलाने से व्यक्ति जरूरत से ज्यादा सोचने लगता है। इससे तनाव और बेचैनी बढ़ सकती है। वास्तु के अनुसार पश्चिम दिशा में सीमित समय तक मोबाइल का उपयोग तो ठीक है, लेकिन लंबे समय तक बैठकर सोशल मीडिया या अनावश्यक चीजें देखने से समय की बर्बादी और कार्यों में रुकावट आ सकती है।

पूर्व दिशा को सूर्य की दिशा कहा जाता है और यह सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार पूर्व दिशा में बैठकर मोबाइल चलाना शुभ होता है। इससे एकाग्रता बढ़ती है और नए विचार उत्पन्न होते हैं। पढ़ाई, ऑनलाइन काम या महत्वपूर्ण कॉल के लिए यह दिशा लाभकारी मानी जाती है। पूर्व दिशा में मोबाइल उपयोग करने से मन हल्का और ऊर्जा से भरा रहता है।

उत्तर दिशा को धन और प्रगति की दिशा कहा जाता है। इस दिशा में बैठकर मोबाइल चलाने से सकारात्मक परिणाम मिलने की मान्यता है। वास्तु के अनुसार उत्तर दिशा में मोबाइल का उपयोग करने से फोकस बढ़ता है और काम में सफलता मिलती है। ऑफिस का काम, बिजनेस कॉल या ज्ञानवर्धक जानकारी के लिए यह दिशा उपयुक्त मानी जाती है।

हम सभी में एक ही ब्रह्म समाया हुआ है लेकिन अलग-अलग रूपों में दिखाई देता है

हम सभी में एक ही ब्रह्म समाया हुआ है। भारत की सनातन संस्कृति संदेश देती है कि ब्रह्म एक है, लेकिन अलग-अलग रूपों में दिखाई देता है। हर जीव, हर वस्तु और हर कण में परमात्मा का वास है। ये पूरा संसार उसी एक ब्रह्म का विस्तार है। परमात्मा ने एक से अनेक रूप धारण किए, इसलिए हमें उनके रूपों में भिन्नता दिखाई देती है।

किसी भी काम की अति जीवन में एंग्जायटी लाती है

एक परिवार ऐसा है, जो हमारे जीवन में प्रवेश करने के लिए कुछ दरवाजे ढूंढता है। पहले उन द्वारों की बात करें, जो हमने बना रखे हैं। जैसे अति सफाई, अत्यधिक समयबद्धता, निर्णय में जरूरत से ज्यादा सोच, भरपूर सफलता की आकांक्षा, अमर्यादित आचरण।

यही वो दरवाजे हैं, जहां से उस परिवार का प्रवेश होता है। अब यह परिवार कौन-सा है? बेचैनी, घबराहट, तनाव, चिंता- ये सब मिलकर एक परिवार बनता है। इसे तलाश है कि आप उसे दरवाजा दिखाएं और वो हमारे जीवन में प्रवेश कर जाए।

इस परिवार का एक नाम है- एंग्जायटी। इसलिए हम जिस क्षेत्र में हों, एक चीज तय करके चलें कि अति हर बात की बुरी होती है। जैसा सोचा वैसा परिणाम मिल जाए, ये बहुत बड़ी अति है। परिश्रम में कोई कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन उसकी भी लोग अति कर देते हैं। और यह जो अति है, यह प्रवेश कराती है एंग्जायटी को हमारे जीवन में। फिर इसके इलाज के लिए हम भागते फिरते हैं, जबकि इलाज हमारे पास है- संतुलित जीवन।

क्रिसमस : जब सर्द रातों में जलती है इंसानियत की लौ

सुरेश गांधी

दिसंबर की सर्द हवा जब शहरों और कस्बों की गलियों में ठिठुरन घोलती है, तभी कहीं दूर से चर्च की घंटियों की मधुर ध्वनि सुनाई देती है। यह केवल एक पर्व की आहट नहीं, बल्कि मानवता के जागरण का संकेत है। क्रिसमस हर वर्ष हमें याद दिलाता है कि अंधेरे समय में भी प्रेम, करुणा और आशा की रोशनी बुझती नहीं, बस उसे जलाए रखने का साहस चाहिए। साधारण गौशाला में हुआ। यह तथ्य ही क्रिसमस का सबसे बड़ा दर्शन है, ईश्वर का अवतरण वैभव में नहीं, विनम्रता में। यीशु का जीवन प्रेम, त्याग और सेवा की मिसाल है। उन्होंने कहा "अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।" आज, दो हजार वर्षों बाद भी, यह वाक्य उतना ही प्रासंगिक है जितना तब था। जब दुनिया नफरत की भाषा बोलने लगे, तब क्रिसमस हमें प्रेम की व्याकरण सिखाता है।

आज, जब दुनिया युद्ध, आर्थिक अनिश्चितता, सामाजिक तनाव और वैचारिक विभाजन से जूझ रही है, तब यीशु का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो उठता है, अपने पड़ोसी से प्रेम करो, कमजोर का साथ दो, और क्षमा को जीवन का आधार बनाओ। भारत में क्रिसमस केवल ईसाई समाज का पर्व नहीं रहा। यह अब साझी संस्कृति और सौहार्द का उत्सव है। चर्चों की सजावट के साथ बाजारों की रौनक, प्रार्थनाओं के साथ सेवा-कार्य और सैंटा क्लॉज़ के साथ बच्चों की मुस्कान, सब मिलकर यह बताते हैं कि क्रिसमस हमें जोड़ता है, तोड़ता नहीं। क्रिसमस 2025 ऐसे समय आया है, जब ठिठुरती रातों में इंसानियत की सबसे ज्यादा जरूरत है, और यही इस पर्व का असली संदेश है। मतलब साफ है दिसंबर की ठिठुरती रातें, कोहरे में लिपटी सड़कें, चर्चों से आती घंटियों की मधुर ध्वनि, घरों और बाजारों में सजी रंगीन रोशनियां, क्रिसमस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि मानवता की साझा धड़कन है। यह वह दिन है जब सीमाएं, धर्म, भाषा और राष्ट्र पीछे छूट जाते हैं और आगे आता है प्रेम, क्षमा और करुणा का सार्वभौमिक संदेश।

भारत में क्रिसमस एक धार्मिक पर्व से कहीं आगे बढ़ चुका है। यह अब एक सांस्कृतिक उत्सव है, जिसमें हर धर्म, हर वर्ग और हर समुदाय की भागीदारी दिखाई देती है। काशी से कोच्चि तक, दिल्ली से दीमापुर तक, गोवा और केरल में समुद्र किनारे चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता में ऐतिहासिक गिरिजाघरों में मध्यरात्रि मास, उत्तर प्रदेश, खासकर वाराणसी में चर्चों के साथ-साथ स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं में सामूहिक उत्सव, पूर्वोत्तर भारत में क्रिसमस पूरे एक सप्ताह तक चलने वाला लोकपव, चर्चों में तैयारी और सुरक्षा व्यवस्थाः श्रद्धा के साथ सतर्कता. क्रिसमस केवल धार्मिक या सांस्कृतिक पर्व नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था का उत्सव भी है। क्रिसमस ट्री और सजावटी सामान, केक, प्लम केक, कुकीज, सैंटा क्लॉज़ की पोशाकें, गिफ्ट आइटम और हस्तशिल्प, छोटे दुकानदारों, बेकरी संचालकों और घरेलू उद्यमियों के लिए क्रिसमस कमाई का सुनहरा अवसर बन गया है।

सैंटा क्लॉज़ केवल एक पात्र नहीं, बल्कि बचपन की मुस्कान है। लाल पोशाक, सफेद दाढ़ी और उपहारों से भरी थैली, यह छवि बच्चों के मन में उदारता और दान का भाव भरती है। आज भी अनगिनत स्वयंसेवी संगठन सैंटा बनकर, झुग्गियों में बच्चों को उपहार, अस्पतालों में बीमार बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास कर रहे हैं। गरीबों को कंबल और गर्म कपड़े, सामुदायिक भोज, रक्तदान शिविर, नशा मुक्ति और शिक्षा अभियान, यह साबित करता है कि क्रिसमस का असली अर्थ उपहार लेना नहीं, बल्कि देना है। इस वर्ष क्रिसमस ऐसे समय में है जब, कई देशों में युद्ध जारी हैं, शरणार्थी संकट गहराया है, जलवायु परिवर्तन चिंता बढ़ा रहा है, ऐसे में चर्चों और समुदायों में विश्व शांति के लिए विशेष प्रार्थनाएं की जा रही हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि शांति कोई सपना नहीं, बल्कि साझा जिम्मेदारी है। क्रिसमस तकनीक से भी जुड़ा है, ऑनलाइन प्रार्थनाएं, डिजिटल ग्रीटिंग कार्ड, सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं, वर्चुअल फैमिली गेदरिंग, तकनीक ने दूरी कम की है, लेकिन क्रिसमस हमें याद दिलाता है कि दिलों की दूरी मिटाना सबसे जरूरी है। आज जब समाज में वैचारिक ध्रुवीकरण, धार्मिक असहिष्णुता, सामाजिक तनाव देखने को मिलते हैं, तब क्रिसमस का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह पर्व सिखाता है, अलग-अलग होते हुए भी एक साथ कैसे जिया जाएं, कमजोर के साथ खड़ा कैसे हुआ जाए, क्षमा और संवाद से कैसे पुल बनाया जाए. मतलब साफ है क्रिसमस केवल 25 दिसंबर तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि हम साल भर करुणा रखें, जरूरतमंद को देखें, नफरत की जगह संवाद चुनें तो हर दिन क्रिसमस बन सकता है।

जब चर्च की घंटियां शांत हो जाएं, रोशनियां उतर जाएं और केक खत्म हो जाए, तब भी यदि दिल में प्रेम जीवित है, तो समझिए क्रिसमस सफल है।

निधि अग्रवाल की तरह भीड़ में फंसीं सामंथा प्रभु बेकाबू हुए फैंस ने खींचा साड़ी का पल्लू

हाल ही में साउथ एक्ट्रेस निधि अग्रवाल भीड़ में फंस गई थीं जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. वहीं अब साउथ हसीना सामंथ रुथ प्रभु के साथ भी ऐसा ही वाक्या पेश आया है. एक्ट्रेस हाल ही में हैदराबाद में एक स्टोर लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं. यहां से लौटते समय सामंथा को भीड़ ने घेर लिया जिसके बाद एक्ट्रेस बहुत मुश्किल से अपनी गाड़ी तक पहुंच पाईं.

सामंथा रुथ प्रभु हैदराबाद में एक स्टोर लॉन्च इवेंट में पहुंची थीं. इस दौरान वो सिल्क साड़ी पहने दिखाई दीं. इस इवेंट से एक्ट्रेस की काफी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. उनमें से एक वीडियो में देखा जा सकता है कि सामंथा प्रभु को चारों तरफ से भीड़ ने घेरा हुआ है. एक्ट्रेस जब इवेंट से निकलकर अपनी गाड़ी में बैठने की कोशिश करती हैं, तो भीड़ बेकाबू हो जाती है.

भीड़ ने खींची सामंथा की साड़ी

वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि इस दौरान अफरा-तफरी में भीड़ से सामंथा की साड़ी का पल्लू भी खिंच जाता है. वहीं कई लोग गिर भी जाते हैं. इस बीच सामंथे बहुत शालीनता के साथ खुद को भीड़ से बचाती हैं और किसी तरह अपनी गाड़ी में जाकर बैठ जाती हैं. अब इस वायरल वीडियो को देख फैंस भी रिएक्ट कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा- 'ये फैंस अजीब क्यों होते जा रहे हैं?' दूसरे ने पूछा- 'ये जानवरों की तरह बर्ताव क्यों कर रहे हैं?' एक और शख्स ने लिखा- 'इन लोगों के साथ प्रॉब्लम क्या है?'

सिल्क साड़ी पहन हसीन लगीं सामंथा

इस इवेंट में जाने से पहले सामंथा प्रभु ने अपने लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं. इनमें ब्लैक कलर की सिल्क साड़ी पहने एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत दिख रही थीं. साड़ी को एक्ट्रेस ने स्लीव्लेस ब्लाउज के साथ पेयर किया था. हैवी गोल्डन ईयररिंग्स पहने और माथे पर काली बिंदी लगाए सामंधा बहुत हसीन लग रही थीं.

भीड़ में फंस गई थीं निधि अग्रवाल

बता दें कि इससे पहले प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'द राजा साब' के गाने 'सहाना सहाना' के लॉन्च इवेंट में निधि अग्रवाल भी भीड़ में फंस गई थीं. एक्ट्रेस का भीड़ में बुरा हाल हो गया था. जिसके बाद इस मामले पर कानूनी एक्शन भी लिया गया.

'धुरंधर' की सफलता के बाद नए साल का जश्न मनाने निकले रणवीर सिंह, पत्नी दीपिका का हाथ थामे एयरपोर्ट पर आए नजर

साल के आखिर में बॉलीवुड के सबसे चर्चित और पावर कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। वजह है- रणवीर की फिल्म 'धुरंधर' की जबरदस्त बॉक्स ऑफिस सफलता और उसी बीच कपल का न्यू ईयर वेकेशन के लिए रवाना होना। सोमवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर दोनों को परिवार के साथ देखा गया, जहां से चुपचाप दोनों न्यू ईयर का जश्न मनाने के लिए रवाला हुए।

एयरपोर्ट पर नजर आए रणवीर और दीपिका

एयरपोर्ट पर रणवीर और दीपिका हाथों में हाथ डाले नजर आए। दोनों ने एक-दूसरे को कॉम्प्लिमेंट करता हुआ लुक चुना- डार्क आउटफिट्स, ओवरकोट और सनग्लासेस। रणवीर ने अपने स्टाइल में बीनी कैप जोड़कर इसे कैजुअल टच दिया, वहीं दीपिका ब्लैक ट्राउजर्स और क्लासिक एलिगेंस के साथ बेहद ग्रेसफुल दिखीं। कैमरों के सामने रणवीर की मुस्कान साफ बता रही थी कि 'धुरंधर' की सफलता का असर उनके चेहरे पर झलक रहा है।

रणवीर के परिवार के सदस्य भी आए नजर

थोड़ी देर बाद रणवीर के परिवार के सदस्य- पिता जगजीत सिंह भावनानी, मां अंजू भावनानी और बहन रीतिका भावनानी भी एयरपोर्ट पर नजर आए। सभी ने पैपराजी को मुस्कुराते हुए पोज़ दिए। इस पूरे सीन को देखकर यही कयास लगाए जा रहे हैं कि परिवार 'धुरंधर' की कामयाबी के जश्न और नए साल के स्वागत के लिए छुट्टियों पर निकल पड़ा है।

धुरंधर बनी रणवीर के करियर की सबसे बड़ी हिट

वर्क फ्रंट की बात करें तो आदित्य धर के निर्देशन में बनी 'धुरंधर' रणवीर सिंह के करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शुमार हो चुकी है।

5 दिसंबर को रिलीज हुई यह स्पाई-थ्रिलर भारत में 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है, जबकि वर्ल्डवाइड आंकड़ा 800 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

फिल्म में रणवीर ने एक भारतीय जासूस का किरदार निभाया है, जो पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी नेटवर्क में घुसपैठ करता है। कहानी, स्केल और परफॉर्मेंस- तीनों स्तर पर फिल्म को जबरदस्त सराहना मिली है।

मानहानि मुकदमा पर कुमार सानू की एक्स वाइफ रीता भट्टाचार्य बोलीं- 'हमें हैरेस करना बंद करो'

'31 साल बाद फिर सानू से कोर्ट में मिलूंगी'

बॉलीवुड सिंगर कुमार सानू ने अपनी एक्स वाइफ रीता भट्टाचार्य के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है. वे माफी और अपनी प्रतिष्ठा को हुए कथित नुकसान के लिए 50 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग कर रहे हैं. वहीं अब उनकी एक्स वाइफ रीता ने अपने एक्स पति कुमार सानू द्वारा भेजे गए नोटिस पर पब्लिकली रिएक्शन दिया है. रीता ने पैपराज़ी को दिए इंटरव्यू में आरोप लगाया कि प्रेगनेंसी के दौरान कुमार सानू ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया था.

कुमार सानू के कानूनी नोटिस पर एक्स वाइफ ने दिया रिएक्शन

कुमार सानू की ओर से उनकी एक्स पत्नी के खिलाफ मानहानि की याचिका उनकी वकील सना रईस खान ने दायर की है, जिसमें नुकसान के लिए 30 लाख रुपये के मुआवजे और भट्टाचार्य के इंटरव्यू को विभिन्न मनोरंजन प्लेटफॉर्म से हटाने की मांग की गई है. उन्होंने बताया कि उन्हें मिले नोटिस में बताई गई राशि वास्तविक राशि से कहीं ज्यादा है. ईटाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, ""उसने मुझे जो कागज़ भेजा है, उसमें वह 50 करोड़ रुपये मांग रहे हैं, मुझे समझ नहीं आता कि सानू कैसे सोच सकता है कि मेरे पास इतना पैसा है. यह वाकई दुखद है."

उन्होंने आगे कहा, "मैं शॉक्ड हूं. वह अपने तीन बालिग बेटों की मां के खिलाफ केस दर्ज कर रहा है. वह किसी और पर हमला किए बिना मुझ पर हमला कर रहा है. वह मेरे खिलाफ मामला दर्ज कर रहा है, उन अन्य लोगों के खिलाफ नहीं जो बातें फैला रहे हैं और भड़काऊ बातें कर रहे हैं."

कुमार सानू ने रीता भट्टाचार्य का नंबर किया हुआ है ब्लॉक

रीता ने आरोप लगाया था कि कुमार सानू ने प्रेगनेंसी के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया, उन्हें खाना नहीं हिया, रसोई में बंद कर दिया और मेडिकल केयर से भी नहीं मिली. रीता ने अपनी मैरिड लाइफ मे दुर्व्यवहार का दावा किया था रीता ने अपने इंटरव्यू में बताया. मुझे उनसे बात करने का कभी मौका नहीं मिला. न तो मुझे और न ही मेरे बच्चों को उनसे बात करने का मौका मिला क्योंकि उन्होंने हमेशा हमें ब्लॉक कर दिया. मैंने सानू को फोन करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कभी फोन नहीं उठाया. उन्होंने हमें अपने नंबर पर ब्लॉक कर रखा है.

रीता ने आगे कहा, "मैंने उनके सेक्रेटरी से कॉन्टेक्ट किया और उनसे यह सब रोकने की रिक्वेस्ट की है, यह बहुत बड़ा अपमान है. मेरे बेटे की शादी हो रही थी और ससुराल वाले सवाल पूछ रहे थे. मैंने कई बार गुहार लगाई. मेरे फोन में सारे मैसेज और रिकॉर्डिंग मौजूद हैं. मैं 63 साल की हूं और मुझे फिर से अदालत में लड़ना पड़ रहा है. पहली बार जब वह मुझे अदालत ले गए थे, तब मैं जान के साथ गर्भवती थी., अब फिर से, इस उम्र में, मुझे यह सब झेलना पड़ रहा है. मैं 31 साल बाद अदालत में सानू से मिलूंगी.

रीता ने आगे कहा कि अपने परिवार का बचाव करने के लिए उनके बच्चों को किसी भी तरह से दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए. रीता ने बताया कि यह बहुत अपमानजनक है. उनके बच्चे अब बच्चे नहीं हैं. वे बड़े हो चुके हैं. उनका बड़ा बेटा 37 साल का होगा, दूसरा बेटा 34 साल का, जबकि जान 31 साल का है. रीता ने कहा कि उनके बेटों का लोगों को जवाब देना कोई अपराध नहीं है. उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया.

'हमें हैरेस करना बंद कर दें'

भट्टाचार्य ने यह भी इंडिकेट किया कि वह पलटवार कर सकती हैं. उन्होंने कहा "मैं उनसे अदालत में मिलूंगी, और मैं सानू से हाथ जोड़कर विनती करूंगी – बस एक अच्छा इंसान बनने की कोशिश करें और मेरे तीन बच्चों के पिता बनें. अगर आप हमसे प्यार नहीं कर सकते, तो कम से कम हमें परेशान करना और तंग करना बंद कर दें."

कुमार सानू और रीता भट्टाचार्य का तलाक 2001 में हुआ था

कुमार सानू और रीता भट्टाचार्य का तलाक 2001 में हुआ था. याचिका में कहा गया है कि बांद्रा फैमिली कोर्ट में हुए समझौते में दोनों पक्षों ने भविष्य में एक-दूसरे पर आरोप न लगाने पर सहमति जताई थी. मौजूदा मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि भट्टाचार्य ने सितंबर 2025 में वायरल हुए इंटरव्यू में गायक द्वारा उन्हें भूखा रखने, चिकित्सा सुविधा से वंचित करने और रसोई में बंद करने जैसे आरोप लगाकर उस सहमति का उल्लंघन किया है.

अजय देवगन की 'दृश्यम 3' की हुई घोषणा

अजय देवगन की सुपरहिट सस्पेंस-थ्रिलर 'दृश्यम' के तीसरे पार्ट का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में मोहनलाल ने 'दृश्यम 3' के असली मलयालम वर्जन की शूटिंग शुरू की थी। अब अजय देवगन की 'दृश्यम 3' को लेकर भी जानकारी सामने आ गई है। मेकर्स ने आज अजय देवगन स्टारर 'दृश्यम 3' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

कहानी अभी खत्म नहीं हुई है

मेकर्स की ओर से जारी किए गए इस 1 मिनट 13 सेकंड के वीडियो में अजय देवगन का वॉइस ओवर है। इस वॉइस ओवर में अजय देवगन अपने परिवार की अहमियत के बारे में बताते हैं। साथ ही अब तक की स्टोरी की भी झलक देखने को मिलती है। इस वॉइस ओवर में विजय सलगांवकर का किरदार कहता है कि 'मेरा सच मेरा सही सिर्फ मेरी फैमिली है।' वॉइस ओवर में बताया गया है कि विजय सलगांवकर अपनी फैमिली के लिए अभी भी एक दीवार बनकर खड़ा हुआ है। इस वीडियो के अंत में विजय सलगांवकर कहता है कि 'कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। आखिरी हिस्सा अभी बाकी है।'

2 अक्तूबर 2026 को रिलीज होगी फिल्म

'दृश्यम 3' का निर्देशन का अभिषेक पाठक ने किया है। 2 अक्तूबर 2026 को रिलीज होने वाली इस फिल्म की कास्ट को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, उम्मीद है कि तीसरे पार्ट में कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी, जहां पिछले पार्ट में खत्म हुई थी। ऐसे में अब देखना ये है की फिल्म की कास्ट में कोई बदलाव होता है या नहीं। सबसे ज्यादा निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या अक्षय खन्ना का किरदार इस फिल्म में दिखाई देगा या नहीं।

'दृश्यम' मोहनलाल की इसी नाम से बनी मलयालम फिल्म का हिंदी रीमेक है। हिंदी में इस फिल्म की शुरुआत साल 2015 में हुई थी। 2015 में आई 'दृश्यम' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इसके सात साल बाद 2022 में फिल्म का दूसरा पार्ट 'दृश्यम 2' रिलीज हुआ। इस बार फिल्म में अक्षय खन्ना भी नजर आए। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की और सफल रही। अब 4 साल बाद मेकर्स फिल्म का तीसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं। कुछ दिनों पहले मोहनलाल ने भी 'दृश्यम 3' की शूटिंग शुरू की है। खास बात ये है कि फिल्म की लोकप्रियता को देखते हुए इस बार मलयालम मेकर्स भी फिल्म को हिंदी में रिलीज करने जा रहे हैं। ऐसे में देखना ये होगा कि क्या अजय देवगन की 'दृश्यम 3' की कहानी वही होगी या फिर इसमें कोई बदलाव देखने को मिलेगा।

रिलीज से पहले 'द राजा साब' की हुई दूसरी फिल्मों से तुलना, मेकर्स ने दी सफाई; फैंस से की ये गुजारिश

अभिनेता प्रभास के फैंस अगले महीने सिनेमाघरों में 'द राजा साब' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। जैसे-जैसे इसकी रिलीज करीब आ रही है वैसे-वैसे इसके कारोबार के बारे में भी बातें हो रही हैं। इस वजह से निर्माताओं में से एक, टीजी विश्व प्रसाद को अफवाहों के बारे में एक बयान देना पड़ा है। उन्होंने दर्शकों से एक गुजारिश भी की है।

लोग फिल्म 'द राजा साब' की प्री-रिलीज डील्स और बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के परफॉर्मेंस की तुलना प्रभास की दूसरी फिल्मों से कर रहे हैं। इस बातचीत के जवाब में, टीजी विश्व प्रसाद ने एक्स पर बताया कि उनके हिसाब से कौन सी चीजें किसी फिल्म को सफल बनाती हैं।

सिनेमाघरों का प्रभाव मायने रखता है

टीजी प्रसाद ने एक्स पर बताया है कि हमारी फिल्म के बारे में बात हो रही है। हम अपनी फिल्मों की कमाई के बारे में खुलेआम बात नहीं करते हैं। मेरे और फैंस के लिए जो चीज सच में मायने रखती है वह है सिनेमाघरों में फिल्म का प्रभाव। जब फिल्म रिलीज होगी तो हम इसकी कमाई की जानकारी देंगे।'

तुलना करना बेकार है

उन्होंने आगे कहा कि इस फिल्म की दूसरी फिल्मों से तुलना करना बेकार है। आज बाजार में काफी बदलाव हो रहा है। सिनेमाघर कमाई के बारे में जरूर सही फैसला दे रहे हैं लेकिन हमने जो फिल्म बनाई है वह दर्शकों को ध्यान में रख कर बनाई है। इसका मजा लें। यह हॉरर फैंटेसी फिल्म है जो सिनेमाघरों में धूम मचाएगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

मारुति के निर्देशन में बनी फिल्म 'द राजा साब' में प्रभास एक हॉरर-कॉमेडी रोल में हैं। बताया जाता है कि इसका बजट करीब 400 करोड़ रुपये है। प्रभास के अलावा इसमें निधि अग्रवाल और मालविका मोहनन भी हैं। 'द राजा साब' 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

करण जौहर ने शाहरुख खान को लेकर किया बड़ा खुलासा इस बात से बॉलीवुड के बादशाह को होती है दिक्कत

शाहरुख खान और करण जौहर पक्के दोस्त हैं। दोनों की दोस्ती के कई किस्से भी हैं। अब करण जौहर ने बॉलीवुड के सुपरस्टार और अपने दोस्त शाहरुख खान को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। शाहरुख के बारे में ये बात जानकर अब उनके फैंस भी हैरान हैं। जानिए करण ने शाहरुख के बारे में क्या नया खुलासा किया

जींस की फिटिंग को लेकर शाहरुख को है ओसीडी

हाल ही में एक इवेंट के दौरान करण जौहर ने शाहरुख खान के बारे में बात करते हुए उनसे जुड़ा एक बड़ा खुलासा किया। करण ने बताया कि शाहरुख को जींस को लेकर OCD है। फिल्ममेकर ने कहा कि शाहरुख को जींस की फिटिंग को लेकर OCD है। अगर आप ढीली-ढाली जींस पहनते हैं, तो वो आपको जज कर सकते हैं। वो सोचेंगे कि आप बुरे इंसान हैं। जब भी मैं मन्नत जाता हूं तो शाहरुख मुझे घूरते हैं। वो इतने सनकी हैं। जींस देखकर ही उन्हें समझ आ जाता है। इसलिए जब भी मैं मन्नत जाता हूं, मैं कहता हूं कि मैंने जींस नहीं पहनी है, तो वो मुझे घूरते हैं और पूछते हैं ये जींस कहां से मिली? और मैं समझ जाता हूं।

करण ने शाहरुख को दी थी जींस का ब्रांड बदलने की सलाह

आगे करण जौहर ने ये भी बताया कि ये सब तब शुरू हुआ जब वो शाहरुख से पहली बार 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के सेट पर मिले थे। करण डीडीएलजे में असिस्टेंट डायरेक्टर और शाहरुख के कपड़ों के इंचार्ज थे। उस दौरान शाहरुख को देखकर करण ने सुझाव दिया कि उन्हें अपनी जींस का ब्रांड बदल लेना चाहिए। दूसरा ब्रांड उन पर ज्यादा अच्छा लगता। लेकिन करण जिस ब्रांड के कपड़े शाहरुख को पहनाना चाहते थे वह उस वक्त भारत में आसानी से नहीं मिलते थे। फिर भी करण ने हर संभव कोशिश की। उन्होंने शाहरुख को सारी बातें समझाकर मनाने की कोशिश की, लेकिन शाहरुख ने कहा, 'कौन पागल आ गया है? कहां से आया है? मुझे ये सलाह क्यों दे रहा है?' इसके बाद शाहरुख ने फिल्म के निर्देशक आदित्य चोपड़ा से मदद मांगी, जिन्होंने बताया कि करण ये साउथ बॉम्बे से आया है। इन लोगों को पता होता है। करण का मानना है कि तब से शाहरुख की डेनिम के बारे में राय पक्की हो गई।

शाहरुख और करण ने साथ में दीं कई हिट फिल्में

शाहरुख खान और करण जौहर ने साथ में कई फिल्में बनाई हैं। करण जौहर की बतौर डायरेक्टर पहली फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान ही लीड एक्टर थे। इसके बाद 'कभी खुशी कभी गम', 'कल हो न हो', 'माय नेम इज खान' और 'कभी अलविदा न कहना' जैसी करण जौहर द्वारा निर्देशित फिल्मों में भी शाहरुख खान लीड रोल में नजर आए। जबकि करण जौहर की 'ऐ दिल है मुश्किल' में शाहरुख अतिथि भूमिका में नजर आए थे।

कल्याण पडला ने जीता नागार्जुन का बिग बॉस तेलुगु सीजन 9

रविवार को बिग बॉस तेलुगु सीजन 9 का ग्रैंड फिनाले हुआ, जिसके साथ लगभग चार महीने तक चले ड्रामा, इमोशंस और जबरदस्त मुकाबले का सफर खत्म हो गया. शो में कल्याण पडला ने तनुजा पुट्टास्वामी, डेमन पवन, इमैनुएल और संज्जना गलरानी को मात देकर बिग बॉस तेलुगु की ट्रॉफी अपने नाम की. उन्होंने न सिर्फ शो जीता बल्कि लाखों दर्शकों का दिल भी जीत लिया.

कल्याण पडला बने विनर

नागार्जुन अक्किनेनी के होस्ट किए गए इस सीजन के फिनाले में कल्याण पडला को विजेता ट्रॉफी के साथ 35 लाख रुपये की प्राइज मनी और एक एसयूवी कार दी गई. शुरुआत में प्राइज मनी 50 लाख रुपये तय थी, लेकिन फिनाले से पहले कंटेस्टेंट पवन ने 15 लाख रुपये लेकर शो छोड़ दिया. इसके बाद थनुजा पुट्टास्वामी रनर-अप रहीं, जबकि पवन दूसरे रनर-अप बने.

बिग बॉस तेलुगु 9 का विनर अनाउंस होने के बाद कल्याण पडला पूरे इंटरनेट पर ट्रेंड कर रहे हैं. कल्याण बिग बॉस तेलुगु के इतिहास के 'पहले आम आदमी चैंपियन' बने. विनर की खबरें ऑनलाइन आने के तुरंत बाद फैंस ने कल्याण के इंस्टाग्राम फीड पर बधाई संदेशों की बाढ़ ला दी है.

कौन हैं कल्याण पडला?

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से ताल्लुक रखने वाले कल्याण पडला एक साधारण परिवार में पले-बढ़े. बचपन से ही उनमें फिटनेस, खेल और अनुशासन को लेकर गहरी रुचि रही. यही कारण था कि उन्होंने भारतीय सेना में शामिल होकर देश की सेवा करने का सपना पूरा किया. सेना में बिताया गया समय उनके व्यक्तित्व को मजबूत बना गया, जिसका असर बाद में बिग बॉस के घर में साफ दिखाई दिया.

सेना से बाहर आने के बाद कल्याण ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने का फैसला किया. उन्हें पहली बार पहचान डिजिटल रियलिटी शो बिग बॉस अग्निपरीक्षा से मिली, जहां उनकी सादगी और मजबूत सोच ने दर्शकों को इंप्रेस किया. जनता के सपोर्ट के दम पर उन्हें सीधे बिग बॉस तेलुगु 9 में एंट्री मिली और यहीं से उनका असली सफर शुरू हुआ. आज सोशल मीडिया पर भी कल्याण की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है. इंस्टाग्राम पर वो सोल्जर पवन कल्याण नाम से जाने जाते हैं, जहां उनके लाखों फॉलोअर्स हैं. इसके अलावा वो तेलुगु सुपरस्टार पवन कल्याण के फैन क्लब से भी जुड़े रहे हैं.

यामी गौतम को बॉलीवुड पार्टीज से कर दिया था बैन! ड्रिंक की जगह कर दी थी चाय की डिमांड

धुरंधर के डायरेक्टर आदित्य धर की वाइफ यामी गौतम ने अपनी मेहनत और स्ट्रगल के दम पर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है. बॉलीवुड एक्ट्रेस होने के बाद भी ये हसीना बेहद ही सिंपल जिंदगी जीती है.

यामी गौतम उन एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्हें बॉलीवुड पार्टीज में स्पॉट नहीं किया जाता. उन्हें प्राइवेट रहना और सिर्फ अपने काम पर फोकस करना बेहद पसंद है. हाल ही में यामी ने इस बारे में खुलासा किया कि वो क्यों किसी बॉलीवुड पार्टी में दिखाई नहीं देतीं.

यामी गौतम ने इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें बॉलीवुड पार्टीज अटेंड करना बिल्कुल भी पसंद नहीं है. साथ ही उन्होंने इसके पीछे की वजह का भी खुलासा किया.

यामी गौतम ने अपने इंटरव्यू में बताया कि एक बार उन्हें किसी सीनियर ने बॉलीवुड पार्टी के लिए इनवाइट किया था. उन्होंने एक्ट्रेस को पार्टी में आने के लिए काफी फोर्स भी किया था.

यामी ने उन्हें जवाब में कहा था,' सर, मैं कोशिश करूंगी.' क्योंकि, अगले दिन सुबह शूटिंग करनी थी. लेकिन, उन्होंने कहा कि आना ही पड़ेगा, वरना मैं नाराज हो जाऊंगा.

यामी ने बताया कि उन्हें लगा था कि वो शख्स उनसे मजाक कर रहा होगा. एक्ट्रेस ने कहा कि पिछले 10 सालों में इंडस्ट्री में काफी कुछ बदलाव हुआ है.

यामी ने बताया कि जब उन्होंने इंडस्ट्री ज्वॉइन की थी तो ऐसा था कि पार्टी में जाना पड़ेगा, बाहर निकलना पड़ेगा. सोशलॉइज होना पड़ेगा.

इंटरव्यू में यामी ने बताया कि पहले वो ये सब करती थीं. लेकिन, अब उनकी प्रायॉरिटीज काफी बदल चुकी है. साथ ही एक्ट्रेस ने ये भी खुलासा किया कि उन्हें ड्रिंक करना बिल्कुल पसंद नहीं है.

यामी ने एक किस्से को शेयर करते हुए बताया कि वो एक पार्टी में गई थीं. जहां, उन्हें ड्रिंक ऑफर किया गया. लेकिन, एक्ट्रेस ने पीने से मना कर दिया तो होस्ट ने कहा कि तुम ड्रिंक नहीं करती.

फिर एक्ट्रेस ने उनसे कहा कि वो ड्रिंक नहीं करतीं, बाकी जिन्हें पसंद है वो करें उन्हें कोई दिक्कत नहीं है. कुछ देर बाद यामी को लगा कि फिर उन्हें ड्रिंक ऑफर होगा तो उन्होंने चाय की डिमांड कर दी, जिस पर वहां मौजूद लोगों का अजीब रिएक्शन था. उसके बाद एक्ट्रेस को ना तो किसी पार्टी में बुलाया गया और ना वो किसी पार्टी को अटेंड करने गईं.

सोते समय कहीं आप भी तो नहीं करते हैं ये गलतियां, सोने का सही पोजीशन के लिए टिप्स

एक अच्छी नींद शरीर को रिचार्ज करने के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके सोने का तरीका आपकी सेहत बना या बिगाड़ सकता है? अधिकांश लोग अपनी स्लीपिंग पोजीशन पर ध्यान नहीं देते, जबकि गलत तरीके से सोना न केवल कमर और गर्दन में दर्द पैदा करता है, बल्कि यह हार्ट अटैक जैसी गंभीर स्थितियों का जोखिम भी बढ़ा सकता है।

गलत मुद्रा में सोने से शरीर के आंतरिक अंगों पर अनावश्यक दबाव पड़ता है, जिससे रक्त संचार और पाचन प्रक्रिया बाधित होती है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक महत्वपूर्ण वीडियो साझा करते हुए डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने बताया है कि गलत स्लीपिंग पोश्चर आपकी रीढ़ की हड्डी के अलाइनमेंट को खराब कर सकता है और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। उनके अनुसार, सही पोजीशन का चुनाव करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि पर्याप्त नींद लेना। यदि आप सुबह उठते ही शरीर में जकड़न या भारीपन महसूस करते हैं, तो इसका सीधा संबंध आपके सोने के गलत तरीके से हो सकता है।

दाहिनी ओर और पीठ के बल सोने के नुकसान

डॉक्टर शालिनी के अनुसार, दाहिनी ओर करवट लेकर सोने से पेट पर दबाव बढ़ता है, जिससे 'एसिड रिफ्लक्स' और सीने में जलन की समस्या हो सकती है। वहीं, पीठ के बल सीधा सोने से आपकी कमर का नेचुरल अलाइनमेंट बिगड़ जाता है, जो धीरे-धीरे पुराने पीठ दर्द का कारण बनता है। इसके अलावा, पेट के बल सोना सबसे हानिकारक माना जाता है क्योंकि इससे गर्दन की नसें खिंचती हैं और सांस लेने में भी दिक्कत हो सकती है।

ये है सोने का सही तरीका

सोने का सबसे सही और वैज्ञानिक तरीका बायीं ओर करवट लेकर लेटना है। इस पोजीशन में सोने से गुरुत्वाकर्षण के कारण पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है और अपशिष्ट पदार्थ आसानी से आगे बढ़ते हैं। बायीं ओर सोने से हृदय पर दबाव कम पड़ता है और रक्त का संचार सुचारू रूप से होता है, जिससे हार्ट हेल्थ में सुधार होता है।

तकिया और गद्दे का चुनाव है जरूरी

केवल पोजीशन ही नहीं, बल्कि आपके तकिया और गद्दे की क्वालिटी भी आपकी नींद को प्रभावित करती है। बहुत ज्यादा सख्त या बहुत अधिक मुलायम गद्दा रीढ़ की हड्डी के लिए नुकसानदेह हो सकता है। डॉक्टर शालिनी सलाह देती हैं कि तकिया ऐसा होना चाहिए जो गर्दन और सिर को सही सपोर्ट दे सके। गलत सपोर्ट से 'सर्वाइकल' जैसी समस्याएं जन्म ले सकती हैं, इसलिए आरामदायक और सही ऊंचाई का चुनाव करें।

सही पोजीशन में सोने का महत्व

नींद की गुणवत्ता आपके पूरे दिन की एनर्जी और कार्यक्षमता को तय करती है। डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी द्वारा सुझाए गए इन बदलावों को अपनाकर आप भविष्य में होने वाली कई बीमारियों से बच सकते हैं। आज से ही बायीं ओर सोने की आदत डालें और अपने शरीर को प्राकृतिक रूप से रिकवर होने का मौका दें। ध्यान रखें एक सही स्लीपिंग पोजीशन आपके जीवन के कई साल बढ़ा सकती है और आपको दवाओं के बोझ से मुक्त रख सकती है।

चाय में चीनी या सब्जी में एक चम्मच एक्स्ट्रा तेल? किससे बढ़ता है अधिक वजन

अक्सर वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोग सबसे पहले बिना चीनी की चाय पीना शुरु कर देते हैं। उन्हें लगता है कि चीनी छोड़ देने से उनका वजन तेजी से कम होने लगेगा। लेकिन क्या वास्तव में एक चम्मच चीनी आपके वजन घटाने के सफर में सबसे बड़ी बाधा है? इस विषय पर डॉक्टर मल्हार गणला ने एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। डॉक्टर मल्हार के अनुसार, वजन घटाने के नाम पर चीनी को दुश्मन मानना और खाने में तेल की मात्रा को नजरअंदाज करना एक बड़ी गलती हो सकती है।

चाय की चीनी का कैलोरी का गणित

डॉक्टर मल्हार ने बताया कि एक कप चाय में लगभग 5 ग्राम चीनी होती है, जिससे मात्र 20 कैलोरी मिलती है। यदि कोई व्यक्ति दिन में दो कप चाय पीता है, तो वह केवल 40 कैलोरी ले रहा है। इसकी तुलना में, एक चम्मच तेल में लगभग 100 कैलोरी होती है। यानी चाय की चीनी के मुकाबले तेल पांच गुना अधिक कैलोरी देता है। अक्सर लोग चाय में तो परहेज कर लेते हैं, लेकिन सब्जी में तैरते अतिरिक्त तेल पर ध्यान नहीं देते।

भोजन में छिपा एक्स्ट्रा तेल है असली विलेन

अगर कोई व्यक्ति दिन में तीन बार भोजन करता है और हर बार सब्जी में मात्र एक चम्मच अतिरिक्त तेल शामिल है, तो वह दिन भर में 300 कैलोरी अतिरिक्त प्राप्त कर रहा है। यह चाय की चीनी से मिलने वाली 40 कैलोरी के मुकाबले कहीं अधिक है। डॉक्टर मल्हार का तर्क है कि वजन घटाने के लिए उन चीजों को डाइट से हटाएं जिनसे भारी मात्रा में कैलोरी मिलती है, न कि मामूली कैलोरी वाली चीजों को।

कैलोरी मैनेजमेंट का सही तरीका

वजन कम करने का सीधा सिद्धांत 'कैलोरी इन' और 'कैलोरी आउट' का संतुलन है। डॉक्टर मल्हार के अनुसार चाय की चीनी से आप इतनी कम कैलोरी लेते हैं कि उसे पूरी तरह बंद करने की जरूरत नहीं है, अगर आप उसे संतुलित मात्रा में ले रहे हैं। असली कटौती भोजन पकाते समय इस्तेमाल होने वाले तेल, मक्खन और घी में होनी चाहिए, क्योंकि इनमें ऊर्जा का घनत्व सबसे अधिक होता है।

छोटी नहीं, बड़ी कटौती करें

डॉक्टर मल्हार गणला का सुझाव है कि अगर आप वजन कम करने के लिए गंभीर हैं, तो तेल और फैट वाली चीजों पर नियंत्रण रखें। चाय में थोड़ी चीनी स्वाद के लिए ली जा सकती है, बशर्ते आप अपने भोजन को कम तेल में बना रहे हों। सही जानकारी और सही चुनाव ही आपको स्थायी रूप से फिट रख सकते हैं। अपनी डाइट में बड़े बदलाव करने से पहले हमेशा पोषक तत्वों की सही मात्रा और उनकी कैलोरी वैल्यू को जरूर समझें।

भारतीय महिलाओं में तेजी से बढ़ रहा ये खतरनाक कैंसर, कहीं आप भी न हो जाएं शिकार?

कैंसर वैश्विक स्तर पर बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनती है। भारत में भी कैंसर के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। साल 2024 में भारत में कैंसर के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई। अनुमान के मुताबिक इस साल लगभग 1.53 मिलियन (15 लाख से अधिक) नए मामले सामने आए। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगर कैंसर के बढ़ने की गति ऐसे ही जारी रहती है तो साल 2050 तक इस जानलेवा बीमारी का बोझ काफी अधिक हो सकता है।

अध्ययनों में बदलती जीवनशैली, पर्यावरणीय बदलाव और खानपान की आदतों को कैंसर का खतरा बढ़ाने वाला पाया गया है। पहले जहां कैंसर अधिकतर बुजुर्गों में देखा जाता था, वहीं अब युवा और मध्यम आयु वर्ग के लोग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में सवाल ये है किभारत में किन कैंसर के मामले सबसे अधिक रिपोर्ट किए जा रहे हैं?

भारतीय महिलाओं में बढ़ता ब्रेस्ट कैंसर का खतरा

आईसीएमआर ने एक हालिया अध्ययन में इस बात की पुष्टि की है कि ब्रेस्ट कैंसर भारत में महिलाओं को होने वाले तीन प्रमुख कैंसर में से एक है। टीम ने कैंसर को लेकर किए गए 31 अध्ययनों की समीक्षा की जिसमें 27,925 प्रतिभागी शामिल थे। इनमें से 45 प्रतिशत को ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था।

अध्ययन में पाया गया कि प्रजनन का समय, हार्मोनल एक्सपोजर, पेट पर बढ़ती चर्बी और कैंसर की फैमिली हिस्ट्री जैसे कारक मुख्य रूप से भारतीय महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के जोखिमों को बढ़ाते जा रहे हैं, जिसको लेकर विशेष सावधानी और बचाव की आवश्यकता है। आईसीएमआर के अध्ययन में क्या पता चला?

आईसीएमआर के नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इन्फॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च, बेंगलुरु के शोधकर्ताओं ने लिखा, ₹जिन महिलाओं को देर से मेनोपॉज होता है (50 साल से अधिक उम्र में), 30 की उम्र के बाद पहली प्रेग्नेंसी, शादी के समय अधिक उम्र होना, कई बार अबॉर्शन और पेट पर चर्बी अधिक होना (कमर और कूल्हे का अनुपात 85 सेंटीमीटर से ज्यादा) होता है, उनमें भविष्य में कैंसर होने का खतरा अधिक होता है।

विशेषज्ञों की टीम ने पाया कि 50 से ज्यादा उम्र की महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका तीन गुना अधिक थी, जबकि 35-50 साल की उम्र की महिलाओं में यह खतरा 1.63 प्रतिशत अधिक देखा गया।

बेली फैट और मोटापा बड़ा खतरा

शोधकर्ताओं ने कहा, भारतीय लोगों में बेली फैट की समस्या का प्रतिशत अधिक है। यह उन कारणों में से एक है जिसकी वजह से भारत में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा तेजी से बढ़ा है। मोटापा और बेली फैट तो खतरनाक है ही, इसके साथ-साथ लो बीएमआई को भी कैंसर के संभावित खतरे के पीछ की वजह पाया गया है। मसलन अगर आपको कैंसर से बचे रहना है कि शरीर के वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है साथ ही इस बात पर भी ध्यान देने चाहिए कि आपके पेट पर चर्बी न बनने पाए।

महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर भी चिंता का विषय है। यह कैंसर मुख्य रूप से एचपीवी संक्रमण और नियमित जांच की कमी से जुड़ा हुआ है। समय पर स्क्रीनिंग और टीकाकरण से इसे काफी हद तक रोका जा सकता है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण इसके कई मामले देर से सामने आते हैं।

कैंसर से बचे रहने के लिए क्या करें?

अध्ययनकर्ताओं ने कहा, चूंकि कम उम्र के लोग भी कैंसर की चपेट में आ रहे हैं, 20 से कम उम्र की लड़कियों में भी जोखिम देखे जा रहे हैं इसलिए जरूरी है कि कैंसर से बचाव को लेकर विशेष सावधानी बरती जाए। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार, ब्रेस्ट कैंसर से बचे रहने के लिए जल्दी गर्भधारण प्लान करना, शराब-धूम्रपान से बचाव, वजन कंट्रोल रखना, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना और बच्चे के जन्म के बाद कई महीनों तक ब्रेस्टफीडिंग कराना जरूरी है। प्रदूषण से बचाव, प्लास्टिक का कम संपर्क और फैमिली हिस्ट्री का ध्यान में रखते हुए जांच कराते रहना भी कैंसर के खतरे को कम करने में मददगार हो सकते हैं।

सर्दियों में चोक हो गया है गला, खाने-पीने में भी हो रही है दिक्कत? बड़े काम के हैं ये देसी उपाय

सर्दी-खांसी और गले में खराश की समस्या काफी सामान्य है, मौसम में बदलाव या फिर एलर्जी की स्थिति में इस तरह का जोखिम काफी बढ़ जाता है। गले में होने वाली इस तरह की दिक्कतों के चलते कुछ भी खाने-पीने और यहां तक कि बोलने में भी दिक्कत होने लगती है। ज्यादातर मामलों में गले में खराश की दिक्कत को बैक्टीरियल संक्रमण के कारण होने वाली समस्या के तौर पर जाना जाता है, ऐसे में एंटीबायोटिक्स लेकर इसे ठीक किया जा सकता है। पर हर छोटी-छोटी परेशानी के लिए दवाई खाना ठीक नहीं है। कुछ आसान से घरेलू और आयुर्वेदिक चिकित्सा के उपायों की मदद से भी इसमें लाभ पाया जा सकता है।

आयुर्वेद चिकित्सा में कई ऐसी प्रभावी औषधियों का जिक्र मिलता है जिनको प्रयोग में लाकर सर्दी-खांसी और गले में खराश से जल्द

आराम पाया जा सकता है। आइए जानते हैं कि इसके लिए किन उपायों को प्रयोग में लाना असरदार होता है?

हल्दी-नमक के गरारे

गले के संक्रमण और दर्द को कम करने के लिए हल्दी-नमक के पानी से गरारे करने को भी आयुर्वेद में फायदेमंद पाया गया है। इसके लिए 250 मिली पानी में 1 टेबल स्पून हल्दी और आधा टेबल स्पून नमक डालकर 5 मिनट तक उबालें। इस पानी से गरारे करने से गले की समस्याओं को कम करने में लाभ मिलता है। हल्दी एंटी-इंफ्लामेटरी होती है जो सूजन कम करके दर्द से राहत दिलाने में काफी मददगार है।

शहद से मिलता है आराम

शहद का सेवन करना सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। अगर आपको गले में खराश की समस्या है तो शहद में काली मिर्च मिलाकर इसका सेवन कर सकते हैं। इससे गले की खराश में आराम मिलता है। वायरल इंफेक्शन से बचाने और इंफ्लामेशन की समस्या को कम करने में शहद का सेवन करके आराम पाया जा सकता है। शहद को आयुर्वेदिक चिकित्सा में कई प्रकार से लाभकारी पाया गया है।

तुलसी का काढ़ा पिएं

तुलसी का काढ़ा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ गले के संक्रमण को ठीक करने का प्रभावी उपचार हो सकती है। गले की खराश और दर्द को ठीक करने में इससे विशेष लाभ पाया जा सकता है। आयुर्वेद में तुलसी को बहुत ही गुणकारी बताया गया है। इसका काढ़ा बनाने के लिए एक कप पानी में 4 से 5 काली मिर्च और 5-6 तुलसी के पत्ते डालकर उबालें। इस पानी को छान कर सेवन करें। गले की खराश और सर्दी जुकाम में इससे लाभ मिलता है।

सर्दियों में ब्लड शुगर क्यों बढ़ने लगता है? क्या है इसके पीछे की वजह

सर्दियों का मौसम डायबिटीज के मरीजों के लिए अक्सर एक बड़ी चुनौती लेकर आता है, क्योंकि इस दौरान उनका ब्लड शुगर लेवल अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगता है। यह केवल खानपान की आदतों के कारण नहीं होता, बल्कि इसके पीछे कई जटिल शारीरिक और जीवनशैली से जुड़े कारण होते हैं। पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण है शारीरिक गतिविधि में कमी। ठंडे मौसम के कारण लोग घर के अंदर अधिक समय बिताते हैं और उनकी रोजाना की कसरत कम हो जाती है।

जब शरीर निष्क्रिय होता है, तो मांसपेशियां रक्त से ग्लूकोज को अवशोषित नहीं कर पाती, जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। दूसरा प्रमुख कारण है ठंड के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया। शरीर खुद को गर्म रखने के लिए तनाव हार्मोन जैसे कोर्टिसोल और एड्रेनालिन का उत्पादन बढ़ाता है। ये हार्मोन ग्लूकोज के उत्पादन को उत्तेजित करते हैं, जिससे इंसुलिन की संवेदनशीलता कम हो जाती है और शुगर लेवल बढ़ जाता है। इन शारीरिक और व्यवहारिक बदलावों को समझना सर्दियों में डायबिटीज को नियंत्रित करने की पहली कुंजी है।

आहार और कार्बोहाइड्रेट का सेवन

सर्दियों में अक्सर लोग गरमागरम और आरामदायक खाद्य पदार्थ जैसे पकौड़े, मीठी चाय, गाजर का हलवा या अन्य हाई कार्बोहाइड्रेट और फैटी भोजन का सेवन अधिक करते हैं। ये खाद्य पदार्थ तेजी से पचते हैं और ब्लड शुगर लेवल में अचानक उछाल लाते हैं। इसके विपरीत गर्मियों में हल्के फल और सलाद का सेवन अधिक होता है। इस मौसमी आहार परिवर्तन से ब्लड शुगर को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है।

डिहाइड्रेशन और रक्त का गाढ़ापन

सर्दियों में प्यास कम लगती है, जिससे लोग अक्सर पानी कम पीते हैं और शरीर में डिहाइड्रेशन होने लगता है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो खून अधिक गाढ़ा हो जाता है। इसकी वजह से खून में ग्लूकोज की सांद्रता बढ़ जाती है, जिससे शुगर लेवल बढ़ा हुआ दिखाई देता है। पर्याप्त पानी पीना इस समस्या से बचने का एक सरल तरीका है।

इंसुलिन संवेदनशीलता में बदलाव

ठंड के कारण शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव जैसे कोर्टिसोल का बढ़ने के कारण कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील हो जाती हैं। इसका मतलब है कि शरीर में इंसुलिन मौजूद होने के बावजूद, यह ग्लूकोज को कोशिकाओं में प्रभावी ढंग से प्रवेश नहीं करा पाता। इस इंसुलिन प्रतिरोध के कारण भी शुगर का लेवल उपर चला जाता है।

मौसमी संक्रमण

ठंड के मौसम में जुकाम, फ्लू और अन्य वायरल संक्रमण आम हो जाते हैं। जब शरीर किसी संक्रमण से लड़ रहा होता है, तो तनाव हार्मोन और साइटोकिन्स का स्राव बढ़ जाता है। ये दोनों चीजें शुगर लेवल को बढ़ा देती हैं।

बचाव के उपाय

सर्दियों में बढ़ते ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने के लिए आपको कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है। सबसे पहले शारीरिक गतिविधि को न छोड़ें। ठंड होने पर भी घर के अंदर योगा, ट्रेडमिल या हल्की-फुल्की वॉक जरूर

पीठ दर्द का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न. मेरी उम्र ४७ वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

– कमलनयन वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया, कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10–10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मैं २८ वर्षीय विवाहिता हूं। पिछले 6 माह से मेरे दोनों स्तनों और बगल में भारीपन और दर्द रहता है स्तनों में गांठ तो नहीं है पर हिलने -डुलने पर दर्द बढ़ जाता है। यह अक्सर मासिक धर्म से ७ से १० दिन पहले शुरु होता है और मासिक धर्म के साथ ही खत्म हो जाता है। कृपया इसका उपचार बताएं।

- श्रीमती स्मिता राव, वारंगल

उत्तर : प्रत्येक माह मासिक चक्र के दिनों में स्त्री के शरीर में हार्मोन्स के स्तर पर परिवर्तन आता है। जिसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है। स्तन भी इससे अछूते नहीं रहते। यह परिवर्तन सभी स्त्रियों में होता है। लेकिन अधिक संवेदनशील स्त्रियां इसे सहन नहीं कर पाती।

मासिक धर्म के दौरान हार्मोन्स के बदलाव को सहन करने लायक बनाने के लिए आप औरा फेमीब्लेज़ सिरप 15 मिली की मात्रा में भोजन के बाद लिया करें। मासिक चक्र की अनियमितता एवं उस के दौरान होने वाली पिडाओ को कम करने आप ऊंझा सुंदरी संगिनी सिरप का प्रयोग कर सकती है। इसके संग यदि ऊंझा ताप्ययादि लौह टिकिया एवं मेनोवास लेना तो प्रभावी परिणाम देता है। जब स्तन में अधिक भारीपन हो तब आप रात के समय ज्यादा

कसी हुई ब्रा का प्रयोग न करें या ब्रा ही ना पहने। दर्द ज्यादा रहने पर ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु का प्रयोग करें।

भोजन में ताजे मौसमी फल एवं सब्जियाँ लेवे। नमकीन, मिठाईयां, अचार, चटनी, बासी भोजन, फास्ट फूड, जंक फूड, होटल या दावत का भोजन न खाएं। भरपूर नींद लेवें।

प्रश्न : मेरी उम्र 37 वर्ष है। भौहों के ऊपर वाले हिस्से में दर्द होता है और नाक में थक्के जम जाते हैं। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- मोहम्मद अल्ताफ, हैदराबाद

उत्तरः आपको पीनस रोग हो गया है। इसे ही साइनोसाइटिस के नाम से जाना जाता है। इस रोग की प्रारंभिक अवस्था में सिर में भारीपन, भूख कम हो जाना, नाक से स्राव, स्वर भेद (आवाज बदल जाना) भौंहों के ऊपर तेज दर्द आदि लक्षण दिखाई पड़ते हैं। बाद में नासिका में स्राव गाढ़ा होकर नाक में थक्के जमने लगते हैं। नासा - विवर में कफ जमने लगता है। इसमें संक्रमण होने से गंध और स्वाद का ज्ञान होना बंद हो जाता है।

घरेलू उपचार में पांच ग्राम घी में भुनी अदरक दिन में दो बार देवे। पांच ग्राम अदरक को 250 ग्राम दूध में उबाल ने और इसे नथुनों में डाले। औषधि में ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस एक से दो गोली पीसकर मधु से या फिर चित्रक हरितकी अवलेह में मिलाकर सेवन कराएं। ऊंझा तालीसादी चूर्ण या तालीस्यूल का सेवन भी पीनस में एक हितकारी औषध सिद्ध हुई है। नाक में षडबिंदु तेल डालने से बहुत आराम मिलता है। भौहों के ऊपर का दर्द और पिनस से उत्पन्न शिरशूल कम होने लगता है।

लघु आहार, गरम पानी, पुराने चावल, कुलथी शिग्रु याने सहिजन की फली, मूली, लहसुन, त्रिकटु हितकारी है। अभिष्यंदीकारक जैसे दही व गुरु द्रव्य, असात्म्य भोजन, स्नान, अधारणीय वेगों का धारण, दिन में सोना, जमीन पर सोना, क्रोध करना आदि का परित्याग करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा
email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

फरवरी से बदल जाएगा महंगाई-जीडीपी मापने का तरीका

सरकार नई सीरीज जारी करेगी, अभी 14 साल पुराने आंकड़ों के आधार पर कैलकुलेट होती है

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार देश की इकोनॉमी को मापने के पैमानों में बड़ा बदलाव करने जा रही है। फरवरी 2026 से रिटेल महंगाई और देश की विकास दर यानी जीडीपी के आंकड़े नई सीरीज (नए बेस ईयर) के साथ जारी किए जाएंगे। वहीं मई 2026 से इंडसट्रियल प्रोडक्शन यानी आईआईपी के आंकड़े भी नई सीरीज में जारी होंगे। जीडीपी और आईआईपी के लिए नया आधार वर्ष 2022-23 होगा। वहीं रिटेल महंगाई के लिए बेस ईयर 2024 होगा। मिनिस्ट्री ऑफ स्टेटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इंप्लिमेंटेशन ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। अभी जीडीपी और रिटेल महंगाई के आंकड़े पुराने आधार वर्ष 2011-12 के हिसाब से कैलकुलेट किए जाते हैं। जबकि दुनिया के कई देशों में ये हर 5 साल में अपडेट होता है। बेस ईयर में इस बदलाव का मुख्य मकसद डेटा को मौजूदा दौर की जरूरतों और खपत के हिसाब से ज्यादा सटीक बनाना है।

नए बेस ईयर से क्या बदलेगा ?

फिलहाल देश में महंगाई और जीडीपी के कैलकुलेशन के लिए पुराना बेस ईयर (आधार वर्ष) इस्तेमाल किया जा रहा है। लंबे समय से एक्सपर्ट्स यह मांग कर रहे थे कि आधार वर्ष को अपडेट किया जाए।क्योंकि पिछले एक दशक में लोगों के खर्च करने के तरीके और सामानों की प्राथमिकता बदल गई है। नई सीरीज आने से सरकारी डेटा देश की आर्थिक स्थिति की ज्यादा वास्तविक तस्वीर पेश कर पाएगा।

खाने-पीने की चीजों का वेटेज कम होगा

अभी रिटेल महंगाई के कैलकुलेशन में फूड आइटम्स यानी खाद्य पदार्थों का हिस्सा काफी ज्यादा है। मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, नई सीरीज में खाने-पीने की चीजों के 'वेटेज' को कम किया जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जैसे-जैसे लोगों की कमाई बढ़ती है, वे खाने के बजाय दूसरी सुविधाओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और मनोरंजन पर ज्यादा खर्च करने लगते हैं। नई सीरीज में इन आधुनिक जरूरतों को ज्यादा महत्व दिया जाएगा।

आईआईपी डेटा मई से नई सीरीज में आएगा

इंडसट्रियल प्रोडक्शन , जो देश के मैन्युफैक्चरिंग और माइनिंग सेक्टर की रफ्तार बताता है। उसे मई 2026 से नई सीरीज में शिफ्ट किया जाएगा। इसमें उन नए प्रोडक्ट्स को शामिल किया जाएगा, जिनका उत्पादन हाल के वर्षों में शुरू हुआ है। जबकि उन पुराने सामानों को लिस्ट से हटाया जा सकता है, जिनकी अब बाजार में मांग नहीं रही।

क्यों जरूरी था यह बदलाव ?

सांख्यिकी मंत्रालय के सचिव सौरभ गर्ग ने पहले भी संकेत दिए थे कि डेटा में सुधार की प्रोसेस चल रही है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ऐसे में पुराने मानकों पर डेटा जारी करने से कई बार पॉलिसी बनाने में दिक्कत आती है। नया बेस ईयर आने से रिजर्व बैंक को भी ब्याज दरों पर फैसला लेने में आसानी होगी। क्योंकि उनके पास महंगाई का ज्यादा सटीक डेटा होगा।सीधे तौर पर इसका आम आदमी की जेब पर असर नहीं पड़ता, लेकिन सरकार की योजनाएं इसी डेटा पर आधारित होती हैं। अगर महंगाई का डेटा सही होगा, तो सरकार कीमतों को कंट्रोल करने के लिए बेहतर कदम उठा पाएगी। साथ ही जीडीपी के सटीक आंकड़ों से विदेशी निवेशकों का भरोसा भी भारत की अर्थव्यवस्था पर बढ़ता है।बेस ईयर वो साल होता है जिसकी कीमतों को आधार (बेस) माना जाता है। यानी, उसी साल की चीजों की औसत कीमत को 100 का मान देते हैं।

फिर, दूसरे सालों की कीमतों की तुलना इसी बेस ईयर से की जाती है। इससे पता चलता है कि महंगाई कितनी बढ़ी या घटी है।उदाहरणः मान लीजिए 2020 बेस ईयर है। उस साल एक किलो टमाटर 50 का था। अब 2025 में वो 80 का हो गया। तो महंगाई = (80 - 50) / 50 × 100 = 60% बढ़ी। यही फॉर्मूला सीपीआई में यूज होता है, लेकिन ये पूरे बाजार की चीजों पर लागू होता है।सरकार आमतौर पर हर 5-10 साल में नया बेस ईयर चुनती है।

5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए नॉलेज पावरफुल टूल : नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए नॉलेज यानी ज्ञान सबसे पावरफुल टूल है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी देश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि उसके पास किस तरह की भविष्य की तकनीकें हैं। उन्होंने कहा, ' आईआईटी और इसके छात्र देश के विकास और प्रगति में बहुत बड़ा योगदान देते हैं। सरकार में काम करते हुए अगर हमें कोई चुनौती आती है, तो हम सबसे पहले आईआईटी से संपर्क करते हैं। आईआईटी की विश्वसनीयता इतनी अच्छी है कि हमें जो समाधान मिलता है, वह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। संक्षेप में, आप ज्ञान की राजधानी हैं।'

इन चीजों को बताया महत्वपूर्ण

नितिन गडकरी ने कहा कि देश की प्रगति, संसाधन, तकनीकें महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण भविष्य की तकनीक और ज्ञान है। किसी भी देश का भविष्य इस बात पर आधारित है कि उसके पास किस तरह की भविष्य की तकनीकें हैं। उन्होंने कहा, 'अगर हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं, तो ज्ञान सबसे शक्तिशाली उपकरण होगा।'

ज्ञान की बताई परिभाषा

गडकरी ने समझाया कि उद्यमिता, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, कौशल और सर्वोत्तम प्रथाओं को सामूहिक रूप से ज्ञान कहा जाता है। नितिन गडकरी का मानना है कि इस ज्ञान को इस्तेमाल करके ही हम धन कमा सकते हैं और देश को आगे बढ़ा सकते हैं।

तेजी से बढ़ रही देश की अर्थव्यवस्था

भारत की अर्थव्यवस्था इस समय तेजी से बढ़ रही है। इसने दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की रियल जीडीपी 8.2% की दर से बढ़ी है। यह पिछले साल की इसी तिमाही (क्यू 2 एफवाई 2024-25) के 5.6% के मुकाबले एक बड़ी छलांग है। इस वृद्धि के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था इस चालू वित्त वर्ष के दौरान 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर जाएगी।

फरवरी में रिजर्व बैंक कर सकता है रेपो रेट में 25 बेसिस प्वांइट की कटौती

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक फरवरी में होने वाली अपनी मौद्रिक नीति बैठक में रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट्स की कटौती कर सकता है। इससे बेंचमार्क रेट घटकर 5% हो जाएगा। यह जानकारी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में सामने आई है। रिजर्व बैंक की अगली मौद्रिक नीति समिति की बैठक 4, 5 और 6 फरवरी 2026 को निर्धारित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय बैंक के नरम रुख को देखते हुए फरवरी या अप्रैल 2026 में 25 बीपीएस की एक और दर कटौती की गुंजाइश है। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि आरबीआई ने महंगाई के स्थिर रहने और कीमतों पर दबाव कम होने का कई बार जिक्र किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर सोने की वजह से लगभग 50 बीपीएस महंगाई के असर को हटा दिया जाए, तो महंगाई का दबाव और भी कम दिखाई देता है।

क्या कहा गया है रिपोर्ट में ?

रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमें फरवरी या अप्रैल 2026 में 25 बीपीएस की अंतिम दर कटौती की गुंजाइश दिखती है। केंद्रीय बैंक के नरम नीतिगत रुख को देखते हुए हम फरवरी 2026 की बैठक में 5% रेपो रेट तक अंतिम 25 बीपीएस दर कटौती की संभावना को खारिज नहीं कर सकते, भले ही अंतिम दर कटौती का समय बताना मुश्किल होता है।' हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अंतिम दर कटौती का समय अभी अनिश्चित है। एक महत्वपूर्ण कारक फरवरी 2026 में आने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और सकल घरेलू उत्पाद के आधार वर्षों का संशोधन है। इस संदर्भ में मौद्रिक नीति समिति संशोधित डेटा उपलब्ध होने के बाद महंगाई और विकास के रुझानों का फिर से आकलन करने के लिए 'प्रतीक्षा करो और देखो' की रणनीति अपना सकती है।

इसी महीने घटाई थी दर

रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरुआत में ही रेपो रेट में कटौती की थी। दिसंबर की मौद्रिक नीति बैठक में एमपीसी ने नीतिगत रेपो रेट में 25 बीपीएस की कटौती की घोषणा की थी, जिससे यह 5.25% हो गया था।

यह निर्णय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 3 से 5 दिसंबर तक हुई तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद बताया था।

क्या होगा लोगों को फायदा ?

ब्याज दरों में कटौती से लोन सस्ता हो जाता है। लोगों को कम ब्याज दरों पर होम लोन और दूसरे लोन मिलते हैं।

सोना-चांदी ऑल टाइम हाई पर : सोना 2,191 बढ़कर 1.34 लाख का 10 ग्राम हुआ

चांदी 7,660 महंगी होकर 2 .08 लाख किलो पर पहुंची

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 22 दिसंबर को ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार सोना 2,191 रुपए बढ़कर 1,33,970 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। इससे पहले ये 1,31,779 रुपए पर था। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत 7,660 रुपए बढ़कर 2,07,727 रुपए पर पहुंच गई हैं। इससे इससे पहले ये 2,00,067 रुपए पर थी। इस साल अब तक सोना 57,808 रुपए और चांदी 1,21,710 रुपए महंगी हो चुकी है।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं ?

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 57,808 और चांदी 1,21,710 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 57,808 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,33,970 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,21,710 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 2,07,727 रुपए प्रति किलो हो गई है।

क्या इससे देश की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी ?

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के बीच सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमयूए 22 दिसंबर 2025 को साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, एमओयू पर डीआरडीओ की ओर से विशिष्ट वैज्ञानिक व महानिदेशक (उत्पादन समन्वय और सेवा अंतः क्रिया) चंद्रिका कौशिक और आरआरयू की ओर से कुलपति बिमल एन पटेल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर रक्षा अनुसंधान व विकास विभाग के

सचिव व डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत भी मौजूद रहे।

एमओयू का उद्देश्य क्या है ?

इस एमओयू का उद्देश्य रक्षा और आंतरिक सुरक्षा से जुड़े अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देना है। यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय विजन और 'अमृत काल' के दौरान 'समग्र राष्ट्रव्यापी' दृष्टिकोण के अनुरूप भारत की रक्षा एवं आंतरिक सुरक्षा तकनीकों में आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी। मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता तकनीक, ज्ञान और संचालन संबंधी अनुभव के एकीकरण के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा तैयारियों को सुदृढ़ करने और आंतरिक सुरक्षा में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूती देने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आरआरयू, जो गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय महत्व का संस्थान और यूजीसी द्वारा नामित रक्षा अध्ययन का नोडल केंद्र है, आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में अकादमिक, प्रशिक्षण और नीति विशेषज्ञता प्रदान करेगा। वहीं डीआरडीओ, देश की अग्रणी रक्षा अनुसंधान संस्था, सशस्त्र बलों और सुरक्षा एजेंसियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी अत्याधुनिक तकनीकों और सिस्टम-स्तरीय विशेषज्ञता का योगदान देगा। एमओयू के तहत दोनों संस्थान संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, पीएचडी व फेलोशिप कार्यक्रमों तथा सुरक्षा बलों के लिए विशेष प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर सहयोग करेंगे। इसके साथ ही उभरती परिचालन चुनौतियों पर अध्ययन, तकनीकी अंतराल विश्लेषण, भविष्य की आवश्यकताओं का पूर्वानुमान और गृह मंत्रालय के अधीन केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों व अन्य एजेंसियों में शामिल डीआरडीओ-विकसित प्रणालियों के जीवन-चक्र प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी साझा प्रयास किए जाएंगे।

शेयर बाजार में बढ़त के साथ क्लोजिंग

सेंसेक्स 638 अंक चढ़ा, निफ्टी 26100 के पार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेशी निधि प्रवाह और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति में और ढील की उम्मीदों पर वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच निवेशकों का सकारात्मक रहा। इसके कारण बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले सत्र की तेजी को बरकरार रखते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 638.12 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 85,567.48 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, इसमें 671.97 अंक या 0.79 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 85,601.33 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 206 अंक या 0.79 प्रतिशत चढ़कर 26,000 के अंक से ऊपर 26,172.40 पर बंद हुआ।सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान से मिल रहे समर्थन के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने से रुपया शुरुआती बढ़त गंवा बैठा और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 3 पैसे गिरकर 89.70 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से ट्रेंट, इंफोसिस, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और मारुति सबसे बड़े लाभ कमाने वालों में शामिल थीं। वहीं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और टाइटन इस मामले में पिछड़ गए।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 2 प्रतिशत से अधिक उछला, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक भी लगभग 2 प्रतिशत बढ़ा।

शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी सकारात्मक दायरे में रहे। यूरोपीय बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा कि मजबूत तरलता और वैश्विक संकेतों के समर्थन से भारतीय बाजारों ने साल के अंत की तेजी को जारी रखा, क्योंकि 2026 में फेड द्वारा और अधिक राहत उपायों की उम्मीदें विकास को बढ़ावा दे रही हैं। विदेशी निवेशक शुद्ध खरीदारी में जुट गए, जिससे सकारात्मक माहौल और मजबूत हुआ, जिसमें आईटी और धातु क्षेत्र ने बढ़त का नेतृत्व किया।ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि यूएसडी-आईएनआर विनिमय दर में स्थिरता आने के साथ-साथ पिछले कुछ सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा घरेलू इक्विटी के शुद्ध खरीदार बनने के आंकड़ों ने डेरिवेटिव सेगमेंट में व्यापक खरीदारी और शॉर्ट कवरिंग को बढ़ावा दिया।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति में और ढील की उम्मीदों से समर्थित वैश्विक जोखिम लेने की प्रवृत्ति भी मजबूत बनी रही, जिसने वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने की गति को बनाए रखने में मदद की।वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.86 प्रतिशत बढ़कर 60.99 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया।

बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,830.89 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी पिछले कारोबार में 5,722.89 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

शुक्रवार को सेंसेक्स 447.55 अंक या 0.53 प्रतिशत बढ़कर 84,929.36 पर बंद हुआ। निफ्टी 150.85 अंक या 0.58 प्रतिशत चढ़कर 25,966.40 पर पहुंच गया।

मोटरगाड़ियों के सेमीकंडक्टर चिप बनाने के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का जापानी कंपनी से करार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मोटरगाड़ियों के सेमीकंडक्टर चिप्स अब भारत में ही बनेंगे। इसके लिए टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने जापान की सेमीकंडक्टर कंपनी रोहम कंपनी. के साथ एक बड़ी साझेदारी की है। यह साझेदारी भारत में सेमीकंडक्टर बनाने के लिए है।

क्या करेगी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और जापानी कंपनी रोहम कंपनी. मिल कर भारत में रोहम के खास तरह के एनसीएच 100वी, 300ए एसआई एमओएसएफईटी चिप्स को असेंबल (जोड़ना) और टेस्ट (जांचना) करेंगी।

ये चिप्स खास तौर पर गाड़ियों के लिए बनाई जाती हैं और 2026 तक बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य है। इस समझौते के तहत, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और रोहम मिलकर भारत और दुनिया भर के बाजारों के लिए सेमीकंडक्टर बनाएंगे। वे रोहम की बेहतरीन टेक्नोलॉजी और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की चिप्स को जोड़ने और जांचने की क्षमता का इस्तेमाल करके भारत में पावर सेमीकंडक्टर बनाने का एक मजबूत ढांचा तैयार करेंगे।टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की तरफ से यहां जारी एक बयान में बताया गया इस साझेदारी का मकसद दोनों कंपनियों की विशेषज्ञता और उनके मौजूदा सिस्टम का फायदा उठाना है। इससे रोहम और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स दोनों के लिए व्यापार के नए मौके खुलेंगे और जापान और भारत के सेमीकंडक्टर उद्योगों के बीच रिश्ता और मजबूत होगा। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स अपनी चिप्स को असेंबल और टेस्टिंग करने वाली फैक्ट्रियों के ज़रिए रोहम को ऐसी चिप्स बनाने में मदद करेगी जो भारतीय और ग्लोबल बाजारों के लिए खास तौर पर तैयार की जाएंगी। भविष्य में, दोनों कंपनियां मिलकर और भी बेहतर और महंगी पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विकसित करने पर भी विचार करेंगी।

जापानी कंपनी को है भरोसा

इस समझौते पर बात करते हुए, रोहम कंपनी लिमिटेड. के बोर्ड सदस्य और मैनेजिंग एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, डॉ. काज़ुहिदे इनो ने कहा, इस साझेदारी के ज़रिए, हम भारत में बनने वाले अपने पैक्ड प्रोडक्ट्स की लिस्ट बढ़ाना चाहते हैं और एक टिकाऊ, क्षेत्र-आधारित सप्लाई चेन नेटवर्क बनाने में मदद करना चाहते हैं। जापानी कंपनी को भरोसा है कि इस सहयोग से वे भारतीय ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा कर पाएंगे, जो अपने देश में बने सेमीकंडक्टर चाहते हैं।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में भारत की पहली कमर्शियल फैब बना रही है। इसमें कुल 11 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। यह फैब सेमीकंडक्टर चिप्स बनाने का एक बड़ा प्लांट होगा। इसके अलावा, कंपनी असम के जगरोड में भारत की पहली स्वदेशी ओएसएटी(आउटसोर्सड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट) फैसिलिटी भी बना रही है, जिसमें 3 अरब डॉलर का निवेश होगा। ओएसएटी फैसिलिटी में चिप्स को असेंबल और टेस्ट किया जाता है। इन दोनों फैक्ट्रियों का मकसद ऑटोमोटिव (गाड़ियां), मोबाइल डिवाइस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स , आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , रक्षा, एयरोस्पेस और ऐसे ही दूसरे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के ग्राहकों को सेवा देना है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	धनु	मे
चंद्र	मकर	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	वृश्चिक	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	धनु	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय		
धनु.....	06-44	बजे
मकर...	08-49	बजे
कुंभ....	10-32	बजे
मीन....	12-02	बजे
मेष.....	13-28	बजे
वृष....	15-05	बजे
मिथुन..	17-01	बजे
कर्क...	19-15	बजे
सिंह---	21-34	बजे
कन्या--	23-50	बजे
तुला---	02-04	बजे
वृश्चिक..	04-22	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - पौष शुक्ल पक्ष मंगलवार 23 Dec
तिथि - तृतीया 12-13 तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - श्रवण 07-07 अहोरात्र तक
योग - व्याघात 16-30 तक उप हर्षण
करण - गर 12-13 तक वणिज

सूर्योदय 06-46
सूर्यास्त. 17-44

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-01 16-24

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	06-46 - 08-07	अशुभ
उत्पात	08-07 - 09-30	अशुभ
चंचल	09-30 - 10-52	शुभ
लाभ	10-52 - 12-15	शुभ
अमृत	12-15 - 13-38	शुभ
काल	13-38 - 15-01	अशुभ
शुभ	15-01 - 16-24	शुभ
रोग	16-24 - 17-44	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	18-46 - 19-24	शुभ
लाभ	19-24 - 21-01	शुभ
उत्पात	21-01 - 22-38	अशुभ
शुभ	22-38 - 00-16	अशुभ
अमृत	00-16 - 01-53	शुभ
चंचल	01-53 - 03-30	अशुभ
रोग	03-30 - 05-07	शुभ
काल	05-07 - 06-44	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए । इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । आप अपने व्यस्त जीवन में भी सही तरीके से व्यवस्था बनाये रखने की अपनी काबिलियत को तभी तक बनाये रख सकते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आज आप ख़ुशी मनाने के मूड में अधिक रहेंगे लेकिन आपको यह भी समझना चाहिए।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थिति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बीजेपी के लिए बांग्लादेश और घुसपैठिए होगा असम चुनाव का बड़ा मुद्दा

26-27 दिसंबर को होगी मीटिंग

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। असम विधानसभा चुनाव में बीजेपी बांग्लादेश और बांग्लादेशी घसुपैठियों को बड़ा मुद्दा बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे के दौरान इसके साफ संकेत दिए ही साथ ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वसरमा लगातार घुसपैठियों के मुद्दे की बात कर रहे हैं। असम बीजेपी 26 और 27 दिसंबर को अहम मीटिंग भी करेगी जिसमें चुनाव को लेकर मुद्दों और रणनीति पर बात होगी। असम में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

इस हफ्ते होने वाली मीटिंग में पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के सीनियर नेता भी हिस्सा लेंगे। असम बीजेपी पहले ही राज्य में आउटरीच प्रोग्राम चला रही है। इसमें राज्य सरकार के कामों के साथ ही केंद्र सरकार के कामों के बारे में भी लोगों के बताया जा रहा है। असम बीजेपी नेता के मुताबिक अगले हफ्ते गृह मंत्री अमित शाह भी असम आ सकते हैं। पहले पीएम और फिर गृह मंत्री के विजिट के जरिए असम के लोगों को ये संदेश दिया जा रहा है केंद्र सरकार के लिए असम अहम है और लगातार केंद्र सरकार असम के विकास के लिए काम कर रही है।

असम बीजेपी के एक नेता ने कहा कि हमारी रणनीति है कि हम विकास के साथ ही असम की अस्मिता पर भी बात करेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए एक बड़ा मुद्दा है और ये लोगों की भावनाओं से भी जुड़ा है। क्या घुसपैठिए बीजेपी के लिए अहम मुद्दा होगा, ये पूछने पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है। असम के मुख्यमंत्री लगातार बांग्लादेश और घुसपैठियों की बात कर रहे हैं।

सोमवार को हिमंत बिस्वसरमा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि 'असम सतर्क है।असम में बांग्लादेशी घुसपैठिए बस रहे हैं और बांग्लादेश में हिंदुओं की दिनदहाड़े हत्या हो रही है। घुसपैठियों को बाहर निकालने का अभियान जारी रहेगा!' उन्होंने कहा कि हमने देखा कि किस तरह बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है और उन्हें जिंदा जलाया जा रहा है। वहां जो लोग पावर में हैं वे अपनी मंशा जाहिर कर रहे हैं कि वे नॉर्थ ईस्ट रीजन को अपने कंट्रोल में लाना चाहते हैं। हम लगातार नजर बनाए हुए हैं। असम में भी ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है जो अलग अलग वक्त में बांग्लादेश से यहां आए हैं, इसलिए हमें पूरे मसले पर पैनी निगाह रखनी है और सतर्क रहना है।

युवक ने की आत्महत्या

परिजनों ने शव रखकर सड़क जाम किया, पुलिस के आश्वासन पर हटे

हजारीबाग, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग के शिवपुरी इलाके में एक युवक की आत्महत्या के बाद सोमवार को परिजनों और स्थानीय लोगों ने मुख्य सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कई घंटों तक यातायात बाधित रहा। पुलिस के आश्वासन के बाद जाम हटा लिया गया।

मृतक युवक की पहचान शिवपुरी निवासी योगेश कुमार मंडल के रूप में हुई है। परिजनों ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर स्थित छठ तालाब मोड़ के पास मुख्य सड़क पर जाम लगाया था।

परिजनों का आरोप है कि दो वर्ष पूर्व योगेश के छोटे भाई की हत्या के मामले में पुलिस ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। इस कारण पूरा परिवार मानसिक तनाव से गुजर रहा है। मृतक के पिता तीतू मंडल ने बताया कि न्याय न मिलने की पीड़ा और लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण योगेश ने आत्महत्या का कदम उठाया।

भूपेश बोले-मुगल शासन में भी हिंदू खतरे में नहीं था

बीजेपी-आरएसएस ने डर दिखाकर 3 बार जीता चुनाव कथावाचक प्रदीप मिश्रा-धीरेंद्र शास्त्री फैला रहे अंधविश्वास

दुर्ग-भिलाई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने बीजेपी, आरएसएस, कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा और धीरेंद्र शास्त्री पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि, देश में कभी हिंदू खतरे में नहीं था। लेकिन जब से बीजेपी-आरएसएस सत्ता में आई है, तब से हिंदू खतरे में है का डर दिखाकर तीन बार चुनाव जीत चुके हैं।

बघेल ने कहा कि, कथावाचक भगवान के बारे में न बताकर अब टोटके बताते हैं। आज समाज जितना पढ़ा-लिखा होता जा रहा है, उतना ही अंधविश्वासी भी होता जा रहा है।

आम लोग खुद इन कथावाचकों से ज्यादा जानते हैं कि शिव कौन हैं, हनुमान कौन हैं और पूजा कैसे की जाती है।

भूपेश ने यह बयान अखिल भारतीय एससी, एसटी, ओबीसी संयुक्त मोर्चा छत्तीसगढ़ की तरफ से दुर्ग के शंकर नगर में संविधान पर्व और राज्य स्तरीय सम्मेलन के आयोजन में दिया है। उन्होंने कहा कि, आज न अनुसूचित जाति खतरे में है, न जनजाति, न

पिछड़ा वर्ग और यहां तक की अल्पसंख्यक भी खतरे में नहीं है। बीजेपी केवल डर फैलाकर राजनीति कर रही है।

भूपेश बघेल ने कहा कि, आजादी की लड़ाई के दौरान भी हिंदू खतरे में नहीं था। देश आजाद हुआ, तब भी कोई खतरा नहीं था।

मुगलों का शासन रहा, सुल्तानों का शासन रहा, मुसलमान सत्ता में रहे, लेकिन तब भी हिंदू को कोई खतरा नहीं था।

असल में जब से आरएसएस और बीजेपी की सरकार बनी है, तब से हिंदू खतरे में है की बात की जा रही है। यही डर दिखाकर आज यह लोग शासन कर रहे हैं। बघेल ने तंज कसते हुए कहा कि, अब ये खुद को हिंदू नहीं, बल्कि सनातनी कहने लगे हैं।

धर्म और अंधविश्वास पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रदेश में दो महाराज आ रहे हैं। एक प्रदीप महाराज और दूसरे धीरेंद्र शास्त्री महाराज। ये न तो भगवान शिव के बारे में बताते हैं और न ही हनुमान के बारे में, केवल टोटका और अंधविश्वास की बातें करते हैं।

बघेल ने कहा कि, आज समाज जितना पढ़ा-लिखा होता जा रहा है, उतना ही अंधविश्वासी भी होता जा रहा है। आम लोग खुद इन कथावाचकों से ज्यादा जानते हैं कि शिव कौन हैं, हनुमान कौन हैं और पूजा कैसे की जाती है।

भूपेश बघेल ने कहा कि, जो लोग वहां जाते हैं इतना पैसा चढ़ाते हैं, इतना विधि विधान करते हैं, लेकिन उनकी स्थिति सुधरी है या नहीं पता नहीं है। लेकिन इन दोनों महाराज की हालत बहुत सुधर गई है। हमारे सभी महापुरुषों ने समाज से अंधविश्वास को दूर किया है। लेकिन आज लोग अंधविश्वास की ओर जा रहे हैं।

अपने नाम पर कराए जा रहे सर्वे को लेकर भी भूपेश बघेल ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि, आज उनके नाम से सर्वे कराया जा रहा है कि भूपेश बघेल को गिरफ्तार किया जाना चाहिए या नहीं।

उन्होंने पूछा कि इसका मतलब क्या है? पुलिस व्यवस्था है, न्याय व्यवस्था है, सब सरकार के हाथ में है।

अगर कोई गलती की है तो कार्रवाई करें, फैसला कोर्ट का काम है। लेकिन सर्वे कराने का क्या औचित्य है? अमित शाह जो इस प्रकार से पूरे प्रदेश में सर्वे करवा रहे हैं, तो ये उनका डर है। ये डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मैं डरने वाला नहीं हूं।

हाईकोर्ट बोला-बार-बार वकील बदलना गलत परंपरा

सुप्रीम कोर्ट से एसएलपी खारिज होने पर दायर की रिव्यू पिटीशन, याचिका खारिज कर लगाया 50 हजार का जुर्माना

बिलासपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने विभागीय जांच में सजा पाए एक सरकारी कर्मचारी की रिव्यू पिटीशन को सख्त टिप्पणी के साथ खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि जब फैसले में कोई गलती न हो, तो सिर्फ दोबारा सुनवाई कराने के लिए रिव्यू पिटीशन दायर करना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि अलग-अलग चरणों में अलग वकीलों को नियुक्त कर बार-बार याचिकाएं दायर करना बार की स्वस्थ परंपरा के खिलाफ है। इन टिप्पणियों के साथ हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

दरअसल, याचिकाकर्ता संजीव कुमार यादव के खिलाफ विभागीय जांच हुई थी। जांच में दोषी पाए जाने पर उसकी चार वेतनवृद्धियां रोकने की सजा दी गई थी। इस फैसले के खिलाफ संजीव कुमार यादव ने पहले हाईकोर्ट की सिंगल बेंच में याचिका दायर की थी, लेकिन जनवरी 2025 में वह याचिका खारिज कर दी गई।

इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में रिट अपील दाखिल की, लेकिन मार्च 2025 में वह भी खारिज हो गई। इस फैसले के खिलाफ याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की, लेकिन अगस्त 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे खारिज कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने एक बार फिर हाईकोर्ट में रिव्यू याचिका दाखिल कर दी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद साफ कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट से एसएलपी खारिज हो चुकी है, तो तथ्यों के आधार पर रिव्यू याचिका का कोई ठोस कारण नहीं बनता। कोर्ट ने बताया कि जिस तथ्यात्मक गलती की बात याचिकाकर्ता ने कही है, वह रिकॉर्ड से साबित नहीं होती।

डिवीजन बेंच ने कहा कि यह याचिका कोर्ट का कीमती समय नष्ट करने वाली है। हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील की ओर से बिना शर्त माफी मांगने पर हाईकोर्ट ने दो लाख के बजाए 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने आदेश दिया कि यह राशि सरकारी विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी, गरियाबंद को दी जाएगी। अगर याचिकाकर्ता एक महीने के भीतर यह रकम जमा नहीं करता है, तो इसे भू-राजस्व की तरह वसूला जाएगा। हाईकोर्ट ने साफ कहा कि रिव्यू पिटीशन को अपील की तरह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इसे तभी स्वीकार्य है, जब रिकॉर्ड में कोई साफ और स्पष्ट गलती हो। कोर्ट ने यह भी बताया कि इस मामले में सिंगल बेंच, डिवीजन बेंच और रिव्यू पिटीशन के दौरान अलग-अलग वकील किए गए थे।

सुकमा में जवानों का बड़ा एक्शन

नक्सलियों की खास राइफल फैक्ट्री को किया नष्ट, मिशन में थी कई मुश्किलें

सुकमा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। नक्सल विरोधी अभियान पर निकली केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की टीम ने बड़ी संख्या में नक्सलियों के हथियार बरामद किए हैं। सुरक्षाबल के जवानों ने नक्सलियों की राइफल फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। जवान ने हथियार को बरामद फैक्ट्री को बर्बाद कर दिया है। सीक्रेट खुफिया जानकारी के आधार पर 150 बटालियन सीआरपीएफ ने शनिवार को मीनागट्टा गांव में सर्च एंड कॉर्डन ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया। सीआरपीएफ ने सोमवार को यह जानकारी दी। कमांडेंट के मार्गदर्शन में सहायक कमांडेंट रौशन झा और अजय कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान घने जंगलों के बीच सुरक्षा बलों ने एक बड़े नक्सली ठिकाने और संदिग्ध राइफल फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया।

अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में हथियार, उपकरण और विस्फोटक सामग्री बरामद की। इनमें आठ सिंगल शॉट राइफलें, आठ वीएचएफ सेट, वेल्डिंग तथा कटिंग मशीनें, भारी मात्रा में आईईडी बनाने में उपयोग होने वाला सामान, एएनएफओ, कॉर्डेक्स, डेटोनेटर, नक्सली वर्दी और माओवादी साहित्य शामिल है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि भारी मात्रा में हथियारों की बरामदगी से संकेत मिलता है कि यह ठिकाना नक्सलियों की हथियार निर्माण और विस्फोटक तैयार करने की महत्वपूर्ण गतिविधियों का केंद्र था। इस ऑपरेशन को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अंजाम दिया गया। घने और दुर्गम जंगलों के बीच पेशेवर तरीके से कार्रवाई करते हुए जवानों ने ठिकाने को नष्ट किया और सुरक्षित एफओबी पलागुड़ा लौट आए।

इस ऑपरेशन के जरिए सुरक्षा बल ने नक्सलियों की एक बड़ी योजना को विफल कर दिया।

झारखंड में उत्तर-पश्चिम की बर्फीली हवाओं से कनकनी

16 जिलों में आज से 5 दिन पड़ेगी कड़ाके की ठंड, कल 15 जिलों में यलो अलर्ट

रांची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में आज भी मौसम का मिजाज सख्त बना रहने वाला है। सुबह और शाम घना कोहरा छाए रहने के साथ दिनभर ठंडी हवाओं से कनकनी बढ़ेगी। उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण राज्य शीतलहर की गिरफ्त में है। न्यूनतम तापमान लगातार गिर रहा है। कई जिलों में यह 10 डिग्री से नीचे पहुंच चुका है।

शनिवार को लोहरदगा राज्य का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान 3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। रांची में रविवार को पारा 7.8 डिग्री रहा, जबकि कांके में 7.3 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आज भी ठंड का यही असर बना रहेगा। लोगों को सर्दी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है।

भीषण ठंड का असर जनजीवन पर साफ दिख रहा है। लोहरदगा, गुमला, डालटनगंज, रांची, खूंटी और हजारीबाग में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे चला

गया है। लोहरदगा में तापमान सामान्य से 4.7 डिग्री कम दर्ज किया गया, जबकि गुमला में 5.2, डालटनगंज में 6.9 और खूंटी में 9.1 डिग्री रहा।

सर्दी का सितम जानलेवा भी साबित हो रहा है। गिरिडीह के मोतीलेदा निवासी प्रेम राय (37) और कोडरमा के राणे गांव के भुवनेश्वर रजक (75) की ठंड से मौत हो गई। ठंड बढ़ने से गरीब, बुजुर्ग और बेघर लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। अलाव की व्यवस्था और गर्म कपड़ों की मांग भी बढ़ने लगी है।

मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक राज्य के 16 जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ने की चेतावनी जारी की है। इसके लिए ऑरेंज और यलो अलर्ट घोषित किया गया है। 23 दिसंबर को रांची, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, खूंटी, गुमला, लोहरदगा, लातेहार, पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, हजारीबाग, गिरिडीह और देवघर में यलो अलर्ट रहेगा।

मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद के अनुसार ठंडी हवा के गर्म और नम हवा से टकराने के कारण सुबह-शाम घना कोहरा बन रहा है, जिससे विजिबिलिटी घट रही है।

शराब घोटाले में बघेल को मिले 250 करोड़ रुपये

चैतन्य कंट्रोल करता था सिंडिकेट, ईओडब्ल्यू का खुलासा

रायपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने चैतन्य बघेल के खिलाफ सोमवार चार्जशीट पेश की है। करीब 3800 पन्नों की चार्जशीट को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया है। चार्जशीट में दावा किया गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को घोटाले से 200 से 250 करोड़ रुपये मिलें हैं।

ईओडब्ल्यू ने चार्जशीट में दावा किया है कि चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट में अवैध उगाही का बड़ा हिस्सा लेते थे। घोटाले में चैतन्य बघेल की संलिप्तता है। यह दावा किया गया है शराब सिंडिकेट ने अलग-अलग समय पर उनके पास करोड़ों रुपये पहुंचाए हैं।

ईओडब्ल्यू ने दावा किया है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के सबसे स्तर पर था। राजनीतिक प्रभाव के कारण वह नेटवर्क का कंट्रोल करते थे और सभी फैसले लेते थे। दावा किया गया है कि अवैध रकम का हिसाब भी चैतन्य बघेल रखता था। कलेक्शन, चैनलाइजेशन और वितरण से जुड़े सभी फैसले भी चैतन्य बघेल के होते थे।

18 जुलाई से जेल में हैं

चैतन्य बघेल

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में ईडी ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के भिलाई स्थिति आवास पर छापेमारी की थी। इसके बाद टीम ने चैतन्य बघेल 18 जुलाई 2025 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से चैतन्य बघेल जेल में बंद हैं।

सौम्या चौरसिया भी गिरफ्तार

शराब घोटाले में ईडी ने सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया है। पीएमएलए कोर्ट ने सौम्या चौरसिया को 14 दिन की रिमांड पर भेजा है।

सौम्या चौरसिया को भूपेश बघेल की सरकार में प्रभावशाली अफसरों में शामिल थीं। इसके साथ ही तीन दिन पहले पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास को भी अरेस्ट किया गया है।

शराब घोटाले में ईडी ने इसी साल जनवरी में कवासी लखमा को भी गिरफ्तार किया है। कवासी लखमा, भूपेश बघेल की सरकार में आबकारी विभाग के मंत्री थे।

गोवा में बीजेपी ने जीतीं 30 सीटें

कांग्रेस 8, आप को दो सीटें मिलीं

पणजी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों में बड़ी जीत के बाद गोवा में भी बीजेपी का कमल खिलता दिख रहा है। राज्य के जिला पंचायत चुनावों में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बीजेपी अभी तक 30 सीटें जीती हैं। कांग्रेस के खाते में 8 सीटें आई हैं, जबकि 5 सीटों पर निर्दलीय जीते हैं। एमजीपी और आरजीपी को दो-दो सीटों पर जीत मिली है जबकि GFP के खाते में एक सीट आई है। गोवा के अगले विधानसभा चुनावों में पूरी ताकत से उतरने का ऐलान कर चुकी आम आदमी पार्टी को दो सीटों पर जीत मिली है। राज्य चुनाव आयोग ने देर शाम सभी 50 सीटों के नतीजे घोषित कर दिए। गोवा नाइट क्लब में अग्निकांड की बड़ी घटना के बाद इन चुनावों पर सभी की नजरें लगी थी। क्रिसमस और न्यू ईयर से पहले बीजेपी को गोवा में बड़ी जीत मिली है। प्रमोद सांवत की अगुवाई में पार्टी ने 50 सीटों में अकेले 30 सीटें जीतकर मजबूती साबित की है। गोवा में बीजेपी की बड़ी जीत के बाद राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सांवत ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है कि बीजेपी गोवा की नंबर 1 पार्टी। उन्होंने राज्य के लोगों को बीजेपी में भरोसा व्यक्त करने के धन्यवाद दिया है। सावंत ने गोवा में बीजेपी की बड़ी जीत का श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को दिया है।

सीएएफ जवान ने थप्पड़ मारने पर साथी को मारी-गोली, मौत

हाथ को चीरते हुए गाल में फंसी बुलेट, यूपी का रहने वाला था, आरोपी जवान अरेस्ट

खैरागढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में सीएएफ (छत्तीसगढ आर्मुड फोर्स) के जवान ने थप्पड़ मारने पर साथी जवान की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि सोते वक्त जवान ने फायरिंग की है। जवान के हाथ को चीरते हुए गोली गाल में फंस गई। मामला गातापार थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक जवान की पहचान उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ निवासी सोनवीर जाट के रूप में हुई है, जबकि आरोपी आरक्षक का नाम अरविंद गौतम है। पुलिस ने अरविंद गौतम को गिरफ्तार कर लिया है। सर्विस राइफल जब्त कर लिया है।

दरअसल, रविवार की रात खाने खाने के बाद सभी जवान घाघरा

गांव स्थित सीएएफ बटालियन कैंप में सो रहे थे। इसी बीच देर रात सोनवीर जाट और अरविंद गौतम के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया।सोनवीर जाट ने अरविंद गौतम को थप्पड़ मार दिया। इस दौरान गुस्से में अरविंद गौतम ने सर्विस राइफल से सोनवीर जाट को गोली मार दी। गोली हाथ को चीरते हुए निकली और गाल में धंस गई। फायरिंग की आवाज सुनकर बाकी साथी जवान आनन-फानन में उठे। सोनवीर जाट खून से लथपथ बिस्तर पर पड़ा था। इसके बाद घायल जवान को सोमवार तड़के जिला मुख्यालय के सिविल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। शव को अस्पताल की मॉर्चुरी में सुरक्षित रखा गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। वारदात के बाद घाघरा गांव स्थित सीएएफ बटालियन कैंप के साथी जवानों ने बताया कि सोनवीर जाट और अरविंद गौतम दोस्त थे। साथ में ड्यूटी भी करते थे, लेकिन दोनों के बीच अचानक कैसे विवाद हुआ और ये वारदात हो गई, इस बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। एडिशनल एसपी नितेश कुमार गौतम ने बताया कि अरविंद गौतम रात में पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात था।

खूंटी में सनसनी: कांग्रेस के युवा आदिवासी नेता सुमित तिग्गा की गोली मारकर हत्या

अलाव तापते समय हुआ हमला

रांची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत गुयु गांव में रविवार की देर शाम अज्ञात अपराधियों ने आदिवासी कांग्रेस के कर्रा प्रखंड महासचिव 25 वर्षीय सुमित तिग्गा की गोली मारकर हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है, घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है।

मृतक सुमित तिग्गा गुयु गांव निवासी तेम्बा तिग्गा के पुत्र थे और अविवाहित थे। वे आदिवासी कांग्रेस संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे और क्षेत्र में एक ऊर्जावान और सामाजिक रूप से सक्रिय युवा नेता के रूप में

पहचाने जाते थे। संगठनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी उनकी भागीदारी रही है, जिससे गांव और आसपास के इलाकों में उनकी अच्छी पहचान थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार की शाम सुमित तिग्गा अपने घर पर मौजूद थे। करीब साढ़े छह बजे उनके दो परिचित दोस्त उन्हें घर से बुलाकर गांव की ओर ले गए। इसके बाद वे दोस्तों के साथ अलाव ताप रहे थे। इसी दौरान लगभग आठ बजे अज्ञात अपराधी ने पीछे से उन पर गोली चला दी। गोली लगते ही सुमित गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए रांची स्थित देवनिका अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने सुमित तिग्गा को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स, रांची भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि हत्या के कारणों की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

रूस के जनरल की कार धमाके में मौत

यूक्रेन पर हत्या का शक, पुतिन को बड़ा झटका

मॉस्को, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के सशस्त्र बलों के ऑपरेशनल ट्रेनिंग विभाग के प्रमुख की कार धमाके में मौत हो गई है। सोमवार सुबह मॉस्को में जनरल फानिल सरवारोव की कार के नीचे विस्फोटक डिवाइस से हुए धमाके में उनकी जान गई है। जांचकर्ताओं का कहना है कि इस हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ हो सकता है। रूस इसमें यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों की भूमिका की जांच कर रहा है। यूक्रेन की ओर से इस घटना पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

यह एक साल में रूस के किसी सीनियर मिलिट्री ऑफिसर की इस तरह से तीसरी हत्या है। इससे पहले भी रूसी सैन्य अफसरों के वाहनों को निशाना बनाया गया है। पिछली घटनाओं में जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक, इगोर किरिलोव, मिलिट्री ब्लॉगर मैक्सिम फोमिन और डारिया डुगिना की मौत हुई है।

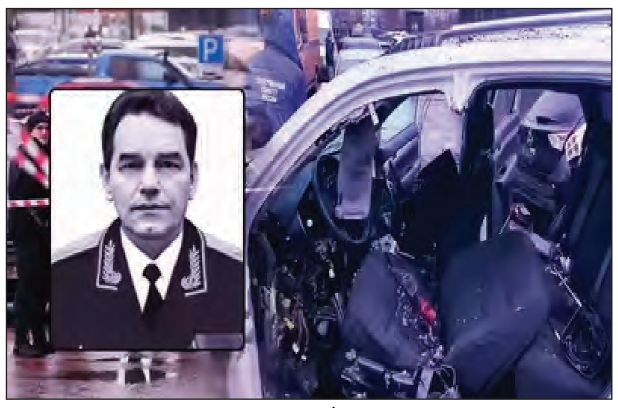

रूस की टॉप क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको ने बताया कि सोमवार सुबह हुए धमाके में रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के ऑपरेशनल ट्रेनिंग डायरेक्टोरेट के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की जान चली गई। पेट्रेंको ने कहा, 'जांचकर्ता हत्या कई एंगल से जांच कर रहे हैं। इनमें से एक यह है कि ये काम यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों ने किया है।' क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सरवारोव की हत्या के बारे में सूचित कर दिया गया है। वह पुतिन के करीबी अफसरों में गिने जाते थे।

रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सरवारोव चेचन्या में लड़ चुके थे और सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में भी उन्होंने हिस्सा लिया था।

मुनीर बोले- भारत से संघर्ष में अल्लाह की मदद मिली

इस्लामाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भारत के साथ मई में हुए सैन्य संघर्ष में अल्लाह की मदद मिलने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि हमने इसे महसूस किया, जिसकी वजह से हालात पूरी तरह बिगड़ने से बच गए।

मुनीर ने यह बयान 10 दिसंबर को इस्लामाबाद में हुई नेशनल उलेमा कॉन्फ्रेंस में दिया। उनके भाषण के वीडियो क्लिप रविवार को लोकल टीवी चैनलों पर दिखाए गए।

भारत ने 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर हमले किए थे। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच चार दिन तक भारी गोलीबारी और सैन्य टकराव हुआ, जो 10 मई को समझौते के बाद रुका। संघर्ष के दौरान भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस तबाह

कर दिए थे। अपने भाषण में मुनीर ने धार्मिक बातों पर जोर देते हुए पाकिस्तान की तुलना 1400 साल पहले पैगंबर मोहम्मद द्वारा स्थापित इस्लामी राज्य से की। उन्होंने कुरान की आयतें पढ़ीं और कहा कि इस्लामी दुनिया में पाकिस्तान को खास दर्जा मिला है। मुनीर ने कहा कि दुनिया में 57 इस्लामी देश हैं, लेकिन अल्लाह ने पाकिस्तान को हरमैन शरीफैन यानी मक्का और मदीना की हिफाजत का सम्मान दिया है।

मुनीर ने पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा हालात पर भी बात की और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से कहा कि वह पाकिस्तान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) में से किसी एक को चुने।

ट्रंप सच्ची ईसाई राजनीति कर रहे

एच1-बी वीजा पर अड़े जेडी वेंस, भारतीयों को बड़ा झटका

वॉशिंगटन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एच1-बी वीजा प्रोग्राम पर अपनी सरकार की सख्त नीति का समर्थन किया है। वीजा पाबंदियों का बचाव करते हुए वेंस ने कहा है कि विदेशी कर्मचारियों की हायरिंग को सीमित करते हुए अपने लोगों को नौकरी देना 'सच्ची ईसाई राजनीति (ट्रू क्रिश्चियन पॉलिटिक्स)' का अहम हिस्सा है। यह राजनीति अमेरिकी कामगारों और आर्थिक सम्मान को प्राथमिकता देती है। एच1-बी वीजा के सबसे ज्यादा लाभार्थी भारतीय हैं। ऐसे में वेंस का रुख भारत के कर्मचारियों की मुश्किल बढ़ाएगा।

टर्निंग पॉइंट यूएसए के सालाना कन्वेंशन में बोलते हुए जेडी वेंस ने कहा, 'ईसाई मूल्यों को सिर्फ सामाजिक मुद्दों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। इन उसूलों को सरकार के अर्थशास्त्र और श्रम के प्रति व्यापक दृष्टिकोण में शामिल होना चाहिए।

एक सच्ची ईसाई राजनीति में सिर्फ बच्चों या परिवार की सुरक्षा के साथ ये चीजें भी अहम हैं। यही राजनीति ट्रंप कर रहे हैं।'

इमिग्रेशन और रोजगार को नैतिक मुद्दा बताते हुए वेंस ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने उन कंपनियों को सजा देने के लिए कार्रवाई की है, जो नौकरियों को विदेश भेज देती हैं। हमने अमेरिकियों को नौकरी ना देने वाली कंपनियों को सजा दी है क्योंकि हम इंसानी काम की स्वाभाविक गरिमा और अपने देश में अच्छी नौकरी को किसी व्यक्ति का हक मानते हैं।

जेडी वेंस ने आगे कहा, 'हम काम के हक की फिलॉसफी को सीधे स्किल्ड वर्कर वीजा पर ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के कामों से जोड़कर देखते हैं। हमने कांग्रेस की मदद के बिना एच-1बी वीजा को सीमित किया। हमारा मानना है कि कंपनियों के लिए अमेरिकी मजदूरों को नजरअंदाज करके तीसरी दुनिया में सस्ते ऑप्शन चुनना गलत है।

वीजा नीति का भारतीयों पर असर जेडी वेंस ने सख्त वीजा नियमों को अमेरिका की नैतिक और आर्थिक आवश्यकता बताया है। उन्होंने सीमा प्रवर्तन, आर्थिक नीति और समावेशन पहलों को खत्म करने के प्रयासों पर ट्रंप प्रशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन सबको इतिहास के कूड़ेदान में डाल दिया गया है।

हसीना बोलीं- यूनुस की शह से बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमले

आतंकियों को जेल से रिहा किया, सरकार भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान दे रही

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेशी हिंदुओं पर हो रहे हमले के लिए अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है।

हसीना के मुताबिक, कुछ कट्टरपंथी ताकतें खुलकर हिंसा कर रही हैं, जिन्होंने भारतीय दूतावास, मीडिया दफ्तरों और अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं। यूनुस सरकार ऐसे लोगों को संरक्षण दे रही है और यहां तक कि सजा पाए आतंकियों को भी रिहा किया गया है।

उन्होंने बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना के लिए भी मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। एक मेल इंटरव्यू में हसीना ने भारत को बांग्लादेश का सबसे भरोसेमंद दोस्त बताया।

उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार की नीतियों से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई है। अंतरिम सरकार भारत के खिलाफ बयान दे रही है और अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में नाकाम रही है। भारत के

राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर जो चिंता जताई जा रही है, वह बिल्कुल सही है।

कहा- बांग्लादेश में बढ़ती कट्टरता दक्षिण एशिया के लिए खतरा

शेख हसीना ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश इसलिए छोड़ा ताकि और खून-खराबा न हो, न कि इसलिए कि उन्हें कानून से डर था। उनका कहना है कि आज देश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है और हिंसा आम बात बन गई है।

उन्होंने कट्टर इस्लामी संगठनों के बढ़ते असर पर भी चिंता जताई और कहा कि यह न सिर्फ बांग्लादेश बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए खतरा है। हसीना ने आरोप लगाया कि यूनुस सरकार बाहर की दुनिया को उदार चेहरा दिखा रही है, लेकिन देश के अंदर कट्टरपंथियों को ताकत दे रही है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) को लेकर दिए जा रहे बयानों पर हसीना ने कहा कि पड़ोसी देश को धमकाना गैर-जिम्मेदाराना है और यह बांग्लादेशी जनता की सोच नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि लोकतंत्र लौटते ही ऐसे बयान खत्म हो जाएंगे।

शेख हसीना ने कहा कि जब बांग्लादेश में फिर से चुनी हुई सरकार आएगी, तब भारत के साथ रिश्ते भी पहले जैसे मजबूत और दोस्ताना हो जाएंगे। उन्होंने भारत को मिले सहयोग और मेहमाननवाजी के लिए आभार भी जताया। हसीना ने बताया कि वह अभी अपने देश वापस नहीं जाएंगी। उनका कहना है कि मौजूदा हालात में उनके खिलाफ जो कार्रवाई हो रही है, वह न्याय नहीं बल्कि राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि जब तक बांग्लादेश में सही सरकार नहीं बनती और अदालतें स्वतंत्र नहीं होतीं, तब तक उनकी वापसी संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि आप मुझसे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि मैं अपनी राजनीतिक हत्या के लिए लौटूं। उन्होंने अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को चुनौती दी कि अगर उन्हें लगता है कि वे सही हैं, तो इस मामले को अंतरराष्ट्रीय अदालत हेग में ले जाएं। हसीना को भरोसा है कि कोई निष्पक्ष अदालत उन्हें निर्दोष साबित करेगी। शेख हसीना ने बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के फैसले को पूरी तरह खारिज किया। उन्होंने कहा कि यह कोई न्यायिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उन्हें बदनाम करने की राजनीतिक साजिश है।

पीलिया से परेशान अधेड़ ने काटा अपना गला

सरगुजा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। एक सप्ताह से पीलिया से पीड़ित अधेड़ का परिजन झाडफूंक करा रहे थे। उसकी हालत बिगड़ती जा रही थी। परेशान अधेड़ ने चाकू से अपना गला काट लिया। उसकी इलाज के दौरान अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मौत हो गई। मृतक रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ का निवासी है।

धरमजयगढ़ निवासी अबू चंद यादव करीब दो सालों से अपनी बड़ी बहन के घर पत्थलगांव में रह रहा था। एक सप्ताह से उसे पीलिया से पीड़ित होने की जानकारी मिली। परिजन डॉक्टरों से इलाज कराने के बजाय उसका झाड़फूंक कराते रहे। इससे अंबू चंद यादव की हालत बिगड़ती जा रही थी और वह परेशान था। अबू चंद यादव ने चाकू से अपना गला काट लिया। अंबू चंद यादव के गले से तेजी से खून निकलने लगा। उसे परिजन तत्काल पत्थलगांव हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

एसयू-57 ने पांचवीं पीढ़ी के इंजन के साथ भरी उड़ान

भारत क्यों नहीं खरीद रहा यह रूसी फाइटर जेट

मॉस्को, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के सुखोई एसयू-57 फाइटर जेट ने एडवांस्ड पांचवीं पीढ़ी के प्रोडक्ट 177 इंजन के साथ अपनी पहली उड़ान भरी है। यह जानकारी रूसी सरकारी सरकारी कंपनी रोस्टेक ने दी है। सरकारी कंपनी ने बताया, यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) और यूनाइटेड इंजन कॉर्पोरेशन (यूईसी) (रोस्टेक के हिस्से) के विशेषज्ञों ने एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के विमान में लगे 'प्रोडक्ट 177' इंजन का उड़ान परीक्षण शुरू कर दिया है। रूस के सम्मानित टेस्ट पायलट रोमन कोंड्रैटयेव ने विमान उड़ाया। उड़ान, फ्लाइट मिशन के अनुसार, सामान्य रूप से हुई।

इसमें कहा गया है कि नया इंजन यूईसी ने खास तौर पर पांचवीं पीढ़ी के विमान सिस्टम में इस्तेमाल के लिए विकसित किया है। रोस्टेक ने कहा, इस लेटेस्ट इंजन में 16,000 केजीएफ (किलोग्राम-फोर्स - टीएएसएस) का आफ्टरबर्निंग थ्रस्ट है। नए इंजन में सभी मोड में कम ईंधन की खपत और बेहतर टिकाऊपन भी है।

सरकारी कंपनी ने बताया कि यूएसी अभी प्रोडक्शन क्षमता बढ़ाने के लिए एक प्रोग्राम चला रही है, जिससे वह सेना को एसयू-57 विमानों की डिलीवरी की संख्या बढ़ा सकेगी और विदेशी ग्राहकों को फाइटर का एक्सपोर्ट वर्जन दे सकेगी। रूसी एसयू-57 एक मल्टीरोल पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट है। इसे हवा, जमीन और पानी की सतह के सभी तरह के लक्ष्यों को खत्म करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस लड़ाकू विमान में सुपरसोनिक क्रूजिंग स्पीड, इनबोर्ड हथियार, रडार-एब्जॉर्बिंग कोटिंग जो विमान को स्टील्थ बनाती है, से लैस है। इस लड़ाकू विमान में अत्याधुनिक ऑनबोर्ड उपकरणों को भी लगाया गया है। एसयू-57 सिस्टम का एडवांस्ड इंटेलेक्चुअलाइज़ेशन पायलट को फ्लाइट कंट्रोल और हथियारों के इस्तेमाल करने में बेहतर माहौल उपलब्ध कराता है।

रूसी एसयू-57 लड़ाकू विमान की खरीद पर भारत ने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, वायुसेना के विशेषज्ञों का मानना है कि रूसी एसयू-57 पूरी तरह से स्टील्थ नहीं है। वहीं, एसयू-57 भारतीय वायुसेना की पांचवीं पीढ़ी के विमान के रूप में सभी जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पा रहा है।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड में नियुक्त किया विशेष दूत

डेनमार्क की गुहार- हमारी क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें

कोपेनहेगन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। डेनमार्क के विदेश मंत्री ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका सहित सभी को डेनमार्क की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। डेनमार्क के विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लुइसियाना के गवर्नर को ग्रीनलैंड के लिए अमेरिका का विशेष दूत नियुक्त करने का एलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कही थी। अभी ग्रीनलैंड, डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। खनिज के मामले में समृद्ध ग्रीनलैंड रणनीतिक रूप से भी बेहद अहम है। बीते मार्च में, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी ग्रीनलैंड में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे का दौरा किया और डेनमार्क पर वहां ध्यान ने देने का आरोप लगाया।

हालांकि धीरे-धीरे यह मुद्दा सुर्खियों से गायब हो गया। इस बीच अगस्त में डेनमार्क की सरकार ने अमेरिकी राजदूत को तलब किया और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से जुड़े तीन लोगों पर ग्रीनलैंड में गुप्त अभियान चलाने का आरोप लगाया। अब रविवार को, ट्रंप ने लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री को ग्रीनलैंड के लिए विशेष दूत के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। एलान करते हुए ट्रंप ने कहा कि 'जेफ समझते हैं कि ग्रीनलैंड हमारी और हमारे सहयोगियों की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कितना जरूरी है। हम हमारे देश के हितों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे।' इस पर लैंड्री ने X पर साझा एक पोस्ट में लिखा 'ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनाने के लिए काम करना सम्मान की बात है।' इस पर डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, 'यह नियुक्ति ग्रीनलैंड में अमेरिकी हित की निरंतरता की पुष्टि करती है। हालांकि, हम इस बात पर जोर देते हैं कि अमेरिका सहित सभी देशों को डेनमार्क की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए।' इस महीने की शुरुआत में, डेनमार्क की रक्षा खुफिया सेवा ने एक वार्षिक रिपोर्ट में कहा था, 'अमेरिका अपनी आर्थिक शक्ति का उपयोग अपनी इच्छा थोपने और दोस्त और दुश्मन दोनों के खिलाफ सैन्य बल की धमकी देने के लिए कर रहा है'।

19 दिनों से लापता युवक का शव बरामद

लातेहार, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। लातेहार के सदर थाना क्षेत्र के किनामाड़ स्थित शाह वन ढाबा के पास एनएच-39 सड़क किनारे एक ट्रेंच से 19 दिन से लापता युवक का शव बरामद किया गया है। उसकी बाइक भी पास में मिली। परिजनों ने बरामद बाइक के आधार पर मृतक की पहचान चंदवा थाना क्षेत्र के बनहरदी निवासी बालेश्वर उरांव के पुत्र मनोज उरांव के रूप में की है। शव की पहचान उनकी पत्नी सोनी उरांव और चाचा बिंदेश्वर उरांव ने की। परिजनों के अनुसार, मनोज उरांव 3 दिसंबर की शाम लातेहार में अपने डेरा आने के लिए घर से निकले थे। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चला। बताया गया कि वह गांव के ही किरलाल उरांव के साथ घूमने गए थे, जिसके बाद से वह लापता हो गए।

गाजा में 3500 सैनिकों की तैनाती करेगा पाकिस्तान

मुनीर का बड़ा प्लान, मुस्लिमों संग धोखा?

इस्लामाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के पीस प्लान के तहत पाकिस्तान गाजा पट्टी में सैनिक तैनात करने की योजना बना रहा है। पाकिस्तानी राजनयिक और मिलिट्री सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित इंटरनेशनल स्टैबिलाइजेशन फोर्स (ISF) के तहत पाकिस्तान की लगभग 3500 सैनिक तैनात करने की योजना है। अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल यानी ISF अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन वाले 20-पॉइंट वाले शांति प्लान का अहम हिस्सा है। इस प्रस्ताव में गाजा के पुनर्निर्माण और चरमपंथी समूहों के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित फोर्स बनाने की बात कही गई है।

ट्रंप ने मुस्लिम देशों से ISF के

लिए सैनिक, लॉजिस्टिक्स और उपकरण देने का आग्रह किया है। माना जाता है कि अमेरिका द्वारा पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर को हालिया दिनों में महत्व देने के पीछे भी यही मुख्य वजह है। अमेरिका पाकिस्तान को इस बल का हिस्सा बनाना चाहता है।

पिछले सप्ताह अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गाजा में अंतरराष्ट्रीय बल के लिए पाकिस्तान को अहम बताया था। रुबियो ने कहा था कि पाकिस्तान गाजा में अपने सैनिक भेजने पर विचार कर रहा है। इसके लिए उन्होंने पाकिस्तान का आभार जताया था। उन्होंने आगे कहा कि अगर पाकिस्तान सहमत होता है तो वह अहम है। रुबियो ने बताया था कि पाकिस्तान और सेना भेजने वाले दूसरे संभावित देशों के साथ बातचीत चल रही है।

वहीं, पाकिस्तान ने कहा है कि अभी तक सैनिक भेजने को लेकर फैसला लंबित है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने बताया कि पाकिस्तान ने ISF में भागीदारी को लेकर अभी फैसला नहीं लिया है। हालांकि, ऐसा समझा जाता है कि पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व ने संभावित तैनाती को लेकर अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत की है।

घरेलू मोर्चे पर विरोध का खतरा

पाकिस्तानी सेना को गाजा में भागीदारी वॉशिंगटन के साथ इस्लामाबाद के संबंधों को मजबूत कर सकती है, लेकिन इसे इस्लामिक पार्टियों से घरेलू विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

सिडनी के हमलावर ने पिता से सीखा बंदूक चलाना

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस की जांच में खुलासा

कैनबरा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सिडनी के बॉन्डी बीच पर 15 लोगों की हत्या के आरोपी व्यक्ति ने सिडनी के बाहर न्यू साउथ वेल्स राज्य के एक इलाके में अपने पिता के साथ बंदूक चलाने का प्रशिक्षण लिया था। सोमवार को जारी ऑस्ट्रेलियाई पुलिस एक बयान के अनुसार उन लोगों ने सुनियोजित हमले के औचित्य के बारे में एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। यह बयान सोमवार को सिडनी के एक अस्पताल से नवीद अकरम की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेशी के बाद सार्वजनिक किया गया, जहां उसकी पेट की चोट का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने 14 दिसंबर की गोलीबारी की घटना स्थल पर अकरम को घायल कर दिया और उसके पिता, 50 वर्षीय साजिद अकरम को मार डाला।

न्यू साउथ वेल्स राज्य सरकार ने पुष्टि की कि नवीद अकरम को सोमवार को अस्पताल से जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। बयान में आरोप लगाया गया है कि 24 वर्षीय युवक और उसके पिता ने बॉन्डी बीच पर एक वार्षिक यहूदी कार्यक्रम मना रही भीड़ की ओर चार तात्कालिक विस्फोटक उपकरण फेंककर अपना हमला शुरू किया, लेकिन उपकरण फटने में विफल रहे। पुलिस ने इन उपकरणों को तीन एल्युमिनियम पाइप बम और एक टेनिस बॉल बम बताया, जिनमें विस्फोटक, काला पाउडर और स्टील बॉल बियरिंग भरी हुई थीं।

इनमें से कोई भी फटा नहीं, लेकिन पुलिस ने इन्हें सक्रिय आईईडी बताया। अधिकारियों ने अकरम पर 59 अपराधों का आरोप लगाया है, जिनमें हत्या के 15 मामले, घायल बचे लोगों के संबंध में हत्या के इरादे से नुकसान पहुंचाने के 40 मामले और एक आतंकवादी कृत्य करने का मामला शामिल है।

आठ दिवसीय हनुक्का उत्सव की शुरुआत में हुआ यह यहूदी विरोधी हमला 1996 में तस्मानिया राज्य में एक अकेले बंदूकधारी द्वारा 35 लोगों की हत्या के बाद से ऑस्ट्रेलिया में हुई सबसे भीषण सामूहिक गोलीबारी की घटना थी। न्यू साउथ वेल्स सरकार ने सोमवार को संसद में मसौदा कानून पेश किए, जिनके बारे में प्रीमियर क्रिस मिन्स ने कहा कि वे ऑस्ट्रेलिया में सबसे सख्त कानून बन जाएंगे। नए प्रतिबंधों में बंदूक प्रशिक्षण लाइसेंस के लिए पात्रता की शर्त के रूप में ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता को अनिवार्य बनाना शामिल होगा।

इससे साजिद अकरम, जो स्थायी निवास वीजा धारक भारतीय नागरिक थे, लाइसेंस के दायरे से बाहर हो जाते। साजिद अकरम के पास कानूनी तौर पर छह राइफल और शॉटगन भी थीं। शौकिया निशानेबाजों के लिए नई कानूनी सीमा अधिकतम चार बंदूकें होगी।

भारतीय मूल के युवक की धमकी पर चर्च के कार्यक्रम रद्द

अब आतंकवाद जुड़े कानून के तहत मामला दर्ज

सिंगापुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल के एक सिंगापुरवासी व्यक्ति पर एक चर्च में झूठी आतंकवादी धमकी देने का आरोप लगाया गया। इस कारण रविवार की सभी प्रार्थना सभाएं रद्द कर दी गईं। कोकुलानंथन मोहन, जिन पर संयुक्त राष्ट्र (आतंकवाद विरोधी उपाय) विनियमों के विनियमन 8(2)(ए) के तहत अपराध का आरोप लगाया गया है। उन्होंने ऊपरी बुकिट तिमाह क्षेत्र में सेंट जोसेफ चर्च में एक संदिग्ध वस्तु मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था, जिसमें एक पॉश आवासीय क्षेत्र शामिल है।

चार्जशीट के अनुसार 26 वर्षीय व्यक्ति पर रविवार को सुबह लगभग 7.11 बजे चर्च में तीन कार्डबोर्ड रोल रखने का आरोप है, जो पत्थर के कंकड़ों से भरे हुए थे और जिनमें उभरे हुए लाल तार लगे हुए थे, जिन्हें काले और पीले चिपकने वाले टेपों से एक साथ बांधा गया था। यह कथित तौर पर किसी अन्य व्यक्ति को इस झूठे विश्वास में डालने के इरादे से किया गया था कि वस्तु में विस्फोट या आग लगने की संभावना है और इस प्रकार व्यक्तिगत चोट या संपत्ति को नुकसान हो सकता है।

सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने सोमवार को एक बयान में कहा, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि उस व्यक्ति ने कथित तौर पर चर्च परिसर के भीतर एक खुद से बनाई वस्तु रखकर घटना को अंजाम दिया था, जो एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण से मिलती जुलती थी। माना जाता है कि उसने अकेले ही यह काम किया था, और फिलहाल ऐसा कोई सबूत नहीं है। जिससे यह पता चले कि यह धार्मिक रूप से प्रेरित हमला था या आतंकवादी कृत्य था।

चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हेंनें आरोपी की मनोरोग संबंधी मूल्यांकन के लिए तीन सप्ताह के लिए हिरासत में लिया गया है और वे 12 जनवरी को अदालत में वापस आएंगे। न्यायाधीश ने कहा कि मनोरोग संबंधी मूल्यांकन का अनुरोध गिरफ्तारी और पुलिस कार्रवाई के दौरान कोकुलानंथन के आचरण और व्यवहार के संबंध में जांच अधिकारी के अवलोकनों को ध्यान में रखते हुए किया गया था।

कोकुलानंथन ने बताया कि पुलिस द्वारा देखे गए व्यवहार का कारण रात की शिफ्ट में काम करने के कारण नींद की कमी थी। चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायाधीश ने कहा कि वह चिकित्सा मूल्यांकन के दौरान मनोचिकित्सक को इस बारे में समझा सकते हैं। यदि दोषी पाया जाता है, तो उसे 10 साल तक की जेल, 500,000 सिंगापुर डॉलर (386,757 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना, या दोनों का सामना करना पड़ सकता है।

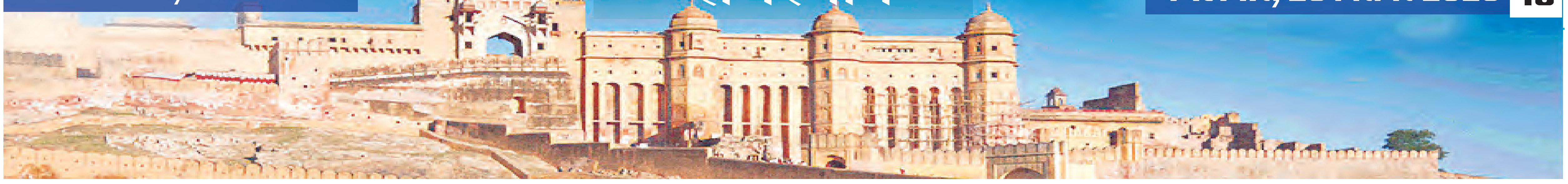

अरावली संरक्षण को लेकर उग्र आंदोलन

उदयपुर में पुलिस से भिड़े प्रदर्शनकारी, कई लोग हिरासत में

उदयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर प्रदेशभर में विरोध के स्वर तेज हो गए है। अरावली बचाओ अभियान के तहत उदयपुर, जोधपुर, सीकर सहित कई जिलों में सोमवार को लोगों ने कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। उदयपुर में कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हो गई। बेस्ट कंटेंट लिखकर दीजिए

उदयपुर में आज कांग्रेस, करनी सेना कार्यकर्ता सहित कई संगठनों के लोग कलक्ट्रेट पर अरावली बचाने के लिए एकजुट हुए। तभी कांग्रेस जिला अध्यक्ष फतेह सिंह राठौड़ की पुलिस कर्मियों से बहस हो गई। जिस पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की नौबत आ गई।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। यहां पुलिस ने कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश को वापस लेने की मांग

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश को वापस लिया जाए। वरना उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। लोगों का कहना है कि अरावली को केवल ऊंचाई के आधार पर परिभाषित करना वैज्ञानिक और पर्यावरणीय दृष्टि से उचित नहीं। यह भी कहा कि यदि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को संरक्षित नहीं किया गया तो उससे सटी ऊंची पहाड़ियों का अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है, जिससे पूरी पर्वतमाला के क्षरण की स्थिति बन सकती है।

इधर, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

उदयपुर. अरावली पर्वतमाला के निरंतर क्षरण और इसकी परिभाषा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में लंबित विवाद पर ठोस और दीर्घकालिक निर्णय की मांग करते हुए सामाजिक संगठन 'नेशन फर्स्ट' ने राष्ट्रपति, प्रधान न्यायाधीश, प्रधानमंत्री, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री तथा राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात के मुख्यमंत्रियों को पत्र भेजा है। सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन उस व्याख्या पर चिंता जताई है, जिसमें 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों को ही अरावली मानने का दृष्टिकोण सामने आया है।

दीया कुमारी को किरोड़ी ने बताया सीएम

बोले - आप रानी भी हैं और प्रदेश की मुख्यमंत्री भी

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इन दिनों प्रदेश में कई कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। इन कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री और मंत्री सहित तमाम बड़े नेता शामिल हो रहे हैं। ओटीएस जयपुर में लखपति दीदी राज्य स्तरीय संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, दोनों डिप्टी सीएम और कई मंत्री शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर शेयर हो रहा है, जिसमें वे डिप्टी सीएम दीया कुमारी को मुख्यमंत्री बताते नजर आ रहे हैं।

अपने संबोधन के दौरान डॉ. किरोड़ीलाल मीणा डिप्टी सीएम दीया कुमारी की तारीफ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दीया कुमारी

ने उनसे पूछा था कि उन्हें कार्यक्रम में क्यों बुलाया गया है। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि उन्हें देखने से महिलाओं में ताकत आएगी। इसी दौरान उनकी जुबान फिसली और उन्होंने कहा, 'आप एक रानी भी हैं और प्रदेश की मुख्यमंत्री भी।' डॉ. मीणा ने यह बात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में कही।

डॉ. मीणा के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में आने के बाद लोग तरह-तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। कुछ लोग इसे भविष्यवाणी बता रहे हैं और कयास लगा रहे हैं कि आने वाले दिनों में यदि मुख्यमंत्री बदला गया तो दीया कुमारी को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। कई लोग इसे भावी मुख्यमंत्री के संकेत के रूप में भी देख रहे हैं।

जो गुजरात में हुआ, राजस्थान में भी हो सकता है

हालांकि राजस्थान में फिलहाल मुख्यमंत्री बदले जाने जैसी कोई स्थिति नजर नहीं आ रही है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि जो गुजरात में हुआ, वह राजस्थान में भी हो सकता है। राजनीति में कब क्या हो जाए, यह पहले से किसी को पता नहीं होता। खासतौर पर भाजपा में केंद्रीय नेतृत्व के फैसले अक्सर अचानक सामने आते हैं। सितंबर 2021 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सहित पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दिया था, जिसके बाद नई सरकार बनी थी। इससे पहले आनंदीबेन पटेल को भी मुख्यमंत्री पद से हटाया गया था। कुछ महीने पहले गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर पूरे मंत्रिमंडल में बदलाव किया गया था। ऐसे उदाहरणों के चलते लोग अलग-अलग तरह के कयास लगा रहे हैं।

साइबर ठगों को उठाने आई हरियाणा पुलिस खुद हो गई गिरफ्तार!

एसीबी ने 6 लाख कैश के साथ पकड़ा

कुचामन डीडवाना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस के अधिकारी कर्मचारी पिछले दो दिन से राजस्थान पुलिस के हत्थे चढ रहे हैं। एक दिन पहले शनिवार को जोधपुर में हरियाणा क्राइम ब्रांच का एक सहायक उप निरीक्षक 3 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों ट्रेप हुआ। कुचामन डीडवाना एसीबी टीम ने हरियाणा पुलिस के एक सब इंस्पेक्टर और उसकी टीम के कुछ सदस्यों को 6 लाख रुपए की संदिग्ध राशि के साथ पकड़ा है। अजमेर एसीबी की टीम ने कुचामन में यह कार्रवाई की है। पकड़े गए हरियाणा पुलिस के सब इंस्पेक्टर और उसकी टीम के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर मुख्यालय के निर्देश पर अजमेर एसीबी टीम शनिवार देर रात को हरियाणा पुलिस टीम की गाड़ी को पकड़ा। एक सब इंस्पेक्टर और उसकी टीम को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास 6 लाख रुपए की नकदी मिली। अजमेर एसीबी टीम ने इस संदिग्ध राशि के बारे में पूछताछ की तो पुलिसकर्मी जवाब नहीं दे पाए। ऐसे में एसीबी टीम ने उन्हें हिरासत में लिया और एसीबी कार्यालय लेकर आई। हरियाणा पुलिसकर्मियों की गाड़ी एचआर 24 जीबी 2222 को भी जब्त किया गया है। एसीबी मुख्यालय को गोपनीय सूचना मिली थी कि हरियाणा पुलिस के साइबर क्राइम की टीम कुचामन आई हुई है। साइबर ठगी के एक मामले की जांच के लिए कुछ संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए पकड़ा। बाद में उन संदिग्ध लोगों को डरा धमका कर वसूली की गई। सूचना मिलने के तुरंत बाद एसीबी टीम हरकत में आई तो कुचामन के त्रिशिंगिया में दबिश दी जहां हरियाणा पुलिस की टीम ठहरी हुई थी। तलाशी के दौरान 6 लाख रुपए की नकदी मिलने पर सब इंस्पेक्टर सहित उनकी पूरी टीम को हिरासत में ले लिया गया।

पंचों का मनमाना फैसला, महिलाएं यूज नहीं करेंगी स्मार्टफोन

पढ़ने वाली बच्चियां भी समारोह और घर से बाहर मोबाइल नहीं ले जा सकेंगी

जालोर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जालोर जिले में पंचायत ने मनमाना फैसला सुनाया है। 15 गांव की बहू-बेटियों को 26 जनवरी से कैमरे वाला फोन यूज करने पर बैन लगा दिया है।

इतना ही नहीं सार्वजनिक समारोह से लेकर पड़ोसी के घर पर भी फोन ले जाने पर पाबंदी रहेगी। वह स्मार्ट फोन की जगह की-पैड फोन उपयोग में ले सकेंगी।

वहीं, पंचायत के इस फैसले का विरोध शुरू हो गया है। समाज अध्यक्ष ने सफाई देते हुए कहा कि ये फैसला इसलिए लिया गया है कि महिलाओं के पास मोबाइल होने से बच्चे इसका उपयोग करते हैं। इससे आंखें खराब होने का डर रहता है।

दरअसल, रविवार को जालोर जिले के चौधरी समाज सुंधामाता पट्टी की गाजीपुर गांव में बैठक हुई थी। 14 पट्टी के अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी की अध्यक्षता में ये निर्णय

लिया गया।

पढ़ाई करने वाली बच्चियां घर में यूज कर पाएगी मोबाइल

समाज अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी ने बताया कि बैठक में पंच हिम्मताराम ने फैसला पढ़कर सुनाया। हिम्मतराम ने बताया कि देवाराम कारनोल वालों ने ये प्रस्ताव रखा था। इसमें सभी पंचों और लोगों ने चर्चा करते हुए निर्णय लिया कि 15 गांवों की बहू-बेटियां फोन पर बात करने के लिए की-पैड वाला फोन रखेंगी।

इसके साथ ही पढ़ाई करने वाली बच्चियों को मोबाइल रखना अगर जरूरी होगा तो वे अपने घर में ही मोबाइल से पढ़ाई करेंगी। यानि वे घर में ही मोबाइल का यूज कर सकेंगी। शादी समारोह, सामाजिक कार्यक्रम और पड़ोसी के घर पर भी मोबाइल नहीं ले जा सकती हैं।

समाज अध्यक्ष बोले- महिलाओं के पास मोबाइल होने से बच्चे उपयोग करते है

समाज अध्यक्ष सुजनाराम ने बताया कि रविवार को हुई बैठक में मोबाइल के उपयोग को लेकर नियम लागू किए गए हैं।

इसके पीछे कारण ये है कि महिलाओं के पास मोबाइल होने से उनके पास रहने वाले बच्चे इसका उपयोग करते हैं। इससे आंखें खराब होने का डर रहता हैं। इसलिए यह निर्णय जरूरी है।

इन गांवों में 26 जनवरी से लागू होगा नियम

ये नियम पट्टी में आने वाले जालोर जिले के गजीपुरा,पावली, कालड़ा, मनोजिया वास, राजीकावास, दातलावास, राजपुरा, कोड़ी, सिदरोड़ी, आलड़ी, रोपसी, खानादेवल, साविधर, भीनमाल के हाथमी की ढ़ाणी व खानपुर में लागू होगा।

भीषण भिड़ंत के बाद ट्रक-ट्रेलर में लगी आग, ड्राइवर जिंदा जला

भारतमाला एक्सप्रेसवे पर 5 किमी तक जाम

जोधपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर जिले में भारतमाला एक्सप्रेसवे पर हुए जबरदस्त हादसे के बाद ट्रक और ट्रेलर में भीषण आग लग गई। हादसे में एक ड्राइवर जिंदा जल गया। वहीं, उसका साथी गंभीर घायल हो गया। हादसा देर रात ओसियां थाना क्षेत्र के रतन नगर व चण्डालिया के बीच भारत माला हाईवे पर हुआ।

थानाधिकारी राजेन्द्र चौधरी के अनुसार टाइल्स बनाने में प्रयुक्त होने वाली मिट्टी से भरा एक ट्रेलर पंजाब से गुजरात जा रहा था। रात दस बजे ट्रेलर जोधपुर जिले में भारतमाला हाईवे पर रतन नगर व चण्डालिया गांव के बीच पहुंचा, जहां आगे चल रहे मूंगफली से भरे ट्रक से जा टकराया। इससे ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर से जा टकरा गया। ट्रेलर में आग लग गई। कुछ ही पलों में ट्रेलर का केबिन लपटों से घिर गया। चालक के ट्रेलर में ही फंसने और जिंदा जलने से मौत हो गई। वहीं, खलासी घायल हो गया।

एक घंटे बाद 30 किमी दूर से पहुंची दमकल

हादसे के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर टैंकर लाए। आस-पास के ट्यूबवेलों से पानी भरकर ट्रेलर में डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग भीषण हो गई। करीब एक घंटे बाद 30 किमी दूर ओसियां से एक दमकल मौके पर पहुंची। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

आईएएस-एएसपी परिवार के पिता के घर में चोरी

सीसीटीवी में कैद हुआ चोर, जूते छोड़कर फरार!

अलवर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर जिले के खेड़ली कस्बे में शनिवार रात एक चौंकाने वाली चोरी की घटना हुई. चोरों ने प्रशासनिक सेवा में कार्यरत IAS और ASP भाइयों के पिता, रिटायर्ड हेडमास्टर मानसिंह यादव के खाली मकान को निशाना बनाया. घटना नर्सिंग कॉलोनी स्थित तुलसी स्कूल के पास हुई, जहां चोर बाउंड्री कूदकर मकान के अंदर घुसा और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया.

पास के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई. फुटेज में चोर मेन गेट के साइड की दीवार से चढ़कर मकान में प्रवेश करता दिख रहा है. चोरी का सामान लेकर चोर वापस भागते समय अपने जूते बाउंड्री पर छोड़ गया. मकान मालिक और पड़ोसियों ने सुबह गेट का ताला टूटा हुआ देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी. पुलिस फुटेज के आधार पर चोर की पहचान और तलाश में जुटी हुई है, और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोग सतर्क हैं.

पुलिस ने शुरू की जांच, चल रही है तलाश

सूचना मिलते ही खेड़ली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. वर्तमान में चोरी गए सामान की मात्रा का अनुमान नहीं लगाया जा सका क्योंकि मकान मालिक अभी मौके पर नहीं पहुंचे हैं. पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान और उसकी तलाश में जुटी हुई है.

मकान में केवल वे समय-समय पर आते हैं

मकान के मालिक रिटायर्ड हेडमास्टर मानसिंह यादव के दोनों बेटे प्रशासनिक सेवा में कार्यरत हैं. उनके एक बेटे का पद नोएडा में एडिशनल एसपी के रूप में है, जबकि दूसरा बेटा और बहू IAS अधिकारी हैं. परिवार वर्तमान में दिल्ली में निवास करता है, और मकान में केवल वे समय-समय पर आते हैं.

सुरक्षा और चेतावनी

घटना ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं. पुलिस ने पड़ोसियों और स्थानीय लोगों से सतर्क रहने की अपील की है और आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया है.

डबल मर्डर का आरोपी साधु के भेष में गिरफ्तार

केदारनाथ से कुंभ तक पहचान छिपाकर घूमता रहा विजय योगी

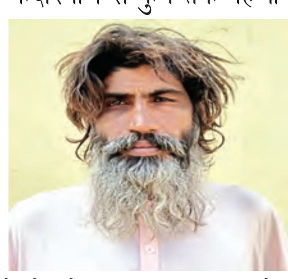

दौसा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले में साइबर सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डबल मर्डर के मामले में तीन वर्षों से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी विजय योगी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हरियाणा के बावल गांव स्थित एक शिव मंदिर आश्रम में साधु के भेष में रह रहा था। साइबर सेल प्रभारी प्रेम नारायण शर्मा के नेतृत्व में टीम ने उसे धर दबोचा। पुलिस के अनुसार, 16 जनवरी 2023 को मंडावर थाना क्षेत्र के पालोदा गांव में आपसी रंजिश के चलते हीरालाल और अलका की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस दोहरे हत्याकांड के बाद आरोपी विजय योगी, निवासी बड़ीन, मौके से फरार हो गया था और तभी से पुलिस की पकड़ से बाहर था। जांच में सामने आया कि फरारी के दौरान विजय योगी ने अपनी पहचान छिपाने के लिए साधु का भेष धारण कर लिया था। वह साधु-संतों के साथ रहते हुए केदारनाथ, बद्रीनाथ, भर्तृहरि, प्रयागराज और कुंभ जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों पर घूमता रहा। हाल के महीनों में उसने हरियाणा के बावल गांव स्थित शिव मंदिर आश्रम में डेरा जमा लिया था, जहां उसने कई अनुयायी भी बना लिए थे। साइबर सेल प्रभारी प्रेम नारायण शर्मा के नेतृत्व में टीम ने ओपन सोर्स इंटेलिजेंस, आधुनिक तकनीकी संसाधनों और पारंपरिक पुलिसिंग का सहारा लिया।

भाजपा विधायक भैराराम सियोल के बदले सुर

हनुमान बेनीवाल को बताया आदर्श, सियासी संकेत

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के दो धुरंधर नेताओं के बीच गजब का याराना है। हालांकि दोनों अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों से हैं, लेकिन दोनों की दोस्ती का रिश्ता कई वर्षों पुराना है। ये नेता हैं हनुमान बेनीवाल और भैराराम सियोल । बेनीवाल राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक हैं और भैराराम सियोल भाजपा के विधायक हैं। भले ही दोनों अलग-अलग दलों से हों, लेकिन दोनों की दोस्ती बहुत पुरानी और गहरी है। भैराराम सियोल के बेटे आकाशदीप का विवाह समारोह था। बेनीवाल विवाह समारोह में पहुंचे तो दोनों की दोस्ती के कई किस्से ताजा हो गए। हनुमान बेनीवाल जब भैराराम सियोल के बेटे के विवाह समारोह में पहुंचे तो सियोल ने कहा कि बेनीवाल उनके बड़े भाई हैं और उनके आदर्श हैं। हर सुख-दुख में उन्होंने साथ दिया है। परिवार पर जब भी कोई दुख की घड़ी आई, तो बेनीवाल जी ने साथ दिया। खुशी के हर अवसर पर भी वे आते रहे हैं।

सियोल ने कहा कि हनुमान बेनीवाल जी में एक बड़ी खासियत है। वह खासियत यह है कि वे अपने दुश्मन को भी कभी गलत सलाह नहीं देते। बिना किसी लाग-लपेट के और बिना स्वार्थ की राजनीति करते हैं।

भाजपा विधायक भैराराम सियोल ने यह भी कहा कि राजनीति में सबकी अपनी-अपनी विचारधारा होती है। सियोल परिवार का कांग्रेस से भी संबंध है और भाजपा की विचारधारा से भी संबंध है, लेकिन हनुमान बेनीवाल से उनका बहुत व्यक्तिगत और पारिवारिक संबंध है। हो सकता है आगामी दिनों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी से भी रिश्ता हो जाए। उन्होंने कहा कि उनके बेटे और पोते-पोतियां आरएलपी से रिश्ता रख सकते हैं। इस दौरान मौजूद लोगों की हंसी छूट पड़ी। कई लोगों ने यह भी कहा कि अगले चुनाव में आप आरएलपी से चुनाव लड़ें। यह सुनकर सियोल मुस्कुराए, लेकिन उन्होंने इस पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी।

पिता ने 14 वर्षीय नाबालिग बेटी को गला रेतकर मार डाला, सनसनीखेज वारदात से इलाके में दहशत

राजसमंद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राजसमंद जिले में एक कलयुगी पिता ने अपनी 14 साल की नाबालिग बेटी की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पिता घर से फरार हो गया। जिसकी तलाश में खमनोर थाना पुलिस जुटी हुई है। पिता द्वारा अपनी नाबालिग बेटी की जघन्य हत्या की इस सनसनीखेज वारदात से इलाके में दहशत फैल गई। थानाधिकारी नरेंद्रसिंह भाटी ने बताया कि नेड़च गांव में मेघवाल बस्ती निवासी जशोदा (14) की उसके पिता नारायणलाल मेघवाल ने गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के पीछे का कोई स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस वारदात के बाद से ही फरार आरोपी पिता की तलाश कर रही है। पुलिस उपाधीक्षक शिप्रा राजावत ने बताया कि नाबालिग मृतका की मां नेड़च में अपने परिवार के साथ नहीं रहती है। पिता नारायणलाल ने अपनी नाबालिग बेटी जशोदा का किसी धारदार हथियार से गला रेत डाला। नाबालिग बेटी स्कूल पढ़ने जाती थी। हत्या की इस वारदात की सूचना पाकर खमनोर थाने से पुलिस अधिकारी व जवान मौके पर पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारीक भी नेड़च पहुंचे और वारदात स्थल का मुआयना किया। नाबालिग बेटी का लहूलुहान शव कमरे में चारपाई के पास फर्श पर पड़ा था।

नकली सोने पर 19 खातों से लिया लोन, 98 लाख रुपए की हेराफेरी, मैनेजर समेत 3 लोग गिरफ्तार

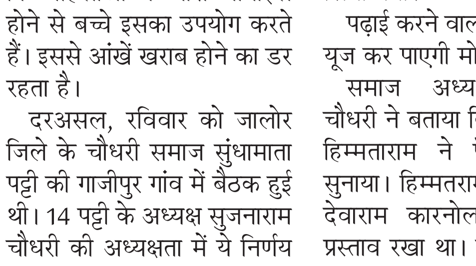

अलवर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बजाज फाइनेंस लिमिटेड की पालावत मार्केट स्थित गोल्ड लोन शाखा में सोने के आभूषणों की अदला-बदली कर 98 लाख 6 हजार 240 रुपए की हेराफेरी के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने तीन आरोपियों देव प्रताप सिंह चौहान, अभिषेक गुप्ता और सुरेंद्र गोयल को गिरफ्तार किया है।

कंपनी के सीनियर मैनेजर ने 9 दिसंबर को पुलिस को दी शिकायत में सीनियर रिलेशनशिप मैनेजर देव प्रताप सिंह चौहान व अभिषेक गुप्ता, रिलेशनशिप मैनेजर योगिता जांगिड़ और सीनियर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव सुरेन्द्र गोयल पर आपराधिक षड्यंत्र रचकर नकली आभूषणों पर लोन स्वीकृत करने, असली गहनों की चोरी और ऑडिट में गुमराह करने का आरोप लगाया था। एएसआइ विजेन्द्र सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया कि आरोपियों ने कंपनी के नियमों को दरकिनार कर कई खातों में गोल्ड लोन स्वीकृत कराए थे। इस पूरे प्रकरण में बड़ी रकम का लेनदेन हुआ है, जिसकी विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस तरह की धोखाधड़ी कब से चल रही थी और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

कंपनी की ऑडिट टीम को कई गोल्ड लोन पैकेटों में असली की जगह नकली आभूषण मिले थे। पूछताछ में देव प्रताप सिंह चौहान ने स्वीकार किया था कि उसने तिजोरी में पहले से रखे कई पैकेटों से असली सोना निकालकर नकली आभूषण रख दिए थे।

पुलिस नाकाबंदी में कार से एक करोड़ 11 लाख की नकदी बरामद, पांच संदिग्ध गिरफ्तार

सवाई माधोपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश से दिल्ली ले जाई जा रही एक स्कॉर्पियो कार से एक करोड़ 11 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। इस मामले में कार सवार पांच संदिग्धों को गिरफ्तार कर वाहन को जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार नकदी के संबंध में आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह मीणा और सीओ हंसराज बैरवा के निर्देशन में जिलेभर में नाकाबंदी कर वाहनों की सघन जांच की जा रही थी। इसी क्रम में रवांजना डूंगर और मानटाउन थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से नाकाबंदी के दौरान मध्यप्रदेश से दिल्ली जा रही एक स्कॉर्पियो कार को रोका। वाहन की आगे और पीछे की नंबर प्लेट पर मिट्टी लगी हुई थी और कार सवारों के हाव-भाव संदिग्ध प्रतीत हुए।

पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पीछे की सीट के नीचे बैग मिले, जिनमें 500, 200, 100 और 50 रुपये के नोटों के बंडल रखे हुए थे। बैंक से नोट गिनने की मशीन मंगवाकर गिनती कराई गई, जिसमें कुल राशि एक करोड़ 11 लाख रुपये पाई गई।

बीरमगुड़ा गौशाला में श्री गौमाता यज्ञ एवं 15वाँ वार्षिकोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीरमगुड़ा के अमीनपुर मंडल स्थित श्री ब्रह्मरम्भा मल्लिकार्जुना स्वामी गौशाला में श्री कामधेनु जीव रक्षा समिति ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री गौमाता यज्ञ एवं 15वाँ वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में चेयरमैन सोहनलाल दायमा व अध्यक्ष ए. दामोदर ने बताया कि प्रातः वेला में मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर ठाकुरजी का श्रृंगार किया गया। तत्पश्चात हवन-यज्ञ, गौपूजन व दीप प्रज्ज्वलित कर वार्षिकोत्सव का भव्य शुभारम्भ सहयोगकर्ता, पदाधिकारियों व गौभक्तों के सान्निध्य में किया गया। पंडित के मंत्रोच्चारण से हवन-यज्ञ कार्यक्रम में गौशाला पदाधिकारियों द्वारा पूजा-अर्चनाकर श्रीफल से आहुति दी गयी।

एक शाम गौमाता के नाम जागरण भजन गायक डॉ. ओमजी मुंडेल (डिगरना) ने तेजाजी महाराज के भजनों की प्रस्तुति दी। भजन गायक दिव्या वैष्णव जोधपुर, देवेन्द्र लांबिया, मंच संचालन शेखर सारस्वत थांवला ने राजस्थानी अंदाज में भजन प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के पावन संत सानिध्य पीर मंगलनाथजी महाराज, श्रीश्री 1008 श्रीनारायणनाथजी महाराज, बाल योगी पीर लक्ष्मणनाथजी महाराज (मेवड़ा), दीपकनाथजी महाराज, महेन्द्र सिंहजी तंवर, श्रीश्री 1008 संत योगी स्वरूपनाथजी महाराज एवं संत धीरजरामजी महाराज के सान्निध्य में आयोजित यज्ञ में उपस्थित मुख्य अतिथि भाजपा तेलंगाना प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर तिवारी , अविनाश देवड़ा, विधायक महिपाल रेड्डी, पांडु रंगा, नरसिंग, अंजी रेड्डी, पुष्पा यादव, एस. आदर्श रेड्डी, प्रवीण सिंह चौहान, कालू सिंह लोध, मनोहर भडियासर, शैलेंद्र उपाध्याय व सर्व समाज अध्यक्ष व सचिव सम्मानित अतिथियों, दान-दाताओं व गौशाला से ट्रस्टियों को मंच पर आमंत्रित कर शॉल, पुष्प मालाओं व स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। वेद सेवा व गौसेवा कार्यों के लिए समस्त गौसेवा दल को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मान किया। श्रीश्री 1008 श्री नारायण नाथ महाराज ने कहा कि गाय बचेगी तभी भारतीय संस्कृती बचेगी। सभी गौभक्तों को प्रतिदिन गौदान करते हुए दिन की शुरूआत करनी चाहिए।

विधायक महिपाल रेड्डी ने बताया कि सभी प्रवासी बन्धु तेलंगानावासी हैं। राज्य के चहुमुखी विकास में प्रवासी बन्धुओं का विशेष सहयोग है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि गौशाला की मदद के लिए वह हमेशा सहयोग करेंगे। विज्ञापन के लाभार्थी पुरुषोत्तम, राजकुमारी मिश्र (ज्ञानबाग कॉलोनी) के सहयोग के लिए आयोजकों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। चेयरमैन सोहनलाल दायमा ने आह्वान किया कि जो सच्चे मन से गौमाता की सेवा करता है, वह हमेशा सुखी सम्पन्न रहता है। उन्होंने बताया कि पांच गौमाताओं से गौशाला का शुभारम्भ कर आज 15वें वार्षिकोत्सव पर गौशाला में 1080 गौवंश व कबूतरों का दानदाताओं के सहयोग से व्यवस्थित सरंक्षण हो रहा है। भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था गौशाला प्रांगण में की गई। इस महोत्सव में करीब 8 से 10 हजार की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महोत्सव में ट्रस्ट बोर्ड चेयरमैन सोहनलाल दायमा, प्रसिडेन्ट ए. दामोदर रेड्डी, वाइस प्रसिडेन्ट अमृतलाल शर्मा, सुखदेव जोशी, के. भुपाल रेड्डी, मंत्री दीपक माली, सहमंत्री मांगीलाल चौधरी, अशोक पारीक, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र तिवाड़ी, संरक्षक ट्रस्टी सुरेशकुमार सिंघल, प्रहलाद दायमा, लक्ष्मीनारायण लोहिया, घनश्याम पटेल ट्रस्टी पुरुषोत्तम तिवाड़ी, श्याम सुन्दर दायमा, वेनाराम चौधरी, मनोजकुमार चोकडा, सुरेन्द्र गोयल, सतीशकुमार सोनी, विनोदकुमार बांगड, राजकुमारी मिश्र, मेघराज तिवाड़ी, महेन्द्र तिवाड़ी, श्यामसुन्दर लोहिया, शिवप्रकाश मंत्री, हर्ष अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण सुंठवाल, महावीर जोशी, रमेशकुमार बोहरा, पुनाराम चौधरी, सीए विनीत पारीक, सानतना बाबू, ए. नरसिम्हा रेड्डी, एल. सत्यनारायण रेड्डी, बी.के राघव रेड्डी, के. मल्लेश (कौन्सलर), जी.वी.वी. गिरी, ए. श्रीनिवास रेड्डी, सीए कोमल, संदीप कोठारी, सीए निकिता अग्रवाल, स्व. भाईलाल पटेल, शांताबेन पटेल, धरमिष्ठाबेन पटेल, अमित पटेल, राधा पटेल, अक्षय पटेल, मानसी पटेल, पी. जयकृष्णा रेड्डी, मनोज जैन, प्रेमराज बोहरा, सुरेश बोहरा, राम गोयल, बचनाराम, प्रेमेश्वर वैष्णव, बी. विठ्ठल, ओमप्रकाश गेहलोत, बी. श्रीनिवास (साई बुक हाऊस), समस्त श्री ब्रह्मराम्भा मल्लिकार्जुना स्वामी गौशाला ट्रस्ट एवं राजस्थानी गौशाला गैर मंडली ३६ कौम, बिरमगुडा, सदस्यों, दान-दाताओं, रामदेव मित्र मंडल, राजस्थानी गैर मंडली, महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा।

ड्रग तस्करी मामले में हैदराबाद पुलिस ने युगांडा की नागरिक को किया डिपोर्ट

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस की नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग (एच-न्यू) ने अवैध रूप से भारत में रह रही और कथित रूप से ड्रग तस्करी में संलिप्त युगांडा की एक महिला नागरिक को गिरफ्तार कर देश से बाहर भेज दिया है। आरोपी की पहचान जूलियाना विक्टर नबिटाका (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे टोलिचौकी इलाके में सत्यापन के दौरान हिरासत में लिया, जहां वह वैध वीजा दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रही।

विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर हैदराबाद पुलिस ने विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) से समन्वय किया, जिसके बाद आरोपी को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, 21 दिसंबर को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उसे युगांडा डिपोर्ट किया गया। हैदराबाद पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में की गई है और शहर को नशा मुक्त बनाने के लिए अभियान जारी रहेगा।

सिकंदराबाद में 6.25 किलोग्राम गांजा जब्त

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने रविवार को सिकंदराबाद में गांजा ले जा रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 6.25 किलोग्राम गांजा बरामद किया। कमिश्नर टास्क फोर्स (उत्तर) की टीम को सूचना मिली कि शहर में अवैध गांजा लाया जा रहा है, जिसके बाद उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान ओडिशा के गोपाल दलाई (28) और सरोज कुमार दलाई (20) के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि दोनों ने ओडिशा से गांजा खरीदा था और उसे शहर में बेचने के उद्देश्य से लाए थे।

एससीआर जीएम ने सुरक्षा उपायों की समीक्षा की, शीतकालीन तैयारियों पर दिया जोर

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रविवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में ट्रेन संचालन सुरक्षा को लेकर एक व्यापक समीक्षा बैठक की।

बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, विभागाध्यक्ष और विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद तथा नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक उपस्थित थे। महाप्रबंधक ने जोन भर में चल रहे सुरक्षा अभियानों की समीक्षा करते हुए सुचारू ट्रेन संचालन, लेवल क्रॉसिंग पर सुरक्षा बढ़ाने और परिचालन कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा नियमों के कड़ाई से पालन पर जोर दिया। उन्होंने निजी साइडिंग के सुरक्षा कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और काउंसलिंग को मजबूत करने के निर्देश दिए।

सुरक्षा से जुड़े प्रमुख मुद्दों में कर्मचारियों के कार्य घंटे, पाथवे और यार्ड में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा की-मैन और पेट्रोलिंग स्टाफ द्वारा अनिवार्य रूप से डेटोनेटर साथ रखने की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

शीतकालीन तैयारियों पर बल देते हुए श्रीवास्तव ने ट्रैक के किनारे झाड़ियों को हटाकर सिग्नल की स्पष्ट दृश्यता सुनिश्चित करने और सर्दियों के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने महत्वपूर्ण लेवल क्रॉसिंग, पुलों और स्टेशन अप्रोच प्वाइंट्स के नियमित निरीक्षण का भी आदेश दिया।

महाप्रबंधक ने कोचों और वैगनों के समय पर पीरियॉडिकल ओवरहॉलिंग (पीओएच) और रूटीन ओवरहॉलिंग (आरओएच) सुनिश्चित करने को कहा, ताकि संचालन सुरक्षा और समयपालन में सुधार हो सके। इसके साथ ही की-मैन के लिए जीपीएस ट्रैकर, वॉकी-टॉकी और ट्रेनों में कोहरे से बचाव उपकरणों की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई।

शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस-बीआरएस कार्यकर्ताओं में झड़प

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिले के चेन्नारावपेट मंडल मुख्यालय में सोमवार को नव निर्वाचित सरपंचों और वार्ड सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उस समय हिंसा भड़क गई, जब कांग्रेस और बीआरएस के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। तीसरे चरण के पंचायत चुनाव में ग्राम पंचायत सरपंच पद पर बीआरएस समर्थित कंडी श्वेता की जीत के बाद आयोजित समारोह में यह घटना घटी।

जानकारी के अनुसार, सरपंच के शपथ ग्रहण के बाद जब वार्ड सदस्यों का शपथ ग्रहण चल रहा था, तभी साउंड सिस्टम पर बीआरएस के पार्टी गीत बजने लगे। इस पर कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताते हुए स्पीकर की आवाज कम करने की मांग की। इसी बात को लेकर दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर प्लास्टिक की कुर्सियां फेंकनी शुरू कर दीं, जिससे मंडल मुख्यालय परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई। घटना में कुछ लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रण में किया। फिलहाल इलाके में शांति है।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.: eT-West-WAT-43-2025
दिनांक: 12.12.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/जगदलपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन मानवयुक्त समपार सं. KK-55, KK-56, KK-59 एवं KK-67 पर सड़क की सतह (Surface) की प्रस्तावित मरम्मत।

विज्ञापित मूल्य: ₹ 19,85,801.15, EMD : ₹ 39,700/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 06 (छह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: 05.01.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-923/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30257088, दिनांक: 15.12.2025

कार्य का नाम : (1) HHP लोकोमोटिव के लिए ELGI के पार्ट नं. 072496269 के अनुलग्नक के अनुसार 54 आइटम वाली RR66101W टाइप वाटर कूल्ड एयर कम्प्रेसर के लिए 6 वर्ष की ओवरहॉलिंग किट, निर्माता / ब्रांड: ELGI, मात्रा : 12 संख्यक।
(2) ELGI निर्मित एयर कम्प्रेसर (RR66101W) के लिए ELGI पार्ट नं. 070404200 के टैपर रोलर बीयरिंग, मात्रा : 35 संख्यक।
(3) ELGI निर्मित एयर कम्प्रेसर मॉडल RR20100CC के लिए स्पेयर (Spares) का सेट, संलग्न अनुलग्नक के अनुसार सेट में 13 आइटम शामिल हैं, मात्रा : 01 सेट।
(4) WAG-9 (3 फेज) इंजनों (Locos) के ELGI निर्मित एयर कम्प्रेसर टाइप RR20100CG(M) के लिए ELGI पार्ट नं. A070078 के अनुसार कनेक्टिंग रॉड (Rod) एवं क्रैंक शाफ्ट असेम्बली। विनिर्देश / ड्रई नं. ELGI पार्ट नं. A070078 के अनुसार स्वीकार्य, मात्रा : 8 संख्यक।
(5) HHP WDG4 डीजल लोकोमोटिव के इस्तेमाल के लिए आइटम का सेट, सेट में नीचे दिए गए विवरण के अनुसार दो आइटम शामिल हैं : (i) ELGI संशोधित पार्ट नं. B013901070010 (पुराना पार्ट नं. 070309350) के रीड वाल्व असेम्बली, मात्रा : 01 संख्यक, (ii) ELGI पार्ट नं. 070407860 के कॉपर वॉशर बीडर, मात्रा : 01 संख्यक, मात्रा : 50 सेट। [वारंटी अवधि : आपूर्ति की तिथि से 30 महीने (सभी क्रम सं. के लिए)], TPI एजेन्सी द्वारा निरीक्षण।

दृष्टव्य : सामग्री 30 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.01.2026 को 1500 बजे।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-924/Q/25-26

बिहार असोसिएशन कार्यकारिणी कार्यकाल विस्तार

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार असोसिएशन हैदराबाद की नई कार्यकारिणी गठन के क्रम में वर्तमान कार्यरत कार्यकारणी समिति को सर्वसम्मति से संगठन के अगले चुनाव तक जारी रखने का निर्णय लिया गया। महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि वर्तमान कार्यकारिणी के समय अवधि पूरा होने के बाद संगठन नई कार्यकारिणी गठन चुनाव हेतु बैठक का आयोजन किया था, जिसमें कार्यकारिणी मंडल द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अध्यक्ष हरे राम सिंह के नेतृत्व वाली कमिटी ही अगले चुनाव तक बने रहेंगे।

अध्यक्ष हरे राम सिंह ने कार्यकाल बढाएं जाने के लिए सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। बैठक में कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा, पूर्व महासचिव, उत्तम यादव, वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य, भारत सिंह, दिनेश सिंह, अखिलेश सिंह, दशरथ यादव, वीरेंद्र प्रसाद सिंह, जितेंद्र गुप्ता, मनोज यादव, गोपाल शाह एवं अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

महेश बैंक के नवनिर्वाचित चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड एवं वाईस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी ने आज पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर निवर्तमान चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने संचालकों को बधाई देकर स्वागत किया।

सड़क हादसे में रिजर्व सब इंस्पेक्टर की मौत

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को मेडिपल्ली के बाहरी इलाके में एक सड़क दुर्घटना में रिजर्व सब इंस्पेक्टर एन रघुपाथी (59) की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, रघुपाथी उप्पल से अन्नोजिगुडा की ओर मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी नरलापल्ली मस्जिद के पास एक लॉरी ने उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। मेडिपल्ली पुलिस ने बताया कि रघुपाथी को हादसे में गंभीर चोटें आईं और वे मौके पर ही घायल अवस्था में दम तोड़ बैठे। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल के मुर्दाघर भेज दिया गया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन न करने को संभावित कारण मान रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

बांग्लादेश में हसीना ...

पुलिस के मुताबिक, शुरूआत में उनकी हालत काफी नाजुक थी। डॉक्टरों ने बताया कि गोली उनके कान के एक तरफ से अंदर गई और फिर त्वचा को चीरते हुए कान की दूसरी तरफ से बाहर निकल गई। यानी गोली सिर के अंदर या दिमाग तक नहीं पहुंची, इसलिए गंभीर अंदरूनी चोट नहीं हुई। पुलिस अधिकारी अनिमेष मंडल ने कहा कि गनीमत रही कि गोली दिमाग तक नहीं पहुंची, जिससे उनकी जान बच गई।

एक साल में ...

प्रति व्यक्ति आय के मामले में पीछे है भारत

भले ही विश्व जीडीपी रैंकिंग 2025 में भारत का स्थान चौथा है, फिर भी प्रति व्यक्ति आय काफी कम है। 2025 में भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,934 डॉलर (लगभग 2.5 लाख रुपये) है, जबकि जापान की प्रति व्यक्ति आय 33,955 डॉलर है। शीर्ष जीडीपी वाले देशों की तुलना में भारत में कम प्रति व्यक्ति आय के कई कारण हैं।

भारत की इकनॉमी को लेकर उन्होंने कहा-आज ऐसा कुछ नहीं है, जो हम नहीं कर सकते है। यही भावना भारत के गांव, रेगिस्तान और पहाड़ों से लेकर शहरों को आगे बढ़ने की ताकत दे रही है। इसका ही नतीजा है कि भारत आज 8.2 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ रेट से आगे बढ़ रहा है। जबकि, दुनिया 2.2 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ रही है। इस तरह हम दुनिया से 3 गुना ज्यादा रफ्तार से बढ़ रहे हैं। जबकि, पूर्वोत्तर भारत के 8 राज्य 11 से 13 फीसदी की रफ्तार से बढ़ रहे है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में नाममात्र रूप से उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे यह विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मजबूती से शामिल हो गया है। हालांकि, अमेरिका और चीन अभी भी काफी आगे हैं, लेकिन जर्मनी जैसी अर्थव्यवस्थाओं के साथ अंतर कम हो गया है क्योंकि भारत अधिकांश विकसित देशों की तुलना में कहीं अधिक गति से विकास कर रहा है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था अत्यधिक परिष्कृत और निर्यात-उन्मुख है, लेकिन बूढ़ी होती आबादी, ऊर्जा की कमी और चुनौतीपूर्ण वैश्विक व्यापार वातावरण के कारण धीमी वृद्धि का सामना कर रही है। इन कारकों ने भारत जैसी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं को इस अंतर को पाटने का अवसर प्रदान किया है।

सिंधिया ने तर्क दिया कि भारत की विकास गाथा मजबूत घरेलू आधारभूत कारकों पर आधारित है। बड़ी और युवा आबादी ने उपभोग को बढ़ावा दिया है और एक बढ़ती हुई कार्यबल प्रदान की है, जबकि बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक निवेश में वृद्धि ने निजी पूंजी को आकर्षित करने में मदद की है। सेवा, विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे उत्पादकता में सुधार हुआ है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका मजबूत हुई है।

ग्राम पंचायत चुनावों में पिछड़ा वर्ग का दबदबा

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने के अपने वादे को पूरा नहीं कर सकी, इसके बावजूद पिछड़े वर्ग समुदाय ने पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में हुए हालिया ग्राम पंचायत चुनावों में अपनी राजनीतिक ताकत का स्पष्ट प्रदर्शन किया। जिले में हुए चुनावों में पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों ने कुल सरपंच सीटों में से 50 प्रतिशत से अधिक पर जीत दर्ज की। आरक्षित सीटों के साथ-साथ बड़ी संख्या में सामान्य सीटों पर भी इस समुदाय के उम्मीदवारों की जीत ने राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान खींचा है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/सी.79/कैटरिंग/ ई-टेंडर्स/3/1/2025 दि.12-12-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे गुंटूर डिवीजन, गुंटूर द्वारा निम्नानुसार 5 वर्ष की अवधि हेतु कैटरिंग युनिट्स को संचालित करने के लिए लाइसेंस प्रदान करने हेतु इच्छुक पार्टीज से ई-बोलियां आमंत्रित हैं।

क्रम सं.	निविदा सूचना संख्या	स्टेशन का नाम व श्रेणी	युनिट का नाम	स्टाल आयडी	पीएफ संख्या	स्थान	निम्न हेतु आरक्षित	वार्षिक सूचित लाइसेंस शुल्क	अग्र धन (इएमडी)	निविदा पध्दति
1	श्रेणी/ 1/2025	गुंटूर-ए	टी स्टाल	जीए मयु	2&3	प्लाटफार्म के मध्य की तरफ	सामान्य या जनरल	5,79,700/-	1,50,800/-	दो पैकेट्स प्रणाली

वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेज का अवलोकन किया जा सकता है तथा इसे वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in पर प्रस्तुत किया जा सकता है। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अनिवार्य तौर पर क्लास-।।। डिजीटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होना चाहिए तथा आईआरईपीएस पोर्टल पर अनिवार्य रुप से पंजीकृत होना चाहिए। इस ई-टेंडरिंग में केवल पंजीकृत निविदाकार /बोलीदाता ही भाग ले सकते हैं। ई-टेंडरिंग में भाग लेने के दौरान सभी उचित दस्तावेज अपलोड किया जाना चाहिए। मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा। नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से आनलाइन में अग्रधन या इएमडी को जमा किया जाना चाहिए।

टिप्पणीः निविदाकार द्वारा डिजीटल सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर करने के साथ प्रापर्टी टेंडर फार्म को अपलोड करना चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियां

प्रकाशित करने की तिथि	12.12.2025
बंद करने की तिथि व समय	08.01.2026 by 15.00 बजे
खोलने की तिथि व समय	08.01.2026 by 15.30 बजे
निविदा आमंत्रण प्राधिकारी	वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, विभागीय रेल प्रबंधक का कार्यालय, गुंटूर डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटूर-6

अधिक जानकारी हेतु बोलीदातागण अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर किसी भी कार्यालयीन दिन में संपर्क कर सकते हैं। तत्संबंधित अधिसूचना को वेबसाइटःhttp://www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

A2087 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/गुंटूर
PUB/1640/25

रेलवे में नियुक्ति ट्रेन मैनेजरों का स्नेह मिलन कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद संभाग के 2006 बैच के ट्रेन मैनेजर ने रविवार को अपनी नियुक्ति के 20 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना से हुआ। महिलाओं ने आरती नृत्य प्रस्तुत किया। नृत्य में मुनमुन, रानी, अनामिका, प्रियंका, खुशबु, रानी, रागिनी, बबली एवं अन्य ने सहभागिता की।

प्राप्ति एवं समृद्धि पाण्डेय, निहारिका, सौम्या, आशी, मास्टर दर्श, मास्टर अहान एवं मास्टर अधर्व ने एक से बढ़कर एक सुंदर व मनमोहक प्रस्तुति देकर मन मोह लिया। इसके उपरांत युगल पर्तिस्पर्धा का भी आयोजन किया गया जिसमें पति एवं पत्नी का एक दूसरे की पसंद, नापसंद इत्यादि पर प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम हुआ। इस प्रतियोगिता में नीरज-नेहा व सुमन-प्रणिता ने प्रथम व् द्वितीय स्थान प्राप्त किया। खेल के मैदान में रस्सी खींच प्रतियोगिता, महिला एवं पुरुष दौड़ प्रतियोगिता हुई, महिला दौड़ में खुशबू व रानी प्रथम व द्वितीय रहीं। बच्चों की दौड़ प्रतियोगिता में डुग्गू व आराध्या ने बाजी मारी। दोपहर में भोजन के पश्चात एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें पिछले बीस वर्ष के दौरान विजय कुमार ठाकुर व स्व आर एस साहू जिनका असामयिक निधन हो गया उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। उपस्थित सभी सदस्यों को रेल में 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मोमेंटो, सूक्ष्म भगवद्गीता एवं हनुमान चालीसा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अजीत शिवशंकर, राजेश कुमार पाण्डेय, आशीष रंजन, धर्मेंद्र कुमार, सुजीत कुमार, पंकज सिंह, उत्तम दत्ता, निशांत कुमार, पंकज कुमार, गौतम कुमार, कृष्ण मोहन पाण्डेय, दानेश्वर खान, एस के सिन्हा, आर ए सी सिन्हा, राजेश दूबे, सुदीप मधुकर, चंद्र भूषण, नन्द किशोर, अनुज सिंह, धनराज कुमार, कमलाकर किशोर, नीरज कुमार, प्रकाश कुमार, संतोष कुमार, मनीष कुमार सिन्हा, सुमन चौधरी एवं अजय कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे।

समाजसेवी सुभाष रेड्डी ने ग्राम पंचायतों को फर्नीचर देने की घोषणा

कामारेड्डी, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्र के समाजसेवी तिम्मयागरी सुभाष रेड्डी ने कामारेड्डी विधानसभा क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों को 2.2 लाख रुपये तक का फर्नीचर उपलब्ध कराने का ऐलान किया है। यह पहल नव निर्वाचित सरपंचों के कार्यालयों के लिए की जा रही है, जिससे उनके कामकाज में सुविधा बढ़ सके। सुभाष रेड्डी ने बताया कि पिछले चार वर्षों में उन्होंने शिक्षा और सामाजिक विकास के क्षेत्र में कई परियोजनाओं का समर्थन किया है, जिसमें बिबीपेट में 6 करोड़ रुपये की लागत से एक सरकारी स्कूल भवन का निर्माण शामिल है।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सं. CAOCRSPBBS-32-2025
दिनांक : 12.12.2025

कार्य का नाम : खोरधा रोड मण्डल के अधीन झाडुपुडि रेलवे स्टेशन-सोम्पेटा रेलवे स्टेशन मेन लाइन के बीच रेलवे चेनेज (Chainage) 642/05-07 कि.मी. पर समपार-342 के बदले में प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज के रेलवे अंश के लिए 1 X 36.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 4 X 24.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर के रोड ओवर ब्रिज (ROB) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 56,02,12,104.71, EMD : ₹ 29,51,100/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 24 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 20.01.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B, G & G1 जमा करने साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता / निर्माण / RSP / भुवनेश्वर
PR-196/CI/25-26

ब्रेन डेड घोषित रेलकर्मी के परिवार ने किया अंगदान

चार मरीजों को मिला जीवनदान

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे में इलेक्ट्रीशियन के रूप में कार्यरत 38 वर्षीय श्रीनिवास मर्री के परिवार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए उनके अंगों का दान कर जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन दिया। डॉक्टरों द्वारा ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद परिजनों ने यह सराहनीय निर्णय लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 13 दिसंबर को श्रीनिवास ट्रेन की छत पर यांत्रिक कार्य कर रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे करीब 20 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर पड़े। गंभीर रूप से घायल होने पर उन्हें पहले रेलवे अस्पताल ले जाया गया, जहां से बाद में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉक्टरों द्वारा लगातार इलाज और आपातकालीन उपचार के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। आखिरकार 21 दिसंबर को चिकित्सकों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इस कठिन समय में उनकी पत्नी मर्रा रत्ना कुमारी ने साहसिक निर्णय लेते हुए अंगदान के लिए सहमति दी। 'जीवंदन' अंगदान पहल के तहत श्रीनिवास के गुर्दे, यकृत, हृदय और फेफड़े दान किए गए, जिससे चार जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिला। परिवार के इस फैसले की चिकित्सकों और समाज के विभिन्न वर्गों ने सराहना की है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

करनाल के निशांत देव की अफ्रीका में धमाकेदार जीत

चौथे राउंड में तंजानिया का बॉक्सर ढेर, बॉक्सिंग इवेंट में लाइट मिडिलवेट मुकाबला

घाना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अफ्रीका में भारत के उभरते बॉक्सिंग सितारे ने एक बार फिर तिरंगा ऊंचा किया है। करनाल शहर के बेटे निशांत देव ने घाना में खेले गए अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए तंजानिया के बॉक्सर को तकनीकी नॉकआउट से पराजित कर दिया। मुकाबले में निशांत ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने अनुभव, ताकत व रणनीति का बेहतरीन तालमेल दिखाया।

इस जीत के साथ उन्होंने प्रोफेशनल बॉक्सिंग में अपनी अजेय लय को बरकरार रखा और वैश्विक मंच पर भारत की मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई।

घाना के अक्रा में हुआ मुकाबला

यह मुकाबला घाना की राजधानी अक्रा के लेगॉन स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित मैच रूम बॉक्सिंग इवेंट का हिस्सा था। लाइट मिडिलवेट 71 किग्रा वर्ग में खेले गए मुकाबले में निशांत देव का सामना तंजानिया के एली म्कुंगवा से हुआ। शुरुआती तीन राउंड में निशांत ने बेहतरीन फुटवर्क, तेज पंच और मजबूत डिफेंस के दम पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा।

चौथे राउंड में निशांत के लगातार प्रभावी वारों को देखते हुए रेफरी ने मुकाबला रोकते हुए तकनीकी नॉकआउट घोषित कर दिया।

पांचवीं लगातार प्रोफेशनल जीत, रिकॉर्ड हुआ 5-0

इस जीत के साथ निशांत देव का प्रोफेशनल रिकॉर्ड 5-0 हो गया है, जिसमें से 3 मुकाबले नॉकआउट से जीते गए हैं। जनवरी 2025 में प्रो करियर की शुरुआत करने वाले निशांत अब तक अजेय हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जिस निरंतरता और आत्मविश्वास के साथ वह मुकाबले जीत रहे हैं, वह उन्हें भविष्य का बड़ा सुपरस्टार बना सकता है। यह मुकाबला उनके साल का आखिरी प्रोफेशनल फाइट भी रहा।

सोशल मीडिया पर जताया आभार

मैच के बाद निशांत देव ने सोशल मीडिया पर इस जीत को "साल का आखिरी मुकाबला" बताते हुए अपनी टीम और प्रशंसकों का आभार जताया। उन्होंने लिखा कि हर जीत के पीछे कोच, सपोर्ट स्टाफ और परिवार का बड़ा योगदान होता है। उनके इस संदेश के बाद देशभर से उन्हें बधाइयों का तांता लग गया।

भारत का टॉप-3 में प्रदर्शन, अमेरिका और चीन से आगे

यह इवेंट इसलिए भी खास रहा, क्योंकि इसमें भारत ने उद्घाटन विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में टॉप-3 में जगह बनाई। भारत का प्रदर्शन अमेरिका और चीन जैसे मजबूत देशों से भी बेहतर रहा, जिसने भारतीय बॉक्सिंग की बढ़ती ताकत को दुनिया के सामने रखा।

करनाल से कैलिफोर्निया तक का सफर

करनाल (हरियाणा) में 23 दिसंबर 2000 को जन्मे निशांत देव साउथ पॉ बॉक्सर हैं। उनकी लंबाई 6 फीट 1 इंच है, जो रिंग में उन्हें अतिरिक्त बढ़त देती है। उन्होंने 2012 में बॉक्सिंग की शुरुआत की थी। करनाल के कर्ण स्टेडियम में कोच सुरेंद्र चौहान से शुरुआती प्रशिक्षण लिया। उनके चाचा, जो स्वयं प्रो बॉक्सर रहे हैं, उनसे प्रेरित होकर निशांत ने यह रास्ता चुना।

पिता बोले- बचपन से ही दिखता था जुनून

निशांत के पिता देव पवन कुमार बताते हैं कि बेटे की खेल के प्रति लगन बचपन से साफ नजर आती थी। वह पांचवीं कक्षा से ही कर्ण स्टेडियम में प्रैक्टिस करता था और सुबह सबसे पहले उठकर सबको जगाता था। पिता ने बताया कि निशांत ने 6 से 7 साल तक बैंगलोर में कड़ी ट्रेनिंग की और पिछले अक्टूबर से अमेरिका में अभ्यास कर रहा है। उन्होंने कहा कि जो सपना उसने देखा था, उसे अब साकार कर रहा है।

एमेच्योर करियर में भी चमकदार उपलब्धियां

निशांत का एमेच्योर करियर भी उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने 2021 नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड और 2023 नेशनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। 2021 सर्बिया वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया। 2022 में चोट के कारण एशियन और कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा नहीं ले सके। 2023 में ताशकंद वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

पेरिस ओलिंपिक में निशांत ने राउंड ऑफ 16 में जीत दर्ज की, हालांकि क्वार्टरफाइनल में उन्हें विवादास्पद हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने प्रोफेशनल बॉक्सिंग का रास्ता चुना और एडी हर्न की मैच रूम बॉक्सिंग से साइन किया।

वर्ल्डकप हार पर रोहित बोले *मैं पूरी तरह टूट चुका था*

क्रिकेट छोड़ने का मन बना लिया था

मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। रोहित शर्मा ने हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार को लेकर बड़ा और भावुक खुलासा किया. उन्होंने बताया कि उस हार के बाद वे मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुके थे और कुछ समय के लिए उनके मन में क्रिकेट छोड़ने का विचार तक आ गया था. रोहित शर्मा ने कहा कि वर्ल्ड कप फाइनल में हार उनके करियर के सबसे कठिन पलों में से एक थी. उन्होंने स्वीकार किया कि उस समय ऐसा लग रहा था मानो इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया हो और उनके अंदर आगे खेलने की ताकत ही नहीं बची थी.

रोहित ने बताया कि 2023 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद वे अंदर से पूरी तरह खाली महसूस कर रहे थे. उन्होंने कहा कि उन्हें लगने लगा था कि अब वे क्रिकेट के साथ आगे नहीं बढ़ सकते. मानसिक थकावट इतनी ज्यादा थी कि कुछ समय के लिए उन्होंने खुद को खेल से दूर करने का फैसला भी कर लिया था.

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक मैच की हार नहीं थी, बल्कि महीनों की मेहनत, उम्मीदों और सपनों के टूटने का दर्द था. उस वक्त वे किसी भी तरह की क्रिकेट गतिविधि में खुद को शामिल करने की स्थिति में नहीं थे. भारतीय टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 2023 वनडे वर्ल्ड कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया था. टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में लगातार 10 मुकाबले जीते और फाइनल तक अपराजित रही. हर मैच में टीम का दबदबा देखने को मिला और देशभर में खिताब जीतने की उम्मीदें चरम पर थीं. लेकिन अहमदाबाद में खेले गए खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार खेल दिखाते हुए भारत को 6 विकेट से हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम कर लिया. इस हार ने न सिर्फ खिलाड़ियों को, बल्कि करोड़ों भारतीय प्रशंसकों को भी गहरी निराशा में डाल दिया. रोहित शर्मा ने बताया कि यह हार उनके लिए इसलिए भी ज्यादा निजी थी क्योंकि 2022 में कप्तान बनने के बाद उन्होंने इस वर्ल्ड कप को अपना सबसे बड़ा लक्ष्य बनाया था. उन्होंने अपनी पूरी ऊर्जा, अनुभव और सोच इस टूर्नामेंट में झोंक दी थी.

उन्होंने कहा कि फाइनल के बाद हर कोई निराश था और उन्हें खुद यकीन नहीं हो रहा था कि टीम इंडिया ट्रॉफी जीतने से चूक गई. वह दौर उनके लिए मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण रहा.

रोहित ने आगे बताया कि फाइनल हार के बाद उनके शरीर और दिमाग में कोई ऊर्जा नहीं बची थी. उन्हें सामान्य स्थिति में लौटने में कई महीने लग गए. उस समय उन्होंने खुद से लंबी बातचीत की और अपने क्रिकेट के सफर को दोबारा समझने की कोशिश की.

धीरे-धीरे उन्हें एहसास हुआ कि एक हार से जिंदगी खत्म नहीं होती. उन्होंने इसे सीखने का मौका माना और खुद को मानसिक रूप से मजबूत बनाने पर काम किया.

इस आत्ममंथन का असर जल्द ही देखने को मिला. रोहित शर्मा ने वापसी करते हुए 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम को खिताबी जीत दिलाई. यह जीत उनके लिए सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस कठिन दौर से बाहर निकलने की सबसे बड़ी पहचान थी. रोहित ने कहा कि उस समय जो दर्द था, वह अब उन्हें जिंदगी का एक अहम सबक लगता है. उन्होंने सीखा कि असफलता से कैसे उबरना है और नई शुरुआत कैसे करनी है.

भूटिया ने खेल आयोजनों में राजनीतिक औपचारिकताओं पर नाराजगी जताई

बोले- उम्मीद है चलन बदलेगा

कोलकाता, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व फुटबॉल कप्तान बाइचुंग भूटिया ने कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में अर्जेंटीना के स्टार बल्लेबाज लियोनेल मेसी के सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हुई अव्यवस्था को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि खेल आयोजनों को राजनीतिक और नौकरशाही औपचारिकताओं से ज्यादा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भूटिया ने कहा कि प्रशंसक राजनीतिक भाषणों या औपचारिक देरी के लिए नहीं बल्कि खेल और खिलाड़ियों को देखने आते हैं।

आयोजनों में देरी पर भूटिया ने जताई नाराजगी

भूटिया ने कहा, मेरा मानना है कि जब कोई खेल आयोजन होता है तो खेल को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारत में कई बार हम देखते हैं कि खेल आयोजनों में राजनीतिक भाषणों, मुख्य अतिथि से हाथ मिलाने जैसी औपचारिकताओं के कारण देरी होती है। इसकी जरूरत नहीं है। प्रशंसक और खिलाड़ी खेल देखने आते हैं इसलिए वीआईपी का इंतजार करने के बजाय खेल शुरू होना चाहिए।

अर्जेंटीना के सुपरस्टार मेसी के हालिया जीओएटी भारत दौरे के बारे में भूटिया ने कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि सिर्फ कोलकाता ही नहीं बल्कि अलग-अलग शहरों में भी प्रशंसक केवल खेल आयोजन देखना चाहते थे। वे सिर्फ मेसी को देखना चाहते थे और कुछ नहीं। मुझे उम्मीद है कि हम कोलकाता में हुई अव्यवस्था से सबक लेंगे और यह चलन बदलेगा।

यशस्वी जायसवाल को टी-20 टीम में मौका क्यों नहीं

मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है.सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है.शुभमन गिल को टीम से ड्रॉप कर दिया गया है और भारतीय स्टार ओपनर यशस्वी जायसवाल को भी टीम में शामिल नहीं किया गया. इसे लेकर चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने कहा, ₹हम पूछ रहे हैं कि हर किसी की राय में सबसे अच्छी पोजीशन क्या है. क्या किसी के साथ समझौता किया जा रहा है? एक क्वालिटी खिलाड़ी टीम में आ रहा है. अब कोई जायसवाल के बारे में बात नहीं कर रहा है, जबकि वह पिछली वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे. उम्मीद है कि वर्ल्ड कप आने तक हम सब कुछ ठीक कर लेंगे,

बीसीसीआई के सचिव देवजित सैकिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में टी20 विश्व कप 2026 के साथ-साथ न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा की.न्यूजीलैंड सीरीज में भी टी20 विश्व कप वाली टीम ही खेलेगी. इस अवसर पर भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी मौजूद रहे.

भारतीय टीम में कौन-कौन?

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में घोषित 15 सदस्यीय टीम से शुभमन गिल की छुट्टी कर दी गई है .शुभमन लंबे समय से टी20 फॉर्मेट में निराशाजनक प्रदर्शन कर रहे थे. गिल की जगह विश्व कप में ऑलराउंडर अक्षर पटेल को उपकप्तान बनाया गया है.

टीम में संजू सैमसन विकेटकीपर बल्लेबाज हैं. अभिषेक शर्मा के साथ वही पारी की शुरुआत करेंगे.दूसरे विकेटकीपर के रूप में ईशान किशन को टीम में जगह मिली है.किशन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बतौर बल्लेबाज शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है.किशन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शीर्ष स्कोरर रहे थे.किशन की लंबे समय बाद टीम इंडिया में एंट्री हुई है. तिलक वर्मा भी टीम में हैं, जबकि लंबे समय बाद मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह की टीम में वापसी हुई है.

ऑलराउंडर के रूप में अक्षर पटेल के अलावा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया है.वहीं वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव के रूप में दो विशेषज्ञ स्पिनर हैं. जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा के रूप में तीन तेज गेंदबाजों को मौका दिया गया है. टी20 विश्व कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होना है.विश्व कप 7 फरवरी से शुरू होगा.

गुलवीर सिंह और सीमा ने तोड़े रिकॉर्ड, जोशुआ चेप्टेगी ने दिखाया विश्वस्तरीय दम

कोलकाता, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। ठंडी सर्दी की सुबह कोलकाता में टाटा स्टील वर्ल्ड 25के ने रोमांचक नजारा पेश किया। रिकॉर्ड टूटे, चैंपियनों ने अपना दबदबा दिखाया और भारतीय लंबी दूरी की दौड़ ने एक और मजबूत छलांग लगाई। अंतरराष्ट्रीय पुरुष वर्ग में जहां युगांडा के दिग्गज जोशुआ चेप्टेगी ने अपनी बादशाहत साबित की, वहीं दिन भारत के गुलवीर सिंह और सीमा के नाम रहा, जिन्होंने अपने-अपने वर्ग में नए कोर्स रिकॉर्ड कायम किए।

डबल ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी ने शुरुआत से ही रफ्तार तय की और पूरी रेस में बढ़त बनाए रखी। उन्होंने 1:11:49 के समय के साथ अपना पहला खिताब जीता। तंजानिया के अल्फॉन्स फेलिक्स सिउम्बु (1:11:56) दूसरे और लेसोथो के टेबेलो रामाकोन्गोआना

(1:11:59) तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि 2023 में बने 1:11:13 के कोर्स रिकॉर्ड को तोड़ नहीं सके, लेकिन चेप्टेगी की संयमित और प्रभावशाली दौड़ ने उनकी श्रेष्ठता फिर साबित कर दी। अंतिम चार किलोमीटर में उन्होंने रफ्तार बढ़ाकर प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। रेस के बाद चेप्टेगी ने कहा, मेरे लिए रिकॉर्ड से ज्यादा जीत मायने रखती है। कोलकाता लौटकर जीतना खास है। यह जीत मुझे आगे की मैराथन की तैयारी के लिए आत्मविश्वास देती है।

अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ग में इथियोपिया की डेगितु अजीमेरॉ ने दो बार की चैंपियन सुतुमे असेफा केबेड़े को हराकर खिताब जीता। उन्होंने 1:19:36 के समय के साथ शुरुआत से अंत तक बढ़त बनाए रखी। सुतुमे 1:20:28 के साथ दूसरे और मेसेलेच अलेमायेहु 1:20:48 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। डेगितु की जीत के बावजूद महिला वर्ग का कोर्स रिकॉर्ड सुतुमे के नाम ही रहा। डेगितु ने कहा, शुरुआत में यह मेरी योजना नहीं थी, लेकिन 10 किमी के बाद लय बनी और मैंने रफ्तार बढ़ाई। जीत से बेहद खुश हूं।

दिन की सबसे प्रभावशाली कहानी भारतीय पुरुष वर्ग से आई, जहां गुलवीर सिंह ने शानदार दौड़ लगाते हुए अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 1:12:06 के समय के साथ 2024 में बनाए गए 1:14:10 के रिकॉर्ड को दो मिनट से ज्यादा सुधार दिया। हरमनजोत सिंह (1:15:11) दूसरे और सावन बरवाल (1:15:25) तीसरे स्थान पर रहे। गुलवीर ने कहा, रिकॉर्ड मेहनत और निरंतरता से बनते हैं। मेरा लक्ष्य हर दिन खुद से बेहतर बनना है।

न्यूजीलैंड ने तीसरा टेस्ट 323 रन से जीता

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज 2-0 से जीती

खेल डेस्क, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरा टेस्ट 323 रन के बड़े अंतर से जीत लिया है. इसी के साथ उसने 3 टेस्ट की सीरीज भी अपने नाम कर ली है. सीरीज में 2 मुकाबले न्यूजीलैंड ने जीते, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा था. 3 टेस्ट की सीरीज को जिताने में गेंद से न्यूजीलैंड के उस खिलाड़ी की बड़ी भूमिका रही है. हम बात कर रहे हैं जैकब डफी की, जिनकी मोहब्बत मिसाल है. डफी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ ना सिर्फ तीसरे टेस्ट में बल्कि पूरी सीरीज में ही, कमाल का प्रदर्शन किया है.

तीसरे टेस्ट की बात करें तो न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के सामने जीत के लिए 462 रन का टारगेट दिया था. जवाब में वेस्टइंडीज की दूसरी पारी 138 रन पर ही सिमट गई. इस तरह वेस्टइंडीज को 323 रन से हार का सामना करना पड़ा. न्यूजीलैंड की इस जीत में बल्ले से टॉम लैथम, डेवन कॉनवे तो गेंद से जैकब डफी की बड़ी भूमिका रही. तीसरे टेस्ट में दोहरे शतक के साथ 327 रन ठोकने के बाद डेवन कॉनवे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. वहीं जैकब डफी प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए. 31 साल के जैकब डफी दाएं हाथ के मिडियम पेसर हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए 23 विकेट चटकाए हैं. इसमें से 9 विकेट अकेले उन्होंने तीसरे टेस्ट में लिए. जैकब डफी ने तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट

चटकाने के बाद सेकंड इनिंग में 5 विकेट लिए. इससे पहले सीरीज के दूसरे टेस्ट में उन्होंने 6 विकेट लिए थे, जबकि पहले टेस्ट में 8 विकेट चटकाए थे. टेस्ट की एक पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा करियर में जैकब डफी ने तीसरी बार किया है, जिसमें दो बार इसी सीरीज में लिए.

जैकब डफी के मोहब्बत की कहानी भी कमाल रही है, जिसकी शुरुआत तभी से हो गई थी, जब वो जवां हो रहे थे. जैकब डफी की पत्नी का नाम नताशा है, डफी भले ही आज एक सफल क्रिकेटर बन चुके हों. मगर नताशा उनका साथ तब से निभा रही हैं, जब वो कुछ भी नहीं थे. डफी की हर चीज का ख्याल नताशा अच्छे से रखती है. वो दुनिया में चाहे जहां भी क्रिकेट खेल रहे हों, नताशा उनके साथ दिख ही जाती हैं. दोनों ने अप्रैल 2023 में शादी की थी.

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 23 विकेट लेने के साथ ही जैकब डफी ने कुछ ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी तोड़े हैं. उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए एक साल में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने का रिकॉर्ड तोड़ा है.

वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया की धमाकेदार वापसी, पहले ही मैच में श्रीलंका को रौंदा

विशाखापत्तनम, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पहली बार वर्ल्ड कप जीतने के ठीक 48 दिन बाद मैदान पर लौटी भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आते ही चैंपियन वाले तेवर दिखा दिए. आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतने के बाद अपने पहले ही मैच में टीम इंडिया ने श्रीलंका को आसानी से हरा दिया. विशाखापत्तनम में शुरू हुई 5 टी20 मैच की सीरीज के पहले मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर की टीम ने दमदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका को 8 विकेट से शिकस्त दी. वर्ल्ड कप की प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अपनी गेंदबाजी से कमाल दिखाया, जिसके बाद जेमिमा रॉड्रिग्ज ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली.

2 नवंबर को वनडे वर्ल्ड कप में खिताबी जीत के बाद टीम इंडिया 21 दिसंबर को पहली बार मैदान पर उतरी. वैसे तो ये सीरीज टी20 फॉर्मेट में हो रही है लेकिन टीम इंडिया ने यहां भी वैसा ही दबदबा दिखाया, जैसा उसने वर्ल्ड कप

रखा था. इसका एक बड़ा कारण खिताब जीतने वाली टीम के ही ज्यादातर सदस्यों का इस फॉर्मेट के स्क्वॉड में होना भी रहा. हालांकि टीम इंडिया ने 20 साल की स्पिनर वैष्णवी शर्मा को इस मैच में इंटरनेशनल डेब्यू का मौका दिया और युवा गेंदबाज ने 4 ओवर में सिर्फ 16 रन देकर प्रभावित किया. श्रीलंका ने इस मैच में पहले बैटिंग की और तीसरे ओवर में ही काफी हद तक साफ हो गया था कि उसके लिए बड़ा स्कोर खड़ा करना मुश्किल होगा. वर्ल्ड कप में असरदार बॉलिंग करने वाली तेज गेंदबाज क्रांति गौड ने इस ओवर में श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू को बोल्ड कर दिया. इसके बाद तो श्रीलंकाई खिलाड़ी वनडे मैच की रफ्तार से बल्लेबाजी करते रहे और किसी तरह 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 121 रन तक पहुंच पाए. उसके लिए ओपनर विश्मी गुणारत्ने ने 43 गेंदों में 39 रन बनाए. भारत के लिए दीप्ति ने 4 ओवर में 20 रन देकर 1 विकेट लिया, जबकि क्रांति और श्री चरणी को भी 1-1 सफलता मिली.

टीम इंडिया की जवाबी पारी हालांकि अच्छे अंदाज में शुरू नहीं हो पाई और दूसरे ओवर में ही ओपनर शेफाली वर्मा आउट हो गईं. मगर इसके बाद स्मृति मंधाना और जेमिमा ने पारी को आगे बढ़ाया. शादी टूटने के दुख से उबरकर मैदान पर वापसी कर रहीं स्मृति (25) ने कुछ कमाल के शॉट लगाए और जेमिमा के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की. मगर वो अपनी पारी को ज्यादा आगे नहीं बढ़ा सकीं.

स्मृति मंधाना ने लौटते ही तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड

शादी टूटने के बाद पहले मैच में रचा इतिहास

विशाखापत्तनम में भारत और श्रीलंका के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच खेला गया, इस दौरान ही मंधाना ने अपनी छोटी पारी के दौरान रिकॉर्ड बनाया. डेढ़ महीने से भी ज्यादा वक्त में टीम इंडिया अपना पहला मैच खेलने उतरी और इसमें कमाल कर दिया. विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 मैच में टीम इंडिया ने जेमिमा रॉड्रिग्ज की बेहतरीन 69 रन की पारी और दीप्ति शर्मा समेत अन्य गेंदबाजों के दम पर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज की. भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज और उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने भी इस मैच से वापसी की, जिनके लिए पिछला डेढ़ महीना उतार-चढ़ाव भरा रहा. जहां उन्होंने टीम इंडिया को पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई तो वहीं अचानक आखिरी वक्त पर उन्हें अपनी शादी तोड़नी पड़ी. मंधाना ने इस मैच में बहुत बड़ी पारी तो नहीं खेली और 25 रन बनाकर आउट हो गईं लेकिन इस दौरान उन्होंने एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. अपनी पारी के दौरान स्मृति मंधाना महिला टी20 इंटरनेशनल में 4000 रन बनाने वाली भारत की पहली बल्लेबाज बन गईं. ये अपने आप में बड़ी उपलब्धि है लेकिन वर्ल्ड रिकॉर्ड ये नहीं है.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हैदराबाद में शीतकालीन प्रवास का समापन किया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को सिकंदराबाद स्थित राष्ट्रपति निलयम में अपना वार्षिक शीतकालीन प्रवास सफलतापूर्वक पूरा किया।

राष्ट्रपति हकीमपेट वायुसेना स्टेशन से रवाना हुईं, जहां उन्हें राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, मंत्री सीतक्का, सरकारी सलाहकार हरकारा वेंकटेश्वर राव, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विदा किया। अपने प्रवास के दौरान राष्ट्रपति ने कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया।

उन्होंने राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए पारदर्शिता और प्रशासनिक उत्कृष्टता पर जोर दिया। इसके अलावा, ब्रह्माकुमारी संस्था के भारत का शाश्वत ज्ञान सम्मेलन में मुख्य वक्तव्य देते हुए भारत की आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक शांति का मार्ग बताया।

परंपरा के अनुसार, राष्ट्रपति ने रविवार को एट होम स्वागत समारोह आयोजित किया, जिसमें राज्य के गणमान्य व्यक्तियों और स्थानीय नेताओं ने भाग लिया। उन्होंने 165 वर्ष पुराने ऐतिहासिक राष्ट्रपति निलयम के संरक्षण कार्यों, पुनर्स्थापित बावड़ियों और नॉलेज गैलरी का भी निरीक्षण किया। यह वार्षिक प्रवास केंद्र सरकार और दक्षिणी राज्यों के बीच सेतु का कार्य करता है तथा राष्ट्रीय राजधानी से बाहर राष्ट्रपति की उपस्थिति और आधिकारिक कार्यों को सुदृढ़ करता है।

जीप-लॉरी टक्कर में तीन मजदूरों की मौत, 11 घायल

मंचेरियल, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के मंचेरियल-हैदराबाद राज्य राजमार्ग पर इंद्रम गांव के पास एक जीप के खड़ी लॉरी से टकराने से तीन दिहाड़ी मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घायलों को मंचेरियल के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और शवों को पहचान के लिए सुरक्षित रखा गया है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में जीप चालक की लापरवाही और तेज गति मुख्य कारण मानी जा रही है। दुर्घटना के समय मजदूर महाराष्ट्र के थे और वे धान के पौधे लगाने के लिए करीमनगर जिले जा रहे थे। तेलंगाना के किसान पड़ोसी राज्यों के मजदूरों को उनकी उच्च कार्यकुशलता और कम लागत के कारण काम पर रखते हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारी घटनास्थल की छानबीन कर रहे हैं और दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घायलों का इलाज जारी है और अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतने की अपील की है।

सीतक्का ने मनरेगा की रक्षा के लिए गांवों में प्रस्ताव पारित करने का आह्वान किया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का ने कहा है कि देश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की रक्षा करना जनता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस योजना को सुरक्षित रखने के लिए गांवों में प्रस्ताव (रिजॉल्यूशन) पारित कराएगी।

सोमवार को गांधी भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने बताया कि इन प्रस्तावों में मनरेगा का नाम बदलने के प्रयासों का विरोध किया जाएगा और इन्हें केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। इसके अलावा, 27 या 28 दिसंबर को रैलियों का आयोजन कर केंद्र पर दबाव बनाया जाएगा।

सीतक्का ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने पलायन रोकने और बंधुआ मजदूरी से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से यह कानून लागू किया था, लेकिन भाजपा सरकार ने रोजगार गारंटी योजना को कमजोर कर दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार गारंटी अधिनियम से गांधी जी का नाम हटाकर भाजपा ने एक बार फिर गांधी की हत्या की है। भाजपा इस योजना को समाप्त कर बंधुआ मजदूरी की व्यवस्था वापस लाना चाहती है।

मंत्री ने हथकरघा उत्पाद खरीद कर बुनकरों को सशक्त बनाने की अपील की

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का ने सोमवार को हैदराबाद के आबिड्स में स्थित तेलंगाना राज्य हथकरघा सहकारी संस्था (टीजीएससीओ) की दुकान का दौरा किया।

इस अवसर पर हथकरघा एवं वस्त्र विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामैयर ने मंत्री का स्वागत किया और दुकान के विभिन्न अनुभागों की जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि हथकरघा बुनकर पीढ़ियों के अनुभव, कौशल और कठिन परिश्रम से सुंदर डिजाइन वाली साड़ियां तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध साड़ियां परंपरा की प्रतीक होने के साथ-साथ आधुनिक महिलाओं को भी आकर्षित कर रही हैं।

सीतक्का ने कहा कि हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देकर हम बुनकरों की मेहनत और समर्पण का सम्मान कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे टीजीएससीओ जैसे सरकारी उद्देश्य से संचालित हथकरघा एम्पोरियम्स से त्योहारों और शुभ अवसरों पर खरीदारी कर बुनकर समुदाय को प्रोत्साहित करें। मंत्री ने आगामी सम्मक्का-सरलम्मा जातरा में श्रद्धालुओं के लिए हथकरघा साड़ियों की बिक्री हेतु टीजीएससीओ को स्टॉल लगाने का भी आमंत्रण दिया।

बायोफैब्री और भारत बायोटेक ने टीबी वैक्सीन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जेंडल समूह की वैश्विक मानव टीका विकास कंपनी बायोफैब्री और भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) ने सोमवार को एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य टीबी टीकों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करना है। इस समझौते के तहत भारत में एमटीबीवीएसी वैक्सीन के लाइसेंस मिलने तक बीबीआईएल की उत्पादन क्षमता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तकनीक का हस्तांतरण शुरू कर दिया गया है।

एमटीबीवीएसी एक अत्यधिक आशाजनक टीबी वैक्सीन है जो वर्तमान में नैदानिक परीक्षणों के अंतिम चरण में है। बीबीआईएल ने कहा कि यह पहल टीबी वैक्सीन को सुलभ, किफायती और समान रूप से उपलब्ध कराने में मदद करेगी, खासकर उन देशों में जहां तपेदिक का बोझ अधिक है। भारत में एमटीबीवीएसी के पहले और दूसरे चरण के नैदानिक परीक्षण पहले ही सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें वैक्सीन की सुरक्षा और प्रतिरक्षात्मक क्षमता प्रमाणित हुई। इन परिणामों के आधार पर, बीबीआईएल तीसरे चरण के प्रभावकारिता अध्ययन की तैयारी कर रहा है, जिसमें प्रतिभागियों की भर्ती 2026 की पहली तिमाही में शुरू होने की उम्मीद है।

रचाकोंडा पुलिस रिपोर्ट : कई अपराध घटे, कुछ मामलों में बढ़ोतरी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रचाकौंडा पुलिस कमिश्नरेट ने सोमवार को वर्ष 2025 की वार्षिक अपराध रिपोर्ट जारी की। पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने बताया कि लगातार निवारक पुलिसिंग, तकनीकी निगरानी और लक्षित प्रवर्तन के चलते कई गंभीर अपराधों में कमी आई है। रिपोर्ट में लाभ के लिए की गई हत्याएं 5 से घटकर 3, डकैती 4 से 2 और लूटपाट की घटनाएं 118 से घटकर 67 दर्ज की गईं। ऑटोमोबाइल चोरी 1,086 से घटकर 876 और सामान्य चोरी 1,310 से घटकर 1,161 हुई। सेंधमारी की घटनाओं में भी मामूली गिरावट देखी गई, जो बेहतर निगरानी और चोरी-रोधी उपायों का संकेत है।

हालांकि, रिपोर्ट में कुछ अपराधों में वृद्धि भी देखी गई। अपहरण के मामले 463 से बढ़कर 579 हो गए हैं, वहीं छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के मामले 953 से बढ़कर 1,224 हो गए। शारीरिक और अन्य अपराध 22,357 से बढ़कर 27,342 दर्ज किए गए। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में मिश्रित रुझान रहा, बलात्कार 384 से घटकर 330, दहेज हत्याएं 18 से घटकर 12 और घरेलू हिंसा 1,222 से घटकर 782 हुई। आयुक्त ने बताया कि कुछ वृद्धि बेहतर रिपोर्टिंग और मामलों के पंजीकरण के कारण हुई है, जो जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। आयुक्त जी सुधीर बाबू ने कहा कि राचकौंडा पुलिस निवारक पुलिसिंग को और मजबूत करेगी, सामुदायिक संपर्क बढ़ाएगी और महिलाओं व बच्चों से जुड़े अपराधों पर कड़ी कार्रवाई करेगी। उन्होंने वार्षिक रिपोर्ट को आगामी वर्ष की पुलिसिंग प्राथमिकताओं के लिए रणनीतिक रोडमैप बताया, जिसमें अपराध की रोकथाम, पीड़ितों की सुरक्षा और त्वरित जांच पर जोर होगा। उन्होंने अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को सतर्क रहने और अपराध नियंत्रण में लगातार प्रयास करने के निर्देश दिए।

भद्राचलम में कांग्रेस नेताओं के बीच विवाद जारी

कोत्तागुडेम, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम के विधायक डॉ. तेल्लम वेंकट राव और पूर्व कांग्रेस विधायक पोडेम वीराया के बीच पुरानी दुश्मनी अब भी खत्म नहीं हुई है। वीराया ने एक बार फिर विधायक के खिलाफ तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने चेरला मंडल में आयोजित एक रैली में कहा कि डॉ. वेंकट राव अभी भी बीआरएस से जुड़े हैं और कांग्रेस के नेता नहीं हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से यह समझने को कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के 17 दिसंबर के फैसले के अनुसार, डॉ. वेंकट राव और अन्य दलबदलू विधायक बीआरएस से जुड़े बने रहेंगे।

वीराया ने चेतावनी देते हुए कहा कि बीआरएस से दलबदल करने के बाद कांग्रेस नेता होने का दावा करने वालों को उचित सबक सिखाने की जरूरत है। उनके इस बयान से भद्राचलम विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं, विशेषकर डॉ. वेंकट राव के समर्थकों में असंतोष फैल गया है। हालांकि, विधायक या उनके समर्थकों की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पार्टी कार्यकर्ताओं को डर है कि इस विवाद के चलते निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो सकती है। दूसरी ओर, पिनापाका में भी कांग्रेस नेताओं के बीच आंतरिक कलह सामने आई है। विधायक पयाम वेंकटेश्वरलू ने आरोप लगाया कि हाल ही में संपन्न ग्राम पंचायत चुनावों में पार्टी के कई नेताओं ने पार्टी समर्थकों को हराने के लिए साजिश रची। उन्होंने ये टिप्पणियां सोमवार को नव निर्वाचित सरपंचों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कीं। इससे स्पष्ट है कि पार्टी के भीतर संगठनात्मक और राजनीतिक मतभेद अभी भी जारी हैं, जो आगामी चुनावों के लिए चिंता का विषय हैं।

तमिलनाडु से ताड़ का गुड़ लाकर व्यापारी शहर में कर रहे बिक्री

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपने 20 के दशक के उत्तरार्ध में, चिन्नाराज तमिलनाडु के थूथुकुडी से ताड़ के गुड़ (नट्टू करुपट्टी) से भरा पिकअप ट्रक लेकर हैदराबाद आते हैं। नागार्जुन सागर रोड के याचारम इलाके में वह अपनी गाड़ी खड़ी करके 340 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से गुड़ बेचते हैं। चिन्नाराज उन लगभग एक दर्जन किसानों और व्यापारियों में से एक हैं, जो उपनगरों में आकर तमिलनाडु के प्राकृतिक गुड़ का व्यापार करते हैं।

ताड़ का गुड़, जिसे तमिल में नट्टू करुपट्टी कहते हैं, खजूर के पेड़ों के रस से तैयार किया जाता है। किसानों द्वारा रस इकट्ठा कर बड़े बर्तनों में उबालकर गाढ़ा किया जाता है और गहरे भूरे टुकड़ों में जमाया जाता है। चिन्नाराज का कहना है कि पिछले दो वर्षों से वह शहर और आसपास के इलाकों में यह उत्पाद बेच रहे हैं। मुरुगन और उनके रिश्तेदार इस व्यापार से जुड़े हैं और सीमित मात्रा में गुड़ का सेवन पाचन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और ऊर्जा बढ़ाने में लाभकारी होता है। गुड़ को ताड़ के पत्तों की टोकरियों में पैक कर शहर के बाहरी इलाकों में बेचा जाता है। बक्कियानाथन के अनुसार, स्थानीय स्तर पर बड़े व्यापारियों को बेचने पर मुनाफा कम होता है, इसलिए यह खुदरा बिक्री के लिए दूसरे शहरों में ले जाया जाता है। खरीददार इसके स्वास्थ्य लाभों से परिचित होकर आधा किलो या उससे अधिक गुड़ खरीदते हैं। इस तरह, तमिलनाडु के किसानों और व्यापारियों का यह उत्पाद हैदराबाद में लोकप्रियता हासिल कर रहा है।

टीएसआरटीसी सतर्कता अधिकारी बन ठग ने बस कंडक्टरों से वसूले पैसे, गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। काचीगुडा पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो खुद को टीएसआरटीसी का सतर्कता अधिकारी बताकर बस कंडक्टरों से पैसे वसूलता था। आरोपी के. सुधीर (43), सरूरनगर का निवासी, कैमरे से कंडक्टरों की नींद में वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करता था। डीसीपी (पूर्व) बी. बालास्वामी ने बताया कि सुधीर वीडियो दिखाकर कंडक्टरों को धमकाता और उनसे पैसे लेने का दबाव डालता था। आरोपी ने इस तरीके से कई कंडक्टरों को परेशान किया और धन वसूल किया। पुलिस ने बताया कि सुधीर तीनों आयुक्त मंडलों के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज 10 मामलों में शामिल रहा है। उसे गिरफ्तार कर मामले की जांच जारी है और आगामी कार्रवाई की जा रही है।

बीआरएस प्रमुख के आरोपों के बाद कांग्रेस मंत्रियों का जवाब

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव द्वारा कांग्रेस सरकार की विभिन्न विफलताओं की आलोचना के एक दिन बाद, कैबिनेट मंत्रियों ने उनका बचाव करने और आरोपों का जवाब देने की कोशिश की। सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जुपल्ली कृष्णा राव, पोन्नम प्रभाकर और वी श्रीहरि ने कहा कि केसीआर केवल अपनी पार्टी के हितों की रक्षा के लिए सामने आए हैं, न कि पालमुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना या कृष्णा नदी के जल बंटवारे के लिए चिंता व्यक्त करने के लिए।

मंत्रियों ने भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि केंद्र ने राज्य की जरूरत के अनुसार उर्वरक की आपूर्ति नहीं की। बीआरएस कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि लोग कांग्रेस सरकार का समर्थन इसके शासन और कल्याण एवं विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के कारण कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार को हटाने का अधिकार केवल जनता को है, न कि राजनीतिक नेताओं को, और अगर केसीआर को लगता है कि कांग्रेस सरकार सुशासन देने में विफल रही है तो वह विधानसभा में उसे बेनकाब कर सकते हैं।

पशुपालन मंत्री वी श्रीहरि ने बीआरएस प्रमुख पर आरोप लगाया कि वे कालेश्वरम परियोजना को समय से पूरा करने के उद्देश्य से पीआरएलआई योजना की उपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर पीआरएलआई योजना में देरी को लेकर आंदोलन की आड़ में राजनीतिक नाटक कर रहे हैं। मंत्रियों ने जोर देकर कहा कि बीआरएस केवल राजनीतिक लाभ के लिए कार्रवाई कर रही है और उनकी आलोचना केवल पार्टी की रक्षा के इरादे से की गई है।

पुरानी दुश्मनी में दो लोगों की हत्या

पलनाडु, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के आदिगोप्पुला क्षेत्र में रविवार देर रात पुरानी दुश्मनी को लेकर दो लोगों की कथित हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, श्री राम मूर्ति और हनुमंथु को स्थानीय युवक नरेश के नेतृत्व वाले गिरोह ने घातक हथियारों से हमला कर मार दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों का कुछ दिन पहले गांव में नरेश से विवाद हुआ था, जिसमें नरेश की मां को पत्थर लग गया था।

इसी कारण नरेश ने मूर्ति और हनुमंथु को निशाना बनाने की योजना बनाई। उन्होंने कथित तौर पर 10 अन्य लोगों के साथ मिलकर शिकार करने वाले चाकू और लोहे की छड़ से हमला किया, जिससे दोनों मौके पर ही घायल होकर दम तोड़ गए। ग्रामीणों ने पहले दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने की कोशिश की थी, लेकिन प्रयास असफल रहे। आरोपी नरेश और उसके साथी फरार हैं। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नवनिर्वाचित सरपंचों का पहला मुकाबला गांवों की समस्याओं से

संगारेड्डी, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को शपथ ग्रहण समारोह के बाद नवनिर्वाचित सरपंच और वार्ड सदस्य जश्न के माहौल में थे, लेकिन गांवों में फैली कई समस्याओं ने उनका स्वागत किया।

मतदाताओं ने बदलाव की उम्मीद के साथ उन्हें चुना था, इसलिए ग्रामीण कई मुद्दे लेकर उनके पास पहुंचे। पिछले लगभग दो वर्षों में कांग्रेस सरकार ने गांवों के विकास की अनदेखी की है, जिससे पंचायतों की गतिविधियाँ बाधित हुई हैं।

कांग्रेस सरकार ने कचरा संग्रहण के लिए इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्टरों के ईंधन और गांवों में स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए धनराशि जारी नहीं की।

पूर्व मेदक जिले के गांवों में स्वच्छता कार्य ठप हैं और सफाईकर्मियों तथा पंचायत कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध नहीं है। पिछली बीआरएस सरकार द्वारा दिए गए ट्रैक्टर अधिकांश गांवों में बेकार पड़े हैं। जनवरी 2019 के बाद से धन की कमी के कारण पंचायत सचिव भी दैनिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित नहीं कर पा रहे हैं।

पूर्व मेदक जिले में कुल 1,613 ग्राम पंचायतें हैं और सभी गांवों की स्थिति लगभग समान है। पहली बार चुने गए प्रतिनिधियों के लिए कार्यकाल चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि उन्हें अनुभवहीन प्रतिनिधियों के साथ काम करना होगा।

संगारेड्डी विधायक चिन्था प्रभाकर ने नव निर्वाचित सरपंचों और वार्ड सदस्यों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से पर्याप्त धनराशि आवंटित करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पंचायतों की अनदेखी जारी रही, तो आगामी एमपीटीसी और जेडपीटीसी चुनावों में जनता सरकार को सबक सिखाएगी।

नेकलेस रोड पर बाढ़ से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिले में आपदा प्रबंधन तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से सोमवार को नेकलेस रोड (व्यू प्वाइंट क्षेत्र) पर एक व्यापक बाढ़ मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। यह अभ्यास जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान बाढ़ की स्थिति में प्रतिक्रिया कार्यों का अनुकरण किया गया और विभिन्न विभागों की तैयारी, आपसी समन्वय तथा संचालन क्षमता का आकलन किया गया। यह अभ्यास घटना प्रतिक्रिया प्रणाली (आईआरएस) के तहत किया गया।

जिला राजस्व अधिकारी वेंकटाचार्य ने घटना कमांडर की भूमिका निभाई, जबकि उप कलेक्टर रवि स्टेजिंग एरिया मैनेजर के रूप में संसाधनों की तैनाती की निगरानी करते रहे। राजस्व, पुलिस, अग्निशमन, स्वास्थ्य, जीएचएमसी, परिवहन, सिंचाई, विद्युत, जल आपूर्ति, नागरिक आपूर्ति, पशुपालन, युवा सेवाएं, हाइड्रा, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आरएंडबी सहित कई विभागों ने भाग लिया।

एनडीएमए के राज्य पर्यवेक्षक (ब्रिगेडियर) और अग्निशमन सेवाओं के महानिदेशक विक्रम सिंह मान ने अभ्यास का निरीक्षण किया और अधिकारियों से आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। एनडीएमए के प्रमुख परामर्शदाता सुधीर भाल (सेवानिवृत्त) ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय की सराहना की। बाद में अधिकारियों ने केआईएमएस अस्पताल का दौरा कर अस्पताल की आपदा तैयारियों की भी समीक्षा की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.